CMYK

अधिकतम : 22°C
न्यूनतम : 12°C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

मेरठ, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 308 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com बैसाख कृष्ण पक्ष 8 विक्रमी सम्वत् 2083 21 शव्वाल 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

बेकाबू हो रहे इजरायल पर लगाम कसे अमेरिका: उमर अब्दुल्ला पेज 2

शुभमन गिल पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना खेल टाइम्स

क्या भारतीय राजनीति में अब उम्र की सीमा तय होनी चाहिए सम्पादकीय

सऊदी अरब और तेहरान के बीच नजदीकियां बढ़ीं पेज 12

इजरायल का लेबनान पर बड़ा हमला

254 लोगों की मौत, 1100 से अधिक नागरिक घायल

बेरूत, वार्ता

- युद्धविराम समझौता होने के कुछ ही घंटों बाद अब तक का सबसे भीषण हमला किया
- बेरूत, बेका घाटी, माउंट लेबनान, सिडोन, दक्षिणी गांवों सहित कई क्षेत्रों को बनाया निशाना
- IDF ने हिजबुल्लाह के अली यूसुफ हर्षी को भी मारने का दावा किया, अभी तक पुष्टि नहीं

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम समझौते के कुछ ही घंटों बाद इजरायल ने लेबनान में अब तक का सबसे भीषण हमला किया है, जिसमें भारी विनाश हुआ है और बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। लेबनान के नागरिक सुरक्षा विभाग ने एक बयान में कहा कि बेरूत, बेका घाटी, माउंट लेबनान, सिडोन और दक्षिणी गांवों सहित कई क्षेत्रों में हुए हवाई हमलों में कम से कम 254 लोग मारे गए हैं और 1,100 से अधिक घायल हुए हैं।

इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने तर्क दिया कि इन हमलों का उद्देश्य हिजबुल्लाह से जुड़े बुनियादी ढांचे को नष्ट करना था। हमलों के मुख्य निशाने लितानी नदी पर बने प्रमुख क्रॉसिंग थे। इजरायल इसे दक्षिणी लेबनान को अलग-थलग करने और अपनी सीमा से लगभग 30 किलोमीटर तक बफर जोन स्थापित करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा बता रहा है। आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के अली यूसुफ हर्षी को भी मारने का दावा किया है, हालांकि हिजबुल्लाह ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। इस अभियान की व्यापकता और तीव्रता ने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया है। इजरायली सेना ने कथित तौर पर कुछ ही मिनटों के भीतर लगभग 100 स्थानों पर हमला किया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने इस बमबारी को 'विशाल' बताया है। लेबनान के अस्पताल घायलों की बढ़ती संख्या के कारण जूझ रहे हैं और रक्तदान के लिए तत्काल अपील की गई है।

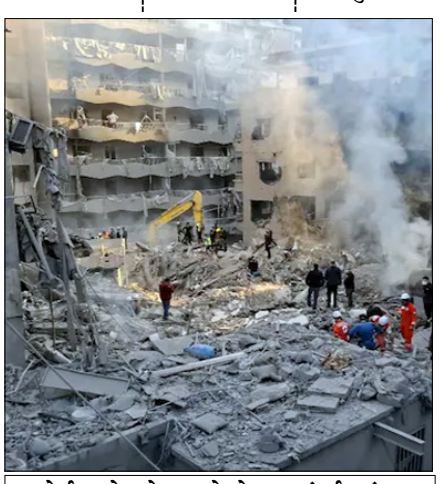

होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के बाद मुंबई पहुंचा एलपीजी जहाज 'ग्रीन आशा'

मुंबई। मुंबई के पास स्थित जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) ने गुरुवार को 'ग्रीन आशा' नामक एक भारतीय ध्वज वाले एलपीजी जहाज का स्वागत किया। इस जहाज ने रणनीतिक रूप से संवेदनशील होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार किया है। यह जहाज बीपीसीएल- आईओसीएल द्वारा संचालित लिक्विड बर्थ पर लंगर डाल चुका है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस जहाज में 15,400 टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लदी हुई थी।

संयुक्त राष्ट्र ने इन हमलों की निंदा करते हुए चेतावनी दी है कि यह हिंसा उस समय हुई जब शांति की उम्मीदें -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकलने का मैप किया जारी

- कहा: धमाके से बचने के लिए हमसे बात करें, रिपोर्ट: प्रति बैरल एक डॉलर टोल लगाएगा ईरान
- ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट दोबारा बंद किया
- लेबनान पर इजरायल के भीषण हमले के बाद फैसला

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों के लिए नया मैप जारी किया है। इसका मकसद जहाजों को समुद्र में बिछी बारूदी सुरंगों से बचाना है।

इस मैप में उन खतरनाक इलाकों को दिखाया गया है, जहां जहाजों का जाना मना है। रिपोर्ट के मुताबिक, पहले जहाज ओमान के किनारे के पास से गुजरते थे, लेकिन अब उन्हें ईरान के किनारे के पास से निकलने की सलाह दी गई है। इससे माइन वाले इलाकों से बचा जा सकता है। ईरान ने जहाजों से कहा है कि वे पहले उसके अधिकारियों से संपर्क करें, तभी उन्हें सुरक्षित रास्ता बताया जाएगा। ईरान अब इस रास्ते से गुजरने वाले तेल के जहाजों पर नजर भी रखेगा। हर जहाज को पहले अपने माल यानी कार्गो की पूरी जानकारी देनी होगी, उसके बाद ही आगे जाने की इजाजत मिलेगी। वहीं फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान हर बैरल तेल पर 1 डॉलर टैक्स लेने की तैयारी कर रहा है और यह पैसा क्रिप्टोकरेंसी में लेना चाहता है। ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज पर नजर रखेगा और कंट्रोल करेगा। जहाजों को पहले अपने माल (कार्गो) की जानकारी देनी होगी, उसके बाद ही आगे जाने की इजाजत मिलेगी। ईरान के अधिकारी हामिद होसैनी ने कहा कि यह इसलिए किया जा रहा है ताकि अमेरिकी -शेष पृष्ठ दो पर

मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान मंदिरों के रीति-रिवाजों का जिक्र हुआ। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मंदिरों में सिर्फ खास समुदाय की एंट्री और बाहरी लोगों की मनाही से समाज बंटेगा। यह हिंदू धर्म के लिए ठीक नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोड़कर), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ (जैसे श्रृंगेरी) न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा। बल्कि जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे, उतना ही धर्म मजबूत बनेगा। उधर केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट वैद्यनाथन ने कहा कि इतिहास में ऐसे कई उदाहरण

- अदालत ने इससे हिंदू धर्म को नुकसान बताया
- केंद्र ने कहा: धार्मिक मामलों में अदालतों का दखल ठीक नहीं

हमारे सामने हैं, जब धर्म से जुड़े विवाद संवेदनशील होते हैं। वहां अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं हैं। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने गुरुवार को धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों में लगातार तीसरे दिन सुनवाई की। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोड़कर), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ (जैसे श्रृंगेरी) न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा। बल्कि जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे, उतना ही धर्म मजबूत बनेगा। आर्टिकल 17 (छुआछूत खत्म करना) बहुत ताकतवर प्रावधान है। यह सिर्फ कानून के तहत अपराध नहीं है, बल्कि संविधान इसे अपराध घोषित करता है। यह कानूनी ही नहीं, संवैधानिक स्तर पर भी गंभीर मामला है।

दिल्ली विस समेत कई इमारतों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा समेत कई सरकारी कार्यालयों को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी संबंधी ईमेल मिले। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी में प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक सुरक्षा जांच शुरू की गई। जांच के बाद सभी जगह बम होने की सूचना झूठी निकली। यह ईमेल सुबह 8.14 बजे विधानसभा और दिल्ली सरकार के कार्यालयों से जुड़ी ईमेल आईडी सहित कई आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजे गए।

मणिपुर हिंसा: घायल मां से तीन दिन बच्चों की मौत छिपाई

- अस्पताल में अखबार से सच पता चला, बम हमले में दो बच्चों की हुई थी मौत

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के मोइरांग ट्रोंगलाओबी में 6 अप्रैल की आधी रात एक घर पर बम से हमला हुआ। इसमें 5 साल के बेटे और 6 महीने की बच्ची की मौत हो गई, जबकि उनकी मां बिनाता ओइनाम गंभीर रूप से घायल हो गईं।

अस्पताल में भर्ती बिनाता तीन दिन तक अपने बच्चों के बारे में पूछती रहीं। परिवार के लोग उनकी हालत को देखते हुए सच्चाई छिपाते रहे। उन्होंने बताया कि बच्चों का इलाज चल रहा है। गुरुवार सुबह बिनाता को एक अखबार पढ़कर पता चला कि उनके दोनों बच्चे अब नहीं रहे। खबर पढ़ते ही बिनाता ओइनाम को गहरा सदमा लगा। वह रोने लगीं और बार-बार बेहोश होने लगीं। डाक्टरों ने दवाएं देकर उन्हें शांत किया। उनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

2026-27 में 6.6 प्रतिशत रहेगी भारत की जीडीपी वृद्धि दर

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने गुरुवार को कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और एक बार फिर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगी। विश्व बैंक की यहां जारी भारत विकास अपडेट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधा का आर्थिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ेगा, लेकिन इस सुस्ती के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

ईडी ने कोलकाता में मर्लिन ग्रुप पर छापा मारा

नई दिल्ली। ईडी के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने सुशील मोहता और साकेत मोहता द्वारा प्रवर्तित मर्लिन प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंगजांच के सिलसिले में सात परिसरों पर छापेमारी की। छापेमारी में पता चला कि आरोपियों और उनसे जुड़ी संस्थाओं ने कथित तौर पर जाली दस्तावेज बनाकर सार्वजनिक भूमि सहित कई भूखंडों पर धोखाधड़ी से कब्जा किया था। जांच में पता चला है कि सुशील मोहता, साकेत मोहता और उनसे जुड़ी संस्थाओं ने विभिन्न भूखंडों को अवैध रूप से हासिल करने के लिए जाली दस्तावेज बनाए।

टीएमसी राज में मां-मानुष डरे हुए: मोदी

- कहा: चार मई के बाद गुंडागर्दी का हिसाब लेंगे
- कांग्रेस और लेफ्ट एक थाली के चट्टे-बट्टे

कोलकाता। पीएम मोदी गुरुवार को पश्चिम बंगाल में 3 चुनावी रैलियां कीं। उन्होंने बीरभूमि में कहा कि हम ऐसा समाज देखने चाहते हैं। जहां हर कोई भय से मुक्त हो। ये मां, माटी और मानुष की बात करते हैं। मां आज रो रही है, माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है, डरा हुआ है।'

उन्होंने कहा कि 'गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे, जहां हर कोई भय से मुक्त हो, लेकिन टीएमसी के महाजंगलराज ने एकदम उल्टा कर दिया। टीएमसी ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान किया था।' उन्होंने कहा कि आपने टीएमसी पर विश्वास किया था, लेकिन टीएमसी ने बंगाल में बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं हैं। 4 मई के बाद हर गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा। बंगाल में अब टीएमसी का भय नहीं, भाजपा का भरोसा चलेगा। बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। हल्दिया में पीएम ने 47 मिनट की स्पीच दी, भाजपा की 6 गारंटियां दीं। पहली- भय के माहौल में आज लोगों को बार-बार कानून से मदद मांगनी पड़ती है। लेकिन हमारी सरकार में आपको न्याय मिलेगा। दूसरी- सरकारी सिस्टम जनता के लिए जवाबदेह होगा। तीसरी- घोटाले, दुष्कर्म हर क्राइम की फाइल खुलेगी। चौथी- जिसने भी करप्शन किया है, उसकी जगह जेल में होगी। मंत्री हो या संत्री, जनता का पैसा नहीं खाने देंगे। पांचवीं- जो शरणार्थी हैं, उन्हें सम्मान मिलेगा, जो घुसपैठी हैं, उन्हें खदेड़ा जाएगा। छठवीं- सभी सरकारी कर्मचारियों को इस निर्मम सरकार ने भयभीत करके रखा है। मोदी सरकार आपके साथ खड़ी है। सरकार बनते ही यहां 7वां पे कमीशन लागू करवाएंगे।

असम, केरलम और पुड्डुचेरी में बंपर वोटिंग

- असम में 84.42 फीसदी, केरलम में 75.01 फीसदी और पुड्डुचेरी में 86.92 प्रतिशत मतदान
- असम में चुनावी हिंसा में 30 घायल
- पुड्डुचेरी में भी कांग्रेस, भाजपा समर्थक भिड़े

नई दिल्ली। देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी में गुरुवार (9 अप्रैल) को विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक असम में 84.42 प्रतिशत, केरलम में 75.01प्रतिशत और पुड्डुचेरी में 86.92 प्रतिशत वोटिंग हुई। असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया।

श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है। पुड्डुचेरी में मन्नादिपेट में

पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे। केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। -शेष पृष्ठ दो पर

संयुक्त राष्ट्र में भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता

न्यूयॉर्क, वार्ता

- आर्थिक और सामाजिक परिषद से जुड़े चार अहम निकायों के चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की

संयुक्त राष्ट्र में भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। भारत ने आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी)से जुड़े चार अहम निकायों के चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की है। इन सभी चुनावों में भारत का चयन सर्वसम्मति से हुआ, जो वैश्विक मंच पर उसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इन चुनावों में भारत को विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग , गैर-सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति में चुना गया है।

इसके साथ ही, भारत की वरिष्ठ राजनयिक रहीं प्रीति सरन को आर्थिक,

सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की समिति में फिर से चुना गया है। वह इससे पहले इस समिति के सत्र की अध्यक्षता भी कर चुकी हैं। प्रीति सरन का 36 वर्षों का लंबा कूटनीतिक अनुभव रहा है, जिसमें उन्होंने वियतनाम में भारत की राजदूत के रूप में सेवा दी, साथ ही टोरंटो, जेनेवा, ढाका, काहिरा और मास्को जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर भी तैनाती संभाली। सीईएससीआर में 18 स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय समझौते के पालन की निगरानी करते हैं। यह समिति भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, पानी और स्वच्छता जैसे बुनियादी अधिकारों से जुड़े मामलों पर नजर रखती है। वहीं, एनजीओ समिति संयुक्त राष्ट्र में सिविल सोसाइटी संगठनों की भागीदारी तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग विकास और सतत भविष्य से जुड़े मुद्दों पर दिशा तय करता है, जबकि कार्यक्रम एवं समन्वय समिति संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कामकाज में तालमेल सुनिश्चित करती है। गौरतलब है कि ईसीओएसओसी संयुक्त राष्ट्र की उस केंद्रीय व्यवस्था का हिस्सा है, जो सतत विकास के तीनों आयाम आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय को आगे बढ़ाने का काम करती है। यह सफलता इन वैश्विक मुद्दों पर भारत की बढ़ती भूमिका और प्रभाव को भी रेखांकित करती है।

सिक्किम में बर्फबारी, लैंडस्लाइड फंसे 135 पर्यटकों को सेना ने बचाया

- राजस्थान में अप्रैल में सर्दी, उत्तराखंड व हिमाचल में बर्फ गिरी

नई दिल्ली। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं और उन्हें जल्द से जल्द बचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं।

सेना ने कुल 135 फंसे पर्यटकों को बचाया है। उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है। राजस्थान में 20 दिनों से बदले मौसम के कारण तापमान 7 डिग्री तक कम हुआ है। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बिहार में काल बैसाखी सिस्टम एक्टिव हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रयागराज में अशरफ के गनर की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज जिले के करेली क्षेत्र में बीच सड़क पर अशरफ के गनर रहे इरफान गद्दी की गोली मार कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात गौस नगर में अज्ञात बदमाशों ने इरघन के सीने में गोली मार दी। इरफान सड़क पर ही काफी देर र्तपता रहा, बाद में उसे अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन खून ज्यादा बहने की वजह से उसकी मौत हो गई। वारदात की सूचना पर पुलिस आयुक्त सिटी मनीष कुमार शांडिल और सहायक पुलिस आयुक्त राजकुमार मीणा भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। फौरी तौर पर पुरानी रंजिश में हत्या की बात सामने आ रही हैं। सूत्रों ने बताया कि मृतक इरघन गद्दी दिवंगत अशरफ के साथ उनकी सुरक्षा मे बन्दूक लेकर चलता था। इलाके के लोग बता रहें हैं कि उसकी रंजिश चकिया के आशिफ दुर्रानी से चल रही थी। मामले की जांच पुलिस अभी कर रही हैं। मृतक के परिवार के सदस्य्य की तहरीर पर आशिफ दुर्रानी सहित एक अन्य पर मुकदमा दर्ज हुआ है।

मुफ्त इलाज का झांसा देकर ठगी महिला गिरफ्तार

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर की स्वरूपनगर पुलिस ने इलाज कराने के नाम पर ठगी कर आभूषण लूटने वाली एक महिला ठग को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने गुरुवार को यहां पत्रकारों को बताया कि बीते छह अप्रैल को हृदयरोग संस्थान में एक अज्ञात महिला द्वारा मरीज की पत्नी को इलाज कराने का झांसा देकर सोने के टॉप्स, मंगलसूत्र और पायल सहित करीब तीन लाख रुपये के आभूषण ठग लिए गए थे। इस संबंध में थाना स्वरूपनगर में मामला दर्ज किया गया था।

बेकाबू हो रहे इजरायल पर लगाम कसे अमेरिका: उमर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा: युद्धविराम की विफलता के लिए ईरान दोषी नहीं होगा

श्रीनगर, वार्ता

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि युद्धविराम की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका को इजरायल पर लगाम कसनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि निरंतर होते हमले पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों को पटरी से उतार सकते हैं।

उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आचरण की भी आलोचना की और उनके बयानों में 'असंगति तथा अनुचित भाषा' का आरोप लगाते हुए कहा कि यह उनके पद की गरिमा के अनुकूल नहीं है। मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में एक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से कहा कि ईरान ने संघर्ष की शुरुआत नहीं की थी और युद्ध उस पर ष्थोपाष गया था। उन्होंने युद्धविराम के बाद अमेरिका के जीत के दावों पर भी सवाल उठाए। उमर ने वाशिगटन से ष्इजरायल को नियंत्रित करनेष का आह्वान किया और लेबनान में जारी हमलों तथा नागरिक हताहतों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि युद्धविराम विफल होता है, तो इसकी जिम्मेदारी ईरान पर नहीं बल्कि इजरायल पर डाली जानी चाहिए। श्री उमर ने भारत की विदेश नीति पर कांग्रेस की आला. ेचना के संबंध में कहा कि वह इसे विफलता या सफलता का नाम नहीं देंगे, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान ष्वह करने में सफल रहा जो दूसरे नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि इजरायल के साथ भारत के घनिष्ठ संबंधों ने शायद उसके राजनयिक दायरे को सीमित कर दिया है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि ऐसा न होता, तो अमेरिका और ईरान दोनों के साथ बेहतर संबंधों के कारण नई दिल्ली अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकती थी। उमर ने कहा कि यदि पाकिस्तान ने इसमें योगदान दिया है, तो ष्इसकी सराहना की जानी चाहिए और हमें आगे बढ़ना चाहिए।ष श्री उमर ने महिला आरक्षण विधेयक की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि संसद पहले ही इस मुद्दे पर कानून पारित कर चुकी है और सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि अब क्या बदल गया है। उन्होंने कहा कि अब तक कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया गया है। उन्होंने पूछा कि अब क्या बदल गया है? उन्होंने ध्यान दिलाया कि यह कानून भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ही लाई और उसी के नेतृत्व में इसे पारित किया गया था, न कि यह किसी पिछली सरकार से विरासत में मिला था। उमर ने महिला आरक्षण के प्रति समर्थन दोहराया लेकिन कहा कि कुछ तो सही नहीं है। उन्होंने भारत सरकार, विशेष रूप से भाजपा से इस पर सच्चाई सामने रखने का आग्रह किया कि मौजूदा कानून होने के बावजूद नए विधेयक पर विचार क्यों किया जा रहा है।

यूपी में 12 आईपीएस के तबादले

कई जिलों में नई तैनाती

प्रदेश सरकार ने कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए बड़े पैमाने पर एएसपी व डीएसपी भी किए इधर से उधर

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 12 अधिकारियों का तबादला कर दिया। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय की तरफ से जारी आद. ेश के तहत विभिन्न जनपदों और पुलिस कमिश्नरेट में तैनात अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी सूची के अनुसार, आईपीएस अधिकारी सागर जैन को सहारनपुर (ग्रामीण) से प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। मनोज कुमार रावत को गोंडा (पूर्वी) से संभल (दक्षिणी) में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर भेजा गया है। वहीं आयुष विक्रम सिंह को मेरठ (नगर) से बहराइच (नगर) में नई तैनाती दी गई है। इसी क्रम में विनायक गोपाल भोसले को सीतापुर से मेरठ (नगर) और अंतरिक्श जैन को मेरठ से बुलंदशहर (ग्रामीण) में अपर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। सुश्री दिविकल जैन को गौतमबुद्धनगर से लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट तथा सुश्री लिपि नागायच को गाजियाबाद से वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर नियुक्त किया गया है। राजकुमार मीणा को प्रयागराज से मिर्जापुर (नक्सल) और कुशभ रूनवाल को लखनऊ से सोनभद्र (नक्सल) में अपर पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनाती मिली है। आलोक कुमार को संभल से प्रतापगढ़ (नगर पूर्वी) तथा डा. ईशान सोनी को वाराणसी से जालौन भेजा गया है। इसके अलावा मयंक पाठक को अलीगढ़ से सहारनपुर (ग्रामीण) में अपर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं सरकार ने कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को बड़े स्तर पर पुलिस विभाग में फेरबदल करते हुए कई अधिकारियों के तबादले किए हैं। जारी आदेश के तहत विभिन्न जिलों, पुलिस कमिश्नरेट और विशेष इकाइयों में तैनात अपर पुलिस अधीक्षकों (एएसपी) व पुलिस उपाधीक्षकों (डीएसपी) को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

भाजपा के लिए एआई का मतलब इनकम: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सपा प्रमुख ने कहा: सरकार जाते-जाते हर तरीके से जनता से पैसे वसूलने में लगी हुई है

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार जाते-जाते हर तरीके से जनता से पैसे वसूलने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि पहले ट्रैफिक पुलिस के माध्यम से वसूली कराई जा रही थी और अब एआई के नाम पर जनता को लूटने का नया तरीका निकाला गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपाइयों के लिए एआई का मतलब आमदनी (इनकम) बन गया है।

यादव ने गुरुवार को एक्स पर लिखा ट्रैफिक जाम के पीछे कई वास्तविक कारण हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। इसकी वजह सड़कों की खराब स्थिति, संकरी सड़कें, खराब ट्रैफिक सिग्नल, नाकाबंदी, रूट डायवर्जन, वन-वे व्यवस्था की कमी, जलभराव, डिवाइडर की खराब हालत और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन आदि है। ट्रैफिक पुलिस की कार्य परिस्थितियां भी बेहद खराब हैं और उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। ड्राइवरों पर समय पर पहुंचने का दबाव, मानसिक तनाव और वाहनों की खराब फिटनेस भी दुर्घटनाओं और जाम की वजह बन रही है। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी कम रहती है, जबकि आगे मोड़ों पर छिपकर चालान काटने की प्रवृत्ति बढ़ गई है।

उप्र में क्लस्टर आधारित समन्वित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

बुनकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार:योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ मुख्यमंत्री का दावा: बुनकरों की आय, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि बुनकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार हैं और उनकी आय, सम्मान व आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बुनकरों की समस्याओं के समाधान के लिए क्लस्टर आधारित समन्वित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

गुरुवार को हथकरघा विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनकरों को कच्चे माल की बढ़ती लागत, आधुनिक डिजाइन व तकनीक की कमी और सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए योजनागत सहायता के साथ एक मजबूत और परिणामोन्मुख तंत्र विकसित करना आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में करीब 1-99 लाख बुनकर कार्यरत हैं और देश में उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में छठे स्थान पर है। कालीन, दरी व मैट उत्पादन में प्रदेश अग्रणी है, जबकि बेडशीट, फर्निशिग व ब्लैंकेट के उत्पादन में भी राज्य की महत्वपूर्ण भागीदारी है। वर्ष 2024-25 में देश के कुल हथकरघा निर्यात 1178.93 करोड़ रुपये में प्रदेश का योगदान 109. 40 करोड़ रुपये रहा, जो लगभग 9.27 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बुनकर बहुल क्षेत्रों की पहचान कर वहां क्लस्टर विकसित किए जाएं, ताकि उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन को एकीकृत किया जा सके। उन्होंने कहा कि क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर वैल्यू चेन मॉडल पर विकसित हों, जिसमें डिजाइन, ब्रांडिग, पैकेजिग और बाजार तक पहुंच शामिल हो। उन्होंने प्रत्येक क्लस्टर में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित करने तथा उन्हें आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरण और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री युवा योजना से बढ़ा इनोवेटिव स्टार्टअप का दायरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की 'सीएम युवा' पहल से युवाओं में इनोवेटिव व्यवसायों के प्रति रुचि तेजी से बढ़ रही है। प्रदेश में अब तक 10 हजार से अधिक इनोवेटिव उद्यम स्थापित हो चुके हैं, जिससे न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं, बल्कि युवा स्वयं भी रोजगार देने वाले बन रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार योजना के तहत स्थापित कुल उद्यमों में वर्तमान में लगभग 10 प्रतिशत इनोवेटिव मॉडल पर आधारित हैं। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 तक इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे प्रदेश में स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। सेक्टरवार आंकड़ों में फूड एवं रेस्टोरेंट व्यवसाय युवाओं की पहली पसंद बनकर उभरा है, जहां सर्वाधिक 763 इकाइयां स्थापित हुई हैं।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 76631.65
निफ्टी 23775.10

सोना 147000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 231000
प्रति किलो

बैंकिंग, वित्तीय कंपनियों में बिकवाली, सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का

मुंबई, वार्ता

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियों में बिकवाली हावी रही और बीएसई का संसेक्स 931.25 अंक (1.20 प्रतिशत) टूटकर 76,631.65 अंक पर बंद हुआ।

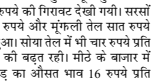

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 222.25 अंक यानी 0.93 प्रतिशत नीचे 23,775.10 अंक पर आ गया। पिछले कारोबारी दिवस पर सेंसेक्स में तकरीबन चार प्रतिशत की तेजी के बाद आज हुई मुनाफा वसूली से प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहे। हालांकि कुल मिलाकर निवेश धारणा मजबूत रही। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक बढ़त में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.22 प्रतिशत और स्मॉलकैप.100 सूचकांक 0.17 प्रतिशत चढ़ा। बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों पर सबसे अधिक दबाव देखा गया। ऑटो, तेल एवं गैस, रियलटी, एफएमसीजी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक भी टूट गए। धातु, फार्मा, स्वास्थ्य और आईटी सेक्टरों में तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडिगो का शेयर साढ़े तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट में बंद हुआ। एलएंडटी, इटरनल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर दो से तीन प्रतिशत के बीच टूटे। भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस और एक्सिस बैंक के शेयर एक से दो प्रतिशत की बीच गिरे। एशियन पेंट्स, हिदुस्तान यूनीलिवर और अडानी पोर्ट्स के शेयर भी लाल निशान में बंद हुए। बीईएल का शेयर डेढ़ प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा। पावरग्रिड, एनटीपीसी और टीसीएस के शेयर भी एक फीसदी से अधिक मजबूत हुए।

राष्ट्र के समग्र विकास के लिए विज्ञान और अध्यात्म में संतुलन जरूरी : आनंदीबेन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीब. ेन पटेल ने कहा कि राष्ट्र के समग्र विकास के लिए विज्ञान और अध्यात्म का संतुलन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मानव बनना जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण मानवीय बनना है। जनभवन में 'विश्व णमोकार महामंत्र दिवस' के अवसर पर सामूहिक रूप से णमोकार महामंत्र का जाप कर विश्व शांति, सद्भावना और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा किया गया, जिसमें 100 से अधिक देशों में लाखों लोगों ने सहभागिता की। इस मौके पर राज्यपाल आनंद. ीबेन पटेल ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है और एकजुट होकर विकास के पथ पर अग्रसर है। कार्यक्रम में विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। राज्यपाल ने जनभवन में संचालित जनहितकारी कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि यहां गरीब बच्चों की शिक्षा, गौसेवा और सामाजिक सहायता से जुड़े कई कार्य किए जा रहे हैं।

चावल, गेहूं, चीनी नरम, दालों और खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल का औसत भाव टूट गया। गेहूं और चीनी में भी गिरावट देखी गयी। वहह्ल, दालों और खाद्य तेलों में उतार.चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 28 रुपये घटकर 3,838 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। गेहूं तीन रुपये सस्ता हुआ और 2,768 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई।

दाल-दलहनों में मिश्रित रुख देखा गया। चना दाल की औसत कीमत 37 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मूंग दाल 34 रुपये और तुअर दाल 25 रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल का भाव 21 रुपये और मसूर दाल का दो रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 56 रिंगिट चढ़कर 4,642 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 67.77 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल औसतन 109 रुपये और वनस्पति 77 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल में भी 38 रुपये की गिरावट देखी गयी। सरसों तेल 11 रुपये और मूंगफली तेल सात रुपये महंगा हुआ। सोया तेल में भी चार रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त रही। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 16 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। चीनी भी पांच रुपये सस्ती हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल.दलहन: दाल चना 7658.98 रुपये, मसूर काली 8074.54 रुपये, मूंग दाल 10127.32 रुपये, उड़द दाल 10814.44 रुपये, तुअर दाल 11256.89 रुपये प्रति क्विंटल रही।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज्मी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

इजरायल का... उभरने लगी थीं। संयुक्त राष्ट्र की विशेष समन्वयक जीनिन हेनिस-प्लासचार्ट ने जोर देकर कहा कि कोई भी पक्ष बल के माध्यम से जीत हासिल नहीं कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों के अनुसार, शत्रुता बढ़ने के बाद से लेबनान की आबादी का लगभग पांचवां हिस्सा, यानी 12 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। यह संख्या 2024 के इजरायल-हिजबुल्लाह संघर्ष के स्तर को भी पार कर गई है। सहायता एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि कमजोर समूह इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) का अनुमान है कि विस्थापितों में 13,000 से अधिक गर्भवती महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से कई चिकित्सा देखभाल से वंचित हैं। स्वास्थ्य सेवाएं ठप होने की कगार पर हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य सुविधाओं पर 100 से अधिक हमलों की पुष्टि की है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को क्षेत्र को स्थिर करने के एक अवसर के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन इजरायली बलों और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष ने शांति वार्ता पर संदेह उत्पन्न कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता फरहान हक ने सभी पक्षों से बातचीत का रास्ता चुनने का आग्रह किया है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशक्यान ने गुरुवार को कहा कि लेबनान में इजरायली हमलों को रोकना संघर्ष को समाप्त करने के ईरान के 10-सूत्रीय योजना की एक प्रमुख शर्त है।

ईरान ने... सैन्य ठिकानों तक दो हफ्तों में हथियारों की आवाजाही न हो सके। उन्होंने कहा कि जहाजों को जाने दिया जाएगा, लेकिन प्रोसेस में समय लग सकता है क्योंकि ईरान किसी जल्दी में नहीं है। लेबनान में इजरायल के हमले लेकर ईरान ने सख्त रुख अपनाया है। ईरानी समाचार एजेंसी के मुताबिक, सैन्य सूत्रों ने दावा किया है कि इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। ईरानी मीडिया के अनुसार, एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा कि इस अपराध और युद्धविराम उल्लंघन के लिए इजरायल को सजा दी जाएगी। अधिकारी ने आरोप लगाया कि इजरायल ने युद्धविराम की शर्तों का उल्लंघन किया है और क्षेत्र में तनाव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इजरायल अपने वादों का पालन नहीं करता और उसे केवल ताकत के जरिये ही रोका जा सकता है।

असम, केरल... इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला। असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुड्डुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई। असम के श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस कैंडिडेट ने ईवीएम तोड़ दी। इसके चलते यहां करीब तीन घंटे तक वोटिंग रुकी रही। चुनाव अधिकारियों ने दूसरी ईवीएम रखी तब वोटिंग फिर शुरू हुई। असम के बरपेटा में सुबह से तेज बारिश के कारण वोटिंग में परेशानी आई। केरलम के सीएम पिनाराई विजयन ने कन्नूर में आरसी अमला बेसिक अपर प्राइमरी स्कूल में वोट डाला। केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद सुरेश गोपी ने त्रिशूर में मतदान किया। पुड्डुचेरी में रोबोट ने पोलिंग बूथ पर आए वोटर्स का स्वागत किया।

नवकार मंत्र का सामूहिक जाप सार्थक और प्रासंगिक: अमित शाह

नई दिल्ली, वार्ता

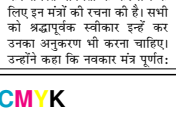

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को यहां 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' पर आयोजित समारोह में शामिल हुए और कहा कि दुनिया के अनेक हिस्सों में संघर्ष की स्थिति के बीच समस्त विश्व के कल्याण के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप सार्थक और प्रासंगिक है।

गृह मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कहा कि जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में अपने विचारों को स्थापित करने के लिए संघर्ष की स्थिति बनी हुई है, ऐसे समय में यहां से समस्त विश्व के कल्याण हेतु नवकार मंत्र का सामूहिक जाप किया जाना अत्यंत सार्थक और प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि भारत विविध संप्रदायों और धर्मों का देश है, जहां प्रत्येक परंपरा में मंत्रों की विशेष महत्ता और आध्यात्मिक शक्ति का वर्णन मिलता है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मंत्र मानव जीवन को उच्च दिशा प्रदान करते हैं, ष्हमारे चैतन्य को जागृत करते हैं और शुभ संकल्पों को सुदृढ़ बनाते हैं। जब लोग श्रद्धापूर्वक एक ही मंत्र का सामूहिक जाप करते हैं, तो उससे न केवल व्यक्ति, बल्कि समूचे देश और विश्व का भी कल्याण होता है। शाह ने कहा कि भारतीय सिद्धों ने पीढ़ियों तक अथक साधना कर समस्त मानवता के कल्याण के लिए इन मंत्रों की रचना की है। सभी को श्रद्धापूर्वक स्वीकार इन्हें कर उनका अनुकरण भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नवकार मंत्र पूर्णत: निराकार, निरपेक्ष और सार्वभौमिक प्रार्थना है, जिसमें काल, जाति, क्षेत्र या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होता है। विश्व में इस प्रकार की समावेशी और सर्वमान्य प्रार्थना मिलना अत्यंत दुर्लभ है।

शाह ने सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर बल के वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शौर्य दिवस के अवसर पर बल के वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। शाह ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सीआरपीएफ वीरता दिवस पर हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन।

कमजोर पड़ा पश्चिमी विक्षोभ का असर, बढ़ेगा तापमान

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ आने वाले कुछ दिनों में गर्मी का असर देखने को मिल सकता है: मौसम विभाग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अधिसंख्य क्षेत्रों में पिछले दिनो आंधी,बारिश और ओलावृष्टि से दिन और रात के तापमान में खासी गिरावट दर्ज की गई हालांकि गुरुवार को पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने से आने वाले कुछ दिनों में गर्मी का असर देखने को मिल सकता है।

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार बारिश और ओलावृष्टि से लखनऊ में दिन का तापमान सामान्य से करीब 10 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया था। बुधवार को यहां अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 10.02 डिग्री कम है। यह तापमान फरवरी माह के औसत अधिकतम तापमान (26.2 डिग्री सेल्सियस) के लगभग बराबर रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.9 डिग्री कम है। मौसम विभाग के अनुसार शाम 5:30 बजे तक 0.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि मंगलवार और बुधवार को आए आंधी-तूफान का कारण जम्मू-कश्मीर के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर बने चक्रवाती परिसंचरण का संयुक्त प्रभाव था। हालांकि अब ये दोनों सिस्टम कमजोर पड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार के बाद मौसम साफ हो जाएगा और दिन व रात के तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी।

रजवाहा ओवरफ्लो से टूटी पटरी

सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न होने से किसानों में भारी आक्रोश, सख्त कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। क्षेत्र के झिटकरी गांव के जंगल में बुधवार देर रात सिंचाई व्यवस्था की बड़ी लाप. रवाही सामने आई, जब रजवाहा ओवरफ्लो होने से उसकी पटरी अचानक टूट गई। पटरी टूटते ही तेज बहाव के साथ पानी आसपास के खेतों में घुस गया और देखते ही देखते सैकड़ों बीघा कृषि भूमि जलमग्न हो गई। रातभर खेतों में पानी भरता रहा, जिससे किसानों की खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं।

गुरुवार सुबह जब किसान अपने खेतों पर पहुंचे तो वहां का मंजर किसी बाढ़ग्रस्त इलाके से कम नहीं था। दूर-दूर तक खेतों में पानी ही पानी दिखाई दे रहा था। इस घटना से करीब 50 से अधिक किसान प्रभावित हुए हैं, जिनमें सहंसरपाल सिरोही, नीरज, कपिल, आदेश, सचिन, सुधीर सिरोही, प्रभाकर सिंह सहित अन्य किसान शामिल हैं। किसानों के अनुसार सरसों, गेहूं और गन्ने की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पड़ेगा। किसानों ने इस पूरे मामले के लिए सिंचाई विभाग और ठेकेदार

सरधना क्षेत्र के गांव झिटकरी में रजवाहे की पटरी टूटने से जलमग्न हुई फसल।

की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि कुछ माह पूर्व रजवाहे पर पुल का निर्माण कराया गया था, लेकिन पुल की ऊंचाई मानकों के अनुरूप नहीं रखी गई और उसे जरूरत से काफी नीचा बना दिया गया। इतना ही नहीं, निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी पुल के नीचे सेटरिंग का सामान नहीं हटाया गया, जिससे पानी के बहाव में लगातार बाधा उत्पन्न हो रही है। किसानों का आरोप है कि इसी कारण रजवाहा बार-बार ओवरफ्लो होता है और पटरी टूटने की घटनाएं आम हो गई हैं। ग्रामीणों के अनुसार इससे पहले भी कई बार इसी स्थान पर पटरी टूट चुकी है, लेकिन विभाग ने कभी स्थायी समाधान की ओर ध्यान नहीं दिया। घटना की सूचना मिलते ही किसानों ने तत्काल सिंचाई विभाग को जानकारी दी और किसी तरह रजवाहे का पानी बंद कराया गया, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि सूचना देने के बाद भी पूरे दिन विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे किसानों में भारी रोष व्याप्त है और उन्होंने विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही रजवाहे की मरम्मत कर पुल की खामियों को दूर नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए और दोषी अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसानों को इस तरह के नुकसान का सामना न करना पड़े।

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की शिक्षिकाओं ने डोर टू डोर जाकर की बच्चों की काउंसलिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। नगर के बड़ला रोड स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की शिक्षिकाओं ने टीम बनाकर डोर टू डोर ग्राम गांवडा व बीआरसी विद्यालय नम्बर एक पर जाकर बच्चों की काउंसलिंग की डॉ. रश्मि ने कॉलेज के बारे में बताया कि इस विद्यालय का चयन पीएम श्री योजना में चयनित हुआ है, यहां बालिकाओं को सभी सुविधाएं मिलेंगी। कक्षा आठ तक कोई फीस नहीं है उसके बाद भी नाम मात्र को फीस है, स्कूल में सिलाई ,पार्लर, फूड प्रिजर्वेशन विषय नि:शुल्क अतिरिक्त विषय के रूप में हैं, जो बेटियां 4 किलोमीटर से ज्यादा दूर से विद्यालय आएंगी उनके खाते में कन्वेंस (किराया) के लिए साल के 6000 रुपए खाते में आयेंगे। सहायक अध्यापिका मनीषा चौहान ने बताया कि सभी प्रयोगात्मक विषय की लैब आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं, सुरक्षित माहौल है। काउंसलर डॉ. भावना शर्मा ने बताया कि बालिकाओं से बात करने पर पता चला कि उनकी पढ़ाई विभिन्न विप.

रीत परिस्थितियों के कारण छूटी, ग्राम गांवडा की विना बाप की बेटी लक्ष्मी की पढ़ाई पिता की तीन साल पहले स्वर्गवासी होने पर छूट गई, अब वह पढ़ना चाहती है लेकिन समस्या ये है कि तीन साल खराब होने के कारण वह ओवर एज है, कक्षा सात में प्रवेश होना है उम्र 16साल हो चुकी है ऐसी बहुत सारी बेटियां हैं जो चाहकर भी दोबारा पढ़ाई शुरू नहीं कर पा रही हैं ऐसी स्थिति में मेरा विभाग से अनुरोध है कि वास्तव में अगर बेटियों को शिक्षित करना है तो इस आयु निर्धारण को थोड़ा संशोधन करना होगा। अगर कुछ संशोधन होता है तो मैं विश्वास दिलाती हूं 50 बेटियों का प्रवेश मैं खुद कराऊंगी। टीम में शिक्षिका नूतन, सीमा सैनी, राहुल यादव, राजबीर सिंह, प्रवीण कुमार और अंकुर कुमार का सहयोग रहा।

व्यापारी नेता शैंकी वर्मा को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

■ सेंट्रल मार्केट जाने से प्रशासन ने रोका

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सेंट्रल मार्केट ध्वस्तीकरण के मामले में व्यापारिक नेता शैंकी वर्मा लगातार व्यापारियों की आवाज उठा रहे हैं वह सख्त लहजे में सेंट्रल मार्केट ध्वस्तीकरण का विरोध कर रहे हैं और व्यापारियों के साथ आवास विकास के भ्रष्ट अधिकारियों की पोल खोलते हुए इस कार्यवाही का विरोध कर रहे हैं। जिसको लेकर बुधवार को एडीएम प्रशासन के साथ भी व्यापारी नेताओं की नोक झोक हो गई थी जिसको देखते हुए गुरुवार के दिन व्यापारी नेता शैंकी वर्मा को स्थानीय प्रशासन ने हाउस अरेस्ट किया। शैंकी ने कहा कि प्रशासन हमें शारीरिक रूप से पकड़ सकता है हमारे विचार और हमारी संवेदनाएं कभी नहीं रोक सकता। हम दुख की इस घड़ी में एक-एक व्यापारी के साथ हैं और रहेंगे आवास विकास में बैठे भ्रष्टाचारी इन अधिकारियों को हिसाब और जवाब दोनों देना होगा। हमारे द्वारा शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से कल प्रशासन के साथ सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का अनुपालन कराने के बावजूद पुलिस हमें नोटिस दे रही है और कुछ लोग द्वेष भाव में भ्रामक खबरें फैलाकर हमारी छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रही है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत किठौर में नारी सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज 5.0 महिला सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत बुधवार को कस्बा किठौर के मोहल्ला कुम्हारान में नारी सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मिशन शक्ति टीम, थाना किठौर द्वारा संचालित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बालिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं एवं महिलाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही बाल विवाह, पोक्सो एक्ट, साइबर क्राइम तथा यातायात नियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। टीम द्वारा छात्राओं को यह भी बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत संबंधित हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें। इस अवसर पर 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वुमेन पावर हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 108 एंबुलेंस सेवा एवं 102 स्वास्थ्य सेवा के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे सामूहिक विवाह

योजना, कन्या सुमंगला योजना, वृद्धावस्था पेंशन एवं विधवा पेंशन योजना के बारे में भी महिलाओं को जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में एसआई ओमेंद्र गंगवार चौकी माछरा सब इंस्पेक्टर किरन कुमारी सहित थाना किठौर टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गड्ढे में गिरकर अनियंत्रित हुई बाइक, महिला की मौत

■ चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर हुआ दर्दनाक हादसा

■ पति और बच्चों के साथ लौट रही थी, हादसे से परिवार में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। क्षेत्र में सड़कों की बदहाल स्थिति एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। बुधवार देर शाम चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर हुए एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। महिला अपने पति और बच्चों के साथ रिश्तेदारी से लौट रही थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के मोहल्ला किला खेवान निवासी अंशा पत्नी आरिफ अपने पति व तीन बच्चों के साथ बाइक पर सवार होकर सरधना से खतौली की ओर जा रही थी। जैसे ही उनकी बाइक अटरेना और कपसाड़ के बीच पहुंची, सड़क पर बने गड्ढे में गिरने से बाइक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में अफशां गंभीर रूप से घायल हो गई और सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गई। परिजनों द्वारा उसे तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान गुरुवार सुबह सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई।

महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। बताया गया है कि परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए गुरुवार देर शाम गमगीन माहौल में मृतका को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में सड़कों की खराब हालत को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्ग पर बने गड्ढे लंबे समय से हादसों का कारण बन रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

एसिस्टेंट कमीश्नर बनी तक्षशिला स्कूल की छात्रा पूजा चौधरी का स्कूल में ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। ककरखेड़ा स्थित तक्षशिला पब्लिक स्कूल में गुरुवार को यूपीपीएससी की परीक्षा में 123वीं रैंक प्राप्त कर एसिस्टेंट कमीश्नर (जीएसटी) बनी पूजा चौधरी का जोरदार स्वागत किया गया। स्कूल पहुँचने पर स्कूल के चेयरमैन डॉ. ओमपाल सिंह, प्रबंधिका कुसुम रानी, प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीन कुमार पथर सहित सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने एसिस्टेंट कमीश्नर बनी पूजा चौधरी का स्कूल में ढोल नगाड़ों से अभिनंदन किया। पूजा चौधरी ने अपने स्कूली शिक्षा ककरखेड़ा स्थित तक्षशिला पब्लिक स्कूल से की थी। पूजा चौधरी ने बताया कि स्कूल के चेयरमैन डा. ओमपाल सिंह व मैनेजर श्रीमती कुसुम रानी से उन्होंने अनुशासन की महत्ता को समझा और कक्षा सात से ही सामानय ज्ञान, विज्ञान और अंग्रेजी को विशेष रूप से पढ़ना प्रारम्भ कर दिया था। यह परीक्षा उन्होंने अपने प्रथम प्रयास में ही पास की। पूजा चौधरी अपने आपको अपने शिक्षकों के बीच पाकर भावुक हो गयीं। सभी शिक्षकों ने पूजा चौधरी को माला पहनाई तथा पूजा चौधरी ने भी अपने शिक्षकों को माला पहनाकर उनका आशीर्वाद लिया। स्कूल के बच्चों ने पूजा चौधरी से उनकी तैयारी के बारे में प्रश्न किये जिनका उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि यदि बच्चे कक्षा दस से ही अखबार पढ़ने की आदत डालें तो

सिविल सर्विस जैसी परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। पूजा चौधरी नया गांव की रहने वाली हैं। उनके पिता हरेन्द्र सिंह एक किसान तथा माता बबीता सिंह एक गृहणी हैं। उन्होंने मेरठ कॉलिज मेरठ से बीएससी, एमएससी (जन्तु विज्ञान) से पास की तथा सीएसआईआर नेट क्लाफाई कर वर्तमान में पीएचडी में अध्ययनरत हैं। इस अवसर पर यू.पी जाट महासभा के अध्यक्ष अमन सिंह व सुभाष सिंह पूर्व इंजीनियर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन भी उपस्थित रहे।

मासूम शर्मा की फिल्म लाइसेंस का गाना 'गच लागे' रिलीज

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। हरियाणवी फिल्म लाइसेंस के पहले गाने गच लागे का म्यूजिक वीडियो रिलीज कर दिया है। हरियाणवी सुपरस्टार मासूम शर्मा अभिनीत इस गाने में उनके साथ आइकॉनिक डांस परफॉर्मर सपना चौधरी, कंडी देसीरीक और राखी लोहचब भी हैं। अभिनेता, संगीतकार और गायक मासूम शर्मा ने कहा, 'गच लागे मेरे दिल में' एक खास जगह रखता है। इसे कंपोज करने से लेकर रिकॉर्ड करने तक, इस सफर का हर कदम बेहद आनंददायक रहा है। इतनी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने से यह प्रक्रिया और भी मजेदार हो गई। सपना चौधरी के साथ काम करना वास्तव में एक मुख्य आकर्षण रहा, उनकी उपस्थिति स्क्रीन पर बेजोड़ आकर्षण और ऊर्जा लाती है। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस गाने को वाइब से जुड़ेंगे और इसे एक बड़ी सफलता बनाएंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना में बने दो मकानों को खरीदने का आरोप

■ अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन देते हुए की कार्यवाही की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

लावड़। कस्बे में प्रधानमंत्री आवास योजना में बने दो मकानों को दबंगई से खरीदने का आरोप लगाते हुए कस्बे के ही एक युवक ने दूसरे युवक पर गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में युवक ने नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन देते हुए कार्यवाही की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार मोहित शर्मा पुत्र सुभाषचंद शर्मा निवासी वार्ड नं.-3 कस्बा लावड़ ने बृहस्पतिवार को नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अधिकारी मनोज कुमार शर्मा को एक शिकायती पत्र सौंपते हुए कहा कस्बे में नीलम पत्नी राजकुमार व आजम पुत्र इकबाल निवासी वार्ड 4 टावर वाली गली लावड़ में प्रधानमंत्री आवास योजना में दोनों पात्र श्रेणी में आए थे जिसके बाद ड्डा विभाग मेरठ द्वारा दोनों को धनराशि देकर उनके मकान बनवाए गए थे मोहित शर्मा ने आरोप लगाया कि एक मकान दीपक पुत्र चमनलाल व एक मकान सूरेशवती पत्नी मूलचंद ने दबंगई से खरीदा है आरोप है कि सूरेशवती पत्नी मूलचंद कस्बा निवासी मोहन सैनी की माता है मकान की रजिस्ट्री में मोहन सैनी गवाह भी है। मोहित ने अधिशासी अधिकारी से मकानों की जांच कर कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं मोहन सैनी ने बताया कि मकान उनकी

माता जी ने ड्डा विभाग के नियम अनुसार खुद के पैसों से मकान की पूरी कीमत देकर खरीदा है उन पर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं।

छात्र से सफाई कराने का आरोप, उत्पीड़न से परेशान छात्र ने दी आत्महत्या की चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। थाना क्षेत्र के करनावल गांव निवासी कक्षा 10 के एक छात्र ने स्कूल शिक्षक पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। छात्र का आरोप है कि शिक्षक द्वारा उससे पढ़ाई के बजाय जबरन सफाई कार्य कराया जाता है, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गया है। पीड़ित ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

करनावल निवासी यश कुमार पुत्र मनोज ने सरधना थाने पहुंचकर दी गई तहरीर में बताया कि वह इकड़ी स्थित साईं इंटरनेट पब्लिक स्कूल में कक्षा 10 का छात्र है। छात्र का आरोप है कि विद्यालय का एक शिक्षक उसे नियमित रूप से सफाई के कार्य में लगाता है। उसके अनुसार, उससे स्कूल परिसर में झाड़ू लगवाई जाती है और बरसात के दौरान जलभराव होने पर उसे व अन्य छात्रों से पानी निकलवाया जाता है।

छात्र का कहना है कि यह सिल. सिला काफी समय से चल रहा है।

जब उसने इसका विरोध किया, तो शिक्षक द्वारा उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया और उसे डराने-धमकाने का प्रयास किया गया। लगातार हो रहे इस व्यवहार से वह मानसिक रूप से आहत है और उसकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।

पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षक का रवैया अपमानजनक है, जिससे उसे अन्य छात्रों के सामने शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। इसी कारण वह तनाव में आ गया है। छात्र ने अपनी शिकायत में चेतावनी दी है कि यदि उसे इस उत्पीड़न से राहत नहीं मिली, तो वह आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हो सकता है।

मामले की जानकारी मिलते ही छात्र के परिजनों में आक्रोश फैल गया। परिजनों का कहना है कि स्कूल में इस तरह का व्यवहार निंदनीय है और बच्चों से सफाई कार्य कराना नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने थाने पहुंचकर आरोपी शिक्षक के खिलाफ तहरीर देते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही प्रशासन से छात्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हो गई है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मौलाना अब्दुल्लाह मुगेसी को नम आंखों से पेश की खिराज-ए-अकीदत

इमरान प्रतापगढ़ी, चंद्रशेखर आजाद समेत सियासी व सामाजिक शख्सियत पहुंची अजराड़ा

■ चंद्रशेखर आजाद, इमरान प्रतापगढ़ी, शाहिद मंजूर समेत कई रहनुमाओं ने पेश की ताजियत

■ जामिया इस्लामिया अरबिया गुलजार-ए-हुसैनिया बना अकीदतमंदों का मरकज

शाहिद अली/शाह टाइम्स

मुंडाली/किठौर। मुंडाली-मुल्क के मुअतबर इस्लामी आलिम मौलाना अब्दुल्ला मुगेसी के इंतकाल की खबर ने अजराड़ा समेत पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। उनके सुपुर्द-ए-खाक होने के बाद से जामिया इस्लामिया अरबिया गुलजार-ए-हुसैनिया में ताजियत का सिलसिला लगातार जारी है। दूर-दराज इलाकों से लोग पहुंचकर नम आंखों के साथ मरहूम को खिराज-ए-अकीदत पेश कर रहे हैं और उनकी मगफिरत के लिए दुआएं की हैं। गुरुवार को मदरसे का माहौल रंज-ओ-गम की कैफियत से सराबोर रहा, जहां अकीदतमंदों का सैलाब उमड़ पड़ा। इस मौके पर राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी,

किठौर विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री शाहिद मंजूर, नवाजिश शाहिद समेत कई सियासी व समाजी शख्सियत अजराड़ा पहुंचे। सभी ने मदरसे में हाजिरी देकर मौलाना अब्दुल मालिक से मुलाकात की और मरहूम के लिए दुआ-ए-मगफिरत की। इस मौके पर इमरान प्रतापगढ़ी ने गहरे रंज का इजहार करते हुए कहा कि मौलाना मुगेसी जैसी अजीम शख्सियतें सदियों में पैदा होती हैं। उन्होंने कहा कि मरहूम ने अपनी पूरी जिंदगी दीन-ए-इस्लाम की खिदमत, तालीम की तौसीअ और समाज की इस्लाह के लिए वक्फ कर दी। उनकी इल्मी और रूहानी सेवाओं की कमी हमेशा महसूस की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह कई मर्तबा अजराड़ा आकर मौलाना साहब से मुलाकात कर चुके हैं और इस सरजमीं से उनका गहरा तअल्लुक रहा है। उन्होंने बताया कि केरल में होने के बावजूद उन्होंने जनाजे की तस्वीरें और वीडियो देखे, जिनमें हर तबके के लोगों की भारी तादाद मौजूद थी, जो इस बात की गवाही देती है कि मौलाना साहब हर दिल अजीज शख्सियत थे।

शाम को चंद्रशेखर आजाद ने भी दी श्रद्धांजलि

इसी सिलसिले में शाम लगभग सात्रे पांच बजे आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद भी मदरसे पहुंचे। उन्होंने मौलाना अब्दुल मालिक से मुलाकात कर गहरा अफसोस जताया और हर हाल में परिवार व मदरसे के साथ खड़े रहने का यकीन दिलाया। इस दौरान उलेमा-ए-कराम और अन्य वक्ताओं ने मौलाना मुगेसी की इल्मी, दीनि और समाजी खिदमात को याद करते हुए उन्हें एक अजीम रहनुमा और मुहसिन-ए-मिल्लत करार दिया। पूरे मदरसा परिसर में गम की फिजा तारी रही और हर तरफ दुआओं की सदाएं गूंजती रहीं। अंत में मरहूम की मगफिरत, बुलंद दर्जात और मुल्क में अमन-ओ-अमान के लिए सामूहिक दुआ कराई गई। ताजियत का यह सिलसिला लगातार जारी है और मुल्क के मुख्तलिफ हिस्सों से अकीदतमंद अजराड़ा पहुंचकर अपनी अकीदत पेश कर रहे हैं।

अपने जन्बात को शायरी के जरिए बयान करते हुए उन्होंने कहा 'चांद-तारे बुझ गए, सूरज सवाली हो गया, एक तेरे जाने से सारा शहर खाली हो गया।' उन्होंने कहा कि यह मदरसा महज एक तालीमी इदारा नहीं बल्कि पूरे इलाके का रूहानी और इल्मी मरकज है, जिसे मौलाना साहब ने अपनी उम्र भर की मेहनत और मुहब्बत से सींचा।

लावड़ व्यापार संघ ने लाइसेंस शुल्क के विरोध में किया बैठक का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

लावड़। बहस्पतिवार को देर शाम लावड़ व्यापार संघ द्वारा एक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें नगर पंचायत द्वारा व्यापारियों पर लगाया लाइसेंस शुल्क के विरोध में गहनता से चर्चा की गई साथ ही आगामी रणनीति भी बनाई गई। मीटिंग का आयोजन मोठेपुर मार्ग पर स्थित एमएम हॉस्पिटल में किया गया।

इस दौरान मीटिंग की अध्यक्षता व्यापार संघ अध्यक्ष गौरव गुप्ता व संचालन नायाब रिजवी ने किया वही मोहन सैनी ने कहा कि लावड़ के व्यापारी हितों की रक्षा के लिए गुरुवार को लावड़ व्यापार संघ द्वारा आयोजित लाइसेंस शुल्क के विरोध में ये महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत द्वारा लगाए गए अनुचित लाइसेंस शुल्क

के खिलाफ सभी व्यापारियों ने एकजुट होकर अपना विरोध दर्ज कराया है यह लड़ाई केवल शुल्क की नहीं, बल्कि व्यापारियों के सम्मान और उनके अधिकारों की है। हम सब मिलकर इस अन्यायपूर्ण निर्णय के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे और जब तक व्यापारी हित सुरक्षित नहीं होते, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। गौरव गुप्ता ने कहा कि व्यापारी पहले से ही अन्य कई तरह के टैक्स भर रहे हैं उन पर ये लाइसेंस शुल्क थोपना ठीक नहीं है वह इस शुल्क को देने में सक्षम नहीं है उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी शुक्रवार को चेयरपर्सन हन्जन आफताब से मुलाकात कर इस शुल्क को खत्म करने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर यहां समस्या का समाधान नहीं होगा तो वह एसडीएम सरधना से भी भेंट करेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो वो व्यापारी हित के लिए अन्य उच्च अधिकारियों से भी मिलेंगे। इस दौरान गौरव गुप्ता, नायाब रिजवी, मोहन सैनी, डॉ. इकबाल मलिक,अरुण गुप्ता, रामभूल प्रजापति, प्रभात गुप्ता, रामानंद विल्दोरिया, हाजी खुर्शीद रिजवी, मनीष अग्रवाल, प्रदीप कुमार, सोनू आदि सहित काफी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

स्कूल बस हादसा: मुकदमा दर्ज, ट्रांसपोर्टर सहित दो को भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

दौराला/लावड़। दौराला मसूरी मार्ग पर काली नदी के पुल के पास सेंट मैरी एकेडमी के बच्चों को ले जा रही बस अचानक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी जिससे बच्चों में चीख पुकार मच गई थी वहीं मौके पर कुछ लोगों ने बच्चों को बस के शीशे तोड़कर बाहर निकाला था इस हादसे में कई बच्चे घायल हुए थे जिनमें से कक्षा 6 की लावण्या की हालत चिंताजनक बनी हुई है इस हादसे में पूरे जिले में हड़कंप मचा दिया था इसके बाद आसपास क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे थे पुलिस ने इस प्रकरण में जांच पड़ताल कर मुकदमा पंजीकृत किया। जिसके बाद पुलिस ने ट्रांसपोर्टर आसिफ सहित दो लोगों को हिरासत में लेकर एसडीएम कोर्ट में पेश किया जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वही स्कूल प्रबंधन ने ट्रांसपोर्टर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया।

ज्ञानश्री कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल एजुकेशन में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। ज्ञानश्री कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल एजुकेशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने रैंप वॉक, डांस और अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस समारोह में मिस फेयरवेल कशिश, बेस्ट रैंप वॉक दीपिका, बेस्ट डांस गरिमा को पुरस्कृत किया गया। कॉलेज के सचिव मोहित तोमर, सेक्रेटरी विनय देशवाल और डायरेक्टर डॉ. स्वाति अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। गृह विज्ञान विभाग की मेयर दीपाली अरोड़ा, आरजू, सानिया, अलीशा और अनुशासन समिति के सोमपाल, दिनेश कुमार ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

रियलमी 16 5जी भारत में हुआ लॉन्च

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन, रियलमी ने आज रियलमी 16 5जी पेश किया। यह नई जनरेशन के युवा यूजर्स के लिए बनाया गया है, जो अपनी क्रिएटिविटी, पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के साथ रोजमर्रा की विज्युअल स्टोरीटेलिंग प्रदर्शित करना चाहते हैं। रियलमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, फ्रैंसिस वॉंग ने कहा, इसमें ए.आई आधारित ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा और जबरदस्त सेल्फी इनोवेशन दिए गए हैं। साथ ही 7,000 एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी के बावजूद अल्ट्रा-लाईट रियलमी 16 5जी मिड-रेंज का सबसे बेहतर स्मार्टफोन है। इस स्मार्टफोन में कई इनोवेशन, जैसे उद्योग का पहला सेल्फी मिरर और 7,000 एम.ए.एच की दमदार बैटरी के साथ स्लिम और दैनिक उपयोगिता का डिजाईन दिया है।

सरधना में बस्ती चलो अभियान के तहत जनसंपर्क व स्वच्छता अभियान भी चलाया

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। नगर मंडल क्षेत्र के वार्ड संख्या 23 स्थित मोहल्ला गुजरान एवं ग्राम जुल्हेड़ा में मंगलवार को 'बस्ती चलो अभियान' के अंतर्गत व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी मान सिंह गोस्वामी शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए लोगों को उनके लाभों के बारे में जागरूक किया। साथ ही योजनाओं से संबंधित पत्रक भी वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि यदि देश का प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए कार्य करे, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। कार्यक्रम के अंत में मंडल अध्यक्ष विनोद जैन ने सभी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों का आभार व्यक्त किया। इसके अलावा 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत मंदिर परिसर में सफाई अभियान भी चलाया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के संयोजक मंगू प्रधान एवं नवीन त्यागी रहे। इस अवसर पर आलोक जैन, राजीव जैन, नीरज जैन, संकेत सिंहे, संजीव शर्मा, रक्षित गर्ग, प्रदीप बुद्धि राजा, मुदित महेश्वरी, उमा त्यागी, पिंकी सोम, विमल अरोड़ा, शालिनी सैनी, मोहित ठाकुर, आशीष भारत, शानू जैन, राहुल पाल, सुमित वाल्मीकि, वीरेंद्र सैनी, एडवोकेट राजकुमार प्रजा. पति, शिव कुमार जैन, लोकेश जैन, मनमोहन त्यागी, पवन कुमार, दरोगा महिपाल वाल्मीकि, विक्की पर्चा, सुगंध चंद्र वाल्मीकि, नीतू वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

51वीं उ.प्र. पावर सेक्टर कुश्ती एवं कबड्डी प्रतियोगिता का समापन

मेजबान पश्चिमांचल डिस्कॉम ने दोनों प्रतियोगिताओं में दबदबा कायम रखते हुए ओवरऑल चैम्पियनशिप ट्रॉफी पर किया कब्जा जमाया

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। प्रबन्ध निदेशक रवीश गुप्ता (आईएएस) के निर्देशन में 51वीं अन्तर परियोजना/डिस्कॉम्स की कुश्ती एवं कबड्डी प्रतियोगिता 8 व 9 अप्रैल का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में स्थित दारा सिंह कुश्ती स्टेडियम में आयोजित 51वीं पावर सेक्टर अन्तर-परियोजना/डिस्कॉम्स कुश्ती एवं कबड्डी प्रतियोगिता का गुरुवार को विजय उल्लास के साथ भव्य समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर के ऊर्जा सैक्टर के खिलाड़ियों ने अपनी ताकत, तकनीक और खेल भावना पर लोहा मनवाया।

प्रतियोगिता के अन्तिम दिन मुख्य आकर्षण पश्चिमांचल डिस्कॉम (मेरठ) और अनपरा परियोजना के बीच खेला गया, कबड्डी का फाइनल मुकाबला रहा। इस हाई वोल्टेज मैच में पश्चिमांचल की टीम ने रणनीतिक, कौशल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए अनपरा परियोजना को करारी शिकस्त दी और ट्रॉफी अपने नाम की। कुश्ती के अखाड़े में भी पश्चिमांचल के पहलवानों ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर, प्रथम स्थान प्राप्त किया।

समापन के अवसर पर प्रतियोगिता की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए, पश्चिमांचल की स्पोर्टस ऑफिसर व अर्जुन अवार्डी श्रीमती अलका तोमर ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। यूपीपीसीएल के मुख्य क्रीडा अधिकारी विनय कुमार ने भविष्य में खेल आयोजन को और अधिक विस्तृत करने पर जोर दिया। रैफरी, ऑफिशियल्स और वॉलन्टीयर्स को पुरस्कृत करते हुए उनकी निष्पक्ष भूमिका की सराहना की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि देवेन्द्र कुमार वर्मा मुख्य अभियन्ता मो. सगीर, मुख्य अभियन्ता, पी.के. सिंह, मुख्य अभियन्ता, द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। अन्त में मीडिया के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए, खेल उत्सव के समापन की अधिकारिक घोषणा की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन दिलमणि थपलियाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर अभिषेक श्रीवास्तव अधीक्षण अभियंता, आदर्श कौशल अधीक्षण अभियन्ता, एस.के. अग्रवाल अधीक्षण अभियंता, हरि ओम अधिशासी अभियन्ता, सुनील कुमार अवर अभियन्ता, विजेन्द्र सिंह अवर अभियन्ता आदि अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरधना में किसान क्रांति संगठन की बैठक, नए पदाधिकारियों के साथ विस्तार को मिली रफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। क्षेत्र में किसान हितों को लेकर सक्रिय भारतीय किसान यूनियन किसान क्रांति ने संगठन विस्तार की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए सरधना में अहम बैठक आयोजित की। बैठक की अगुवाई जिलाध्यक्ष चौधरी निखिल राव ने की, जिसमें संगठन को मजबूत बनाने और नई रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान कई नए चेहरों ने संगठन में शामिल होकर इसकी ताकत बढ़ाई,अन्य किसान संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों ने भी भारतीय किसान यूनियन किसान क्रांति में विश्वास जताया। सरधना निवासी उबेद ने भारतीय किसान यूनियन संघर्ष छोड़कर संगठन की सदस्यता ली और उन्हें युवा पश्चिम प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं सुल्तान मलिक, जो पहले भारतीय किसान यूनियन आंदोलनकारी में जिला प्रभारी के पद पर थे, अब संगठन में शामिल होकर युवा जिला महामंत्री बनाए गए। इसके अलावा संगठन विस्तार के तहत शाहरुख को

युवा ब्लॉक अध्यक्ष सरधना नियुक्त किया गया। इस मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने नए पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष चौधरी निखिल राव ने बताया कि जल्द ही सरधना क्षेत्र में 'किसान मजदूर स्वाभिमान पंचायत' का आयोजन किया जाएगा। इस पंचायत में बड़ी संख्या में किसानों और मजदूरों को जोड़कर उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसानों और मजदूरों की आवाज को मजबूती देना और उनके हकों की लड़ाई लड़ना है। बैठक में सहराज मलिक, मुजाहिद खान सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं सहेगी कांग्रेस: रंजन शर्मा

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सेंट्रल मार्केट प्रकरण को लेकर आयोजित मेरठ बंद के दौरान महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रंजन शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष अवनीश काजला, रीना शर्मा, केडी शर्मा, विनोद शर्मा, अजय चौधरी, अवधेश सक्सेना, सुमित विकल, राजू यादव, पंकज चौधरी सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता व्यापारियों के समर्थन में उनके साथ खड़े रहे। इस दौरान रंजन शर्मा और अवनीश काजला ने कहा कि व्यापारियों के साथ हो रहा अन्याय किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार को तत्काल समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि व्यापारी देश और शहर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन आज उनकी रोजी-रोटी पर सीधा प्रहार किया जा रहा है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया कि वह हर परिस्थिति में व्यापारियों के साथ खड़ी है और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष जारी रहेगा।

जयंत चौधरी ने स्किल आउटकम्स फंड बनाने के लिए अभियान किया शुरु

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भारत सरकार के माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री, जयंत चौधरी ने गुरुवार को स्किल्स आउटकम्स फंड बनाने के अभियान की शुरुआत की। यह अपनी तरह की पहली पहल है जिसका उद्देश्य कम आय वाले पृष्ठभूमि के युवाओं के लिए आकांक्षी आजीविका के अवसरों कोअनलॉक करना है। इस फंड का उद्देश्य भारत के स्किलिंग इकोसिस्टम में आउटकम्स-बेस्ड फाइनेंसिंग (ओबीएफ) को बढ़ाने के लिए पब्लिक और प्राइवेट कैपिटल जुटाना है जो निवेश को सीधे वेरिफाइड एम्प्लॉयमेंट आउट कम्स से जोड़ता है। ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट द्वारा आयोजित फंडरारउंडटेबल की अध्यक्षता करते हुए, जो स्किल्स आउटकम्स फंड के निर्माण के अभियान के तहत आयोजित सीरीज की पहली बैठक थी। मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि भारत की स्किलिंग यात्रा एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, जहां हमारे प्रयासों के केंद्र में परिणामों को रखा गया है। स्किल्स आउटकम्स फंड हमारे इस संकल्प को दिखाता है कि स्किल्स हमारे युवाओं के लिए असली मौकों, लगातार रोजगार और सम्मानजनक कार्य में परिवर्तित हों। सरकार, उद्योग और परोपकारी भागीदारों को मापनीय परिणामों के आस-पास एक साथ लाकर, हम एक ऐसा मॉडल तैयार कर रहे हैं जो बड़े पैमाने पर प्रभाव पैदा कर सकता है और पूरे भारत में युवाओं के लिए रोजगार के अच्छे रास्ते बढ़ा सकता है।

गोदाम से वायर चोरी करने वाले गिरफ्तार

जानी खुर्द। दो दिन पूर्व जानी थाना क्षेत्र के एक गोदाम में से फैक्ट्री मालिक सिंघल निवासी मेरठ ने जानी थाने में तहरीर देते हुए मुकदमा पंजीकृत कराया था उनकी फैक्ट्री के गोदाम में से अज्ञात चोरों ने कॉपर का तार चोरी किया था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उप निरीक्षक शैलेंद्र सिंह ने पांचली स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास से चोर को दबोच लिया। आरोपी के पास से चोरी हुआ तार बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान नीरज पुत्र गजराज, सुरेश पुत्र पदम निवासी टीपी नगर मेरठ के रूप में हुई आरोपी को चालान कर दिया।

सुभारती लॉ कॉलेज में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सरदार पटेल सुभारती लॉ कॉलेज, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा 'भारत के पर्यावरण कानूनी शासन में पर्यावरणीय लोकाचार का आकलन' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया। इस व्याख्यान का आयोजन सुभारती लॉ कॉलेज के निदेशक राजेश चंद्र (पूर्व न्याय मूर्ति, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश) के दिशा निर्देशन में तथा प्रो. (डॉ.) रीना बिश्नोई, संकाय अध्यक्ष, सुभारती लॉ कॉलेज के मार्गदर्शन में किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) अमरपाल सिंह माननीय कुलपति, डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। अपने उद्बोधन में प्रोफेसर सिंह ने बताया कि मानव तथा प्रकृति के संबंध में पर्यावरण यह सतत शासन को समझने के लिए दो विशिष्ट पहलुओं अर्थात पर्यावरणीय केंद्र बाद तथा मानव केंद्रवाद को समझना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण शासन राजनीतिक पारिस्थितिकी और पर्यावरण नीति की एक अवधारणा है जो सभी मानवीय गतिविधियों के प्रबंधन के लिए सतत विकास को प्राथमिकता देता है। प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार सुमार माननीय कुलपति स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को बताया कि सुभारती विश्वविद्यालय सतत विकास उद्देश्य नंबर 15 एवं 16 के लिए लगातार कार्य कर रहा है जिसके तहत सुभारती विश्वविद्यालय कागज मुक्त विश्वविद्यालय की तरफ लगातार अग्रसर है। सुभारती विश्व. विद्यालय की कार्यकारी अधिकारी प्रो. (डॉ.) शल्या राज द्वारा इस विशिष्ट व्याख्यान की सफलता के लिए के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दी गई। सुभारती लॉ कॉलेज के निदेशक राजेश चंद्र ने अपने वक्तव्य में श्रोताओं को बताया कि किस प्रकार सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में वर्णित जीवन का अधिकार के संदर्भ में समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण संबंधी विभिन्न न्याय निर्णय दिए गए हैं। भारत में अनुच्छेद 21 के तहत श्रजीवन के अधिकार में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का अधिकार शामिल है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे मौलिक अधिकार माना है, जो गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक है। यह कानूनी शासन पर्यावरण के क्षरण को रोकने, प्रदूषण मुक्त हवा और पानी सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक सक्रियता और प्रदूषक भुगतान सिद्धांत जैसे सिद्धांतों का उपयोग करती है।

NOTICE

I have changed my daughter's name from Arushi to Aarushi Garg and her date of birth is 15.01.2011. Vinod Garg R/o 19/20, Ganpati Enclave Vedvyaspuri Meerut, U.P.

तेज रफ्तार ने ली दो युवकों की जान, तीन घायल

दिल्ली से बागपत की ओर आते समय डूंडाहेड़ा गांव के पास हुआ हादसा, पुलिस जांच में जुटी

मृतक का फाइल फोटो

मृतक का फाइल फोटो

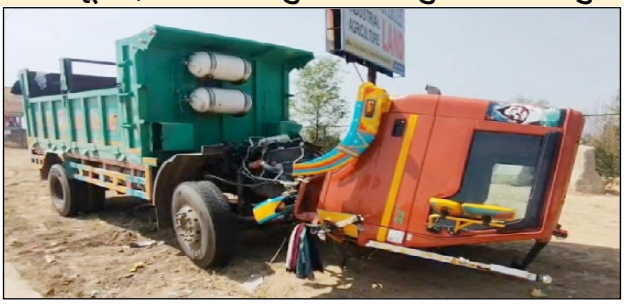

शाह टाइम्स संवाददाता

खेकड़ा। बुधवार देर रात्रि दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर पर एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र के डूंडाहेड़ा गांव के पास हुई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अन्य घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना की जानकारी उनके परिजनों को दे दी गई है। हादसे से परिजनों में को. हराम मचा हुआ है।

पुलिस के अनुसार, दिल्ली से बागपत की ओर आ रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर आगे चल रहे एक वाहन से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रक में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर खेकड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों की पहचान आरिफ पुत्र नत्थू निवासी खुब्बीपुर निवाडा व मुनफैद पुत्र इदरीश निवासी बोहरा मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, बताया जा रहा है कि आगे चल रहे वाहन का चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया।

बंदरो नें राष्ट्रीय पक्षी मोर पर हमला कर किया घायल, ग्रामीणों नें बचाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। भैडापुर गांव में एक मोर पर बंदरो के झुन्ड नें हमला बोल घायल कर दिया। ग्रामीणों नें उसे उपचार के लिए वन विभाग के हवाले कर दिया वन विभाग के लोग उसे उपचार के लिए अपने साथ ले गये।

भैडापुर गांव में गौरव के घर के पास एक मोर बैठा था तभी बंदर का एक झुन्ड वहा पहुंचा और बंदरो ने उस पर हमला बोल दिया। ग्रामीणों नें देखा तो उसे बचाने दौड़ पड़े और बंदरो को भगा मोर को उठाया जिससे जो घायल था तभी गौरव नें 112 पर पुलिस को काल कर इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस नें वन विभाग के कर्मचारियों को सूचना दी। मौके पर वन विभाग से ओमप्रकाश अपने साथियों के साथ वहा पहुंचे और घायल मोर को अपने साथ ले गये, जहा उसका उपचार किया जायेगा।

रक्तदान शिविर में अधिवक्ताओं ने किया रक्तदान

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। नगर की तहसील के बार हाल में बडौत चैरिटेबल ब्लड बैंक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया जिसका उद्घाटन एसडीएम भावना सिंह एवं सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष धर्मवीर सिंह एडवोकेट महामंत्री पुष्पेंद्र तोमर एडवोकेट ने संयुक्त रूप से किया।

रक्तदान शिविर में सभी अधिवक्ताओं ने सहयोग करते हुए रक्तदान किया। बाहरी क्षेत्र के लोगों ने भी शिविर में आकर रक्तदान करते हुए इस रक्तदान की सहराना की। रक्तदान शिविर में मुख्य रूप से डा.आदित्य पांडे रविंद्र सिंह दीपक कुमार अजय राजपूत पांडे नर्सिंग होम स्टाफ नीतू सिंह ने रक्तदान कराया। रक्तदान शिविर में लगभग 30 अधिवक्ताओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में महामंत्री पुष्पेंद्र तोमर पूर्व बार अध्यक्ष ईश्वर सिंह मनीष मान दिनेश शर्मा दीपक राठी कोषाध्यक्ष हरेंद्र चौधरी संजीव चौधरी वेदपाल पवार आनंदपाल तोमर सत्यपाल मान विनोद मान एडवोकेट सिनोली संतोष भारद्वाज विनोद जैन सागर तोमर वरिष्ठ अधिवक्ता पवन कुमार लुहारी के अलावा तहसील परिसर के सभी अधिवक्ताओं का रक्तदान शिविर में सहयोग रहा।

बच्ची से अश्लील हरकत करने वाले आरोपी को भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। पांची गांव में घर के बाहर खेल रही एक सात वर्षीय बच्ची को एक युवक बाईक पर अपहरण कर ले गया और अपनी टयूवेल पर ले जाकर अश्लील हरकत करने वाले युवक को पुलिस ने पकड़ कर जेल भेज दिया है।

पांची निवासी फिरोज चंडीगढ़ में कपड़े का काम करता है। वह पांची गांव में सोमवार को अपने चाचा के बेटे की शादी में शामिल होने आया था। मंगलवार को फिरोज की 7 वर्षीय पुत्री घर के पास खेल रही थी उसके साथ एक अन्य बच्ची भी खेल रही थी तभी एक बाईक सवार युवक वहा पहुंचा था और सात वर्षीय बच्ची को बाईक पर बैठा अपने साथ ले गया था।

उसके बाद साथ खेल रही बच्ची नें परिजनों को यह बात बतायी थी तो परिजन और ग्रामीण बच्ची की तलाश में जुट गये थे और किसी ने बताया कि बाईक सवार ऊकावली के जंगल की ओर गया है था।

ग्रामीण ढूढते हुए वहा पहुंचे थे जहा बच्ची युवक के साथ मौजूद मिली थी। ग्रामीणों ने बच्ची को साथ लेकर तुरंत पुलिस को सूचना दी थी, वही ग्रामीणों नें पांची चौराहे पर जमकर हंगामा भी किया था और युवक को मारपीट पर पुलिस को सौप दिया था।

बच्ची नें बताया की युवक नें उसके साथ अश्लील हरकते भी की थी, थाना प्रभारी अतर सिह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर युवक की पहचान हुई है।

युवक के खिलाफ मुकदमा कायम कर जेल भेजा गया है।

एक नजर

किसी भी स्तर पर लापरवाही बरती की गई तो होगी कठोर कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। यमुना महा आरती को केवल धार्मिक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे सांस्कृतिक उत्सव का रूप भी दिया जा रहा है। स्थानीय कलाकारों द्वारा भजन, लोकगीत, नृत्य और नाटय प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी, जो यमुना की महिमा और भारतीय संस्कृति की समृद्धि को दर्शाएंगी। इससे न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलेगा, बल्कि लोगों में अपनी सांस्कृतिक जड़ों के प्रति गर्व की भावना भी विकसित होगी। कार्यक्रम में विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे यह आयोजन वास्तव में हजन जन का उत्सवह बन सके। आयोजन की सफलता के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं और आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर सभी विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने स्वयं स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। घाट की सजावट, प्रकाश व्यवस्था और सांस्कृतिक मंचों की तैयारियां इस तरह की जा रही हैं कि आने वाले श्रद्धालुओं को एक दिव्य और अनुशासित वातावरण का अनुभव हो। यह जहां एक ओर यह लोगों की आस्था को सशक्त करेगा, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी देगा। यह पहल यह सिद्धकरने का प्रयास है कि धार्मिक आयोजन केवल परंपरा निभाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का भी सशक्त साधन हो सकते हैं।

विद्यालय में सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

बिनौली। जिवाना के कंपोजिट विद्यालय में गुरुवार को सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें क्षेत्र के परिदरीय विद्यालयों से सेवानिवृत हुए शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीईओ बृजमोहन सिंह व विशिष्ट अतिथि बीईओ डा.प्रभात कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में पिछले माह क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों से सेवानिवृत हुए डा.अनिल आर्य, सतेंद्र सिंह उज्जवल, मास्टर आनंद छिल्लर, ऊषा देवी व अशोक कुमार को आयोजन संयोजक हरेंद्र तोमर, विवेक राणा, यूटा प्रदेश अध्यक्ष डा.मनोज विश्नोई, अमित धामा, विवेक मलिक, वरुण कुमार आदि शिक्षकों ने स्मृति चिन्ह, शाल व साहित्य देकर सम्मानित किया। सेवानिवृत शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए। अमित उज्जवल के संचालन में हुए समारोह में प्रधानाचार्य तेजबीरी देवी, ममता, रॉजिता, आजाद सिंह, कपिल तोमर, साक्षी, जितेंद्र, डा.प्रदीप तोमर, हरिमोहन शर्मा व अलीहसन मौजूद रहे।

सर्विस रोड़ के चौडीकरण कराने की मांग को लेकर लोगों का धरना जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। नगर के बिनौली रोड पर ओवर ब्रिज के पास सर्विस रोड बनाया गया था जिसको लेकर लगातार बिनौली फाटक की कॉलोनी के पास रहने वाले लोग इस रोड को चौड़ीकरण कराने की मांग को लेकर लगातार धरने प्रदर्शन करते आ रहे है।

बृहस्पतिवार को भी तहसील परिसर में पहुंचकर कॉलोनी की महिलाओं ने एसडीएम भावना सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के उपरांत बिनौली रोड पर ओवर ब्रिज के निकट जाम लगाकर धरना प्रदर्शन किया और इस रोड को चौड़ीकरण कराने की मांग की। मौके पर पहुंचकर नगर पालिका परिषद के ईओ मनोज रस्तोगी जेई ई निर्माण विभाग शिखा दुबे ने एसडीएम के नायब तहसीलदार के साथ पहुंचकर जाम लगा रहे लोगों को समझाया किसी तरह मामले को शांत कराया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने महिलाओं ने जाम के वक्त सर्विस रोड के निकट ओवर ब्रिज के नीचे बरावर में नाला निर्माण को भी मांग की अधिकारियों ने नाला निर्माण का भी प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया। एसडीएम के आदेश पर नायब तहसीलदार ने कहा कि जल्दी ही समस्या का समाधान करने का कार्य किया जाएगा। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने महिलाओं ने कहा कि सेतु निगम तो अपना निर्माण करके यहां से चला गया मगर अब नगर पालिका परिषद बडौत चेयरमैन इस समस्या का समाधान करें वरना धरना प्रदर्शन चलता रहेगा। दुकानदारों ने सर्विस रोड के पास रोड पर दुकानों के पास अतिक्रमण भी जमा लिया है जिससे आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, अगर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो नगर पालिका के खिलाफ भी धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। इस मौके पर प्रज्ञा चौधरी सरोज चौधरी बबीता चौधरी सविता चौधरी रेखा ममता चौधरी संगीता धर्मपाल सिंह बृजेश रोहतास सुक. रामपाल हरिकिशन महावीर धर्मपाल दिनेश रघुवर उमेश चौधरी के अलावा काफी संख्या में लोगों ने धरना प्रदर्शन किया।

यमुना किनारे स्वच्छता बनाए, कूड़ा न फैलाए

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बताया कि यमुना महा आरती को जन- जागरूकता महोत्सव के रूप में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान यमुना नदी के महत्व, उसकी वर्तमान स्थिति, प्रदूषण के कारणों और संरक्षण के उपायों को सरल और प्रभावी तरीके से लोगों तक पहुंचाया जाएगा। वहीं यह कार्यक्रम पुरा महादेव महाशिवरात्रि मेले के जीरो वेस्ट महोत्सव से भी प्रेरित है जिसे भक्ति भी, प्रकृति भी थीम पर आयोजित कर बागपत प्रशासन ने इतिहास रचा था। वेस्ट प्लास्टिक से तैयार 'नन्ही कली देसी डॉल' जैसे नवाचार इस आयोजन का आकर्षण होंगे, जो यह संदेश देंगे कि अपशिष्ट को भी सृजनात्मकता के माध्यम से उपयोगी बनाया जा सकता है। यह पहल विशेष रूप से युवाओं और बच्चों को पर्यावरण के प्रति संवे. दनशील बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के दौरान केवल आरती और पूजन ही नहीं, बल्कि श्रमदान, घाट सफाई अभियान और जल संरक्षण से जुड़े गतिविधियों को भी प्रमुखता दी जाएगी। श्रद्धालुओं को प्रेरित किया जाएगा कि वे यमुना किनारे स्वच्छता बनाए रखने, कूड़ा न फैलाने और जल संरक्षण के प्रति संकल्प लें। संकल्प से सिद्धि की भावना के साथ यह आयोजन लोगों को यह अहसास कराएगा कि छोटी-छोटी आदतों में बदलाव से बड़े परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति यह ठान लें कि वह नदी में कचरा नहीं डालेगा, तो यमुना को स्वच्छ बनाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा।

नेत्र रोग निदान की ओपीडी का किया गया शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। नगर के कोताना रोड स्थित मेडिसिटी हॉस्पिटल में डॉ.मनीष तोमर के पुत्र डा.तरुण तोमर की कैंसर रोग निदान एवं पुत्रवधू डा. शश्या तोमर की नेत्र रोग निदान की ओपीडी का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री डा.सत्यपाल ने कहा कि क्षेत्र में कैंसर रोग लगातार खानपान या अन्य प्रदूषण से बढ़ रहा है। यहां कोई ऐसी सुविधा भी नहीं थी कि जिससे लोगों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया जा सके। इसके लिए बड़ौत मेडिसिटी हॉस्पिटल में डा.मनीष तोमर द्वारा डा.तरुण तोमर के लिए कैंसर डिपार्टमेंट की शुरु की गई। ओपीडी सराहनीय है। डा.सत्यपाल ने कहा कि व्यक्ति का खान-पान बिगड़ गया है। साथ ही प्रदूषण भी इतना बढ़ गया है कि लोग इस पर ध्यान नहीं देते। कैंसर जैसी बीमारी शरीर में घर कर रही है। प्रदूषण फैल रहा है। जल प्रदूषण धरती में समा रहा है। उन्होंने इस मौके पर लोगों से अपील की कि वह शुद्ध खान-पान व शुद्ध अचार-विचार के साथ जीएं। इस अवसर पर उन्होंने बड़ौत मेडिसिटी हॉस्पिटल में डा.मनीष तोमर के पुत्र कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. तरुण तोमर एवं पुत्रवधू नेत्र रोग विशेषज्ञ डा.शश्या तोमर की ओपीडी का फीता काटकर शुभारंभ किया। इससे पूर्व यज्ञ का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में अलका तोमर, डा.मनीष तोमर, डा.गीतांज. लि तोमर, डा.तरुण तोमर, डा. शश्या तोमर, डा. आशीष चौधरी, रामपाल सिंह, जेपी सिंह, महेंद्र सिंह लांबा, अनु चौधरी, कपिल आर्य, सविता आर्या, पिंकी आर्या आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने पक्का घाट का निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जिला प्रशासन द्वारा यमुना पक्का घाट पर 19, 20 और 21 अप्रैल को आयोजित किए जाने वाले तीन दिवसीय 'यमुना महा आरती' महोत्सव के लिए मिशन मोड में तैयारियां की जा रही है।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने यजमान पक्का घाट का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। प्रशासन का स्पष्ट उद्देश्य है कि यह कार्यक्रम श्रद्धा के साथ-साथ संवे. दनशीलता को भी जागृत करे-ताकि लोग केवल पूजा-अर्चना तक सीमित न रहें, बल्कि नदियों के संरक्षण को अपना व्यक्तिगत दायित्व समझें। यमुना नदी भारतीय सभ्यता की प्राचीनतम जीवनरेखाओं में से एक रही है। पौराणिक ग्रंथों में इसे सूर्यपुत्री और यमराज की बहन के रूप में वर्णित किया गया है, जिसके कारण 'भाई दूज' जैसे पर्वों में इसका विशेष महत्व है। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर ब्रज संस्कृति तक, यमुना नदी आस्था और प्रेम की प्रतीक रही है। ऐतिहा. सिक रूप से भी यमुना के किनारे अनेक सभ्यताओं का विकास हुआ। बागपत क्षेत्र, जो महाभारत कालीन भू-भाग से जुड़ा माना जाता है, यमुना के साथ अपने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को आज भी जीवित रखे हुए है। ऐसे में यमुना महा आरती का आयोजन इस विरासत को पुनर्जीवित करने का प्रयास भी है।

चार वर्ष पुरे होने पर विधायक अजय कुमार का क्षेत्र वासीयों ने सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

बिनौली। चार वर्ष पुरे होने पर विधायक अजय कुमार द्वारा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्य से खुश चोगामा क्षेत्र वासीयों ने सम्मानित किया।

इस मोके पर बोलते हुए छपरोली विधायक अजय कुमार ने कहा कि छपरोली विधान सभा पूर्व प्रधान मंत्री भारत रत्न किसान मसीहा चौधरी चरणसिंह की कर्म भूमी है जिन्होने हमेशा किसानों व मजदूरों के हितों में कार्य किए वहीं पर केंद्रीय मंत्री स्व.चौधरी अजीतसिंह ने उद्योग मंत्री रहते हुए काफी चीनी मिलें लगवाकर गन्ना किसानों को लाभ पहुँचाया ओर सदैव किसान मजदूरों की आवाज को बुलंद किया। वहीं पर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी भी किसानों युवाओं व आमजन के लिए कार्य कर रहे हैं। डाक्टर अजय कुमार ने कहा कि क्षेत्र में जो विकास कार्य कराए जा रहे हैं वे सभी कार्य हमारे नेता जयंत चौधरी निर्देशन में हो रहे हैं।

जनगणना कार्य को पूरी गंभीरता व सटीकता के साथ किया जाए संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। अपर जिलाधिकारी विनीत कुमार उपाध्याय ने निर्देश दिए कि जनगणना कार्य को पूरी गंभीरता एवं सटीकता के साथ संपन्न किया जाए। उन्होंने मकान गणना एवं परिवार विवरण दर्ज करते समय आवश्यक बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। जिला. धिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी की अनुपस्थिति पर नारा. जगी व्यक्त करते हुए उनका स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि जनगणना कार्य में ऐसे कार्मिकों की डयूटी लगाई जाए जिन्हें तकनीकी ज्ञान एवं कार्य की समझ हो, ताकि कार्य प्रभावी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके। साथ ही समस्त तहसीलदारों एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करें। जिलाधिक. री ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। गुरुवार को जिलाधिकारी अस्मिता लाल की अध्यक्षता में जनगणना 2027 के सफल संचालन एवं कार्यान्वयन को लेकर जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने जनपद के 12 चार्ज, 3 तहसीलों एवं 9 नगर निकायों के प्रगणकों एवं सुप. रवाइजरों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता से लिया जाए, क्योंकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता ही फील्ड में कार्य की सटीकता तय करेगी। प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए कुल 48 फील्ड ट्रेनर्स एवं 2 मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति की गई है, जिन्होंने प्रतिभागियों को जनगणना की प्रक्रियाओं, महत्वपूर्ण बिंदुओं एवं सूक्ष्म पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि जनगणना सामा. जिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक योजनाओं के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जनगणना नोडल अधिकारी (साख्यिकी अन्वेषण ग्रेड-2) शिप्रा गुप्ता ने जानकारी दी कि 7 मई से 21 मई तक स्वयं गणना तथा 22 मई से 20 जून तक हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन संचालित किया जाएगा। इस अवसर पर बैठक में अपर जिलाधिकारी विनीत कुमार उपाध्याय, डिप्टी डायरेक्टर अभिमन्यु सिंह, एसडीएम बागपत अमरचंद वर्मा, एसडीएम खेकड़ा मनीष यादव, बड़ौत तहसीलदार श्वेता सिंह, खेकड़ा तहसीलदार , अधिशासी अधिकारी के.के. भड़ाना तथा जिला सूचना विज्ञान अधिकारी भास्कर पांडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

NOTICE

I, Deepak Kumar S/o Gyanvir R/O Jainuddin Chirchita, Baghpat, Uttar Pradesh-250611 have Change the name of my minor daughter Hashi aged 14 years and he shall hereafter be known as Vandana. Henceforth, he shall be known as Vandana for all purposes.

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 77/3 गर्ग कॉम्प्लेक्स ई.के. रोड निकट एन.ए.एस. कालिज, मेरठ (उप्र) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0121-4005303, 4007303
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
UPHIN/2007/20661
www.shahtimesnews.com
email.shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बिजली के स्मार्ट मीटर पर बवाल, किसानों का अधीक्षण अभियंता कार्यालय घेराव

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जिले में स्मार्ट मीटरों को लेकर उपभोक्ताओं की बढ़ती परेशानियों के बीच भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) का गुस्सा गुरुवार को सड़कों पर फूट पड़ा। नाराज कार्यकर्ताओं ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय का घेराव कर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में किसान और स्थानीय लोग हाथों में यूनियन के झंडे लेकर पहुंचे और स्मार्ट मीटर व्यवस्था को तुरंत बंद करने की मांग की। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से उपभोक्ताओं को लगातार समस्याओं का सामना

करना पड़ रहा है, जिससे आम जनता और किसानों में रोष व्याप्त है। भाकियू के किसान नेता पदम सिंह ने प्रदर्शन के दौरान कहा, स्मार्ट मीटर के नाम पर आम जनता और किसानों के साथ खुला अन्याय किया जा रहा है। लोग अपनी मेहनत की कमाई से मीटर रिचार्ज कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद घंटों तक बिजली नहीं मिलती। कई बार सर्वर डाउन होने के कारण लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो जाते हैं। यह व्यवस्था पूरी तरह से फेल साबित हो रही है। उन्होंने आगे कहा, सबसे बड़ी चिंता यह है कि ये मीटर बहुत तेज चल रहे हैं, जिससे बिजली बिल अचानक दोगुना-तिगुना आ रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग के लोग पहले ही महंगाई से परेशान हैं, ऊपर से यह अतिरिक्त बोझ उन्हें और मुश्किल में डाल रहा है। पदम सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा, जब तक स्मार्ट मीटर की खामियों को दूर नहीं किया जाएगा और उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिलेगी, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन के चलते कुछ समय के लिए कार्यालय परिसर में हलचल बनी रही। वहीं, विभागीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया और उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

अपराधियों पर कहर बना 'ऑपरेशन शस्त्र', 313 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद में अवैध शस्त्रों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन शस्त्र' के तहत हापुड़ पुलिस ने बीते एक वर्ष में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पुलिस उप महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र मेरठ कलानिधि नैथानी के निर्देशन में चल रहे इस अभियान में अपराधियों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है।

एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक चलाए गए अभियान के दौरान हापुड़ पुलिस ने 313 अभियुक्तों को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा। इस दौरान कुल 287 अभियोग पंजीकृत किए गए। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 330 अवैध शस्त्र और 393 कारतूस बरामद किए, जो अपराध की गंभीरता को दर्शाते

हैं। डीआईजी मेरठ परिक्षेत्र द्वारा शुरू किए गए इस अभियान में मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ समेत चारों जनपदों में बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई। पूरे परिक्षेत्र में 2218 अभियुक्तों की गिरफ्तारी, 1876 मुकदमे दर्ज, 2170 अवैध शस्त्र और 3113 कारतूस बरामद किए गए। साथ ही 7 अवैध शस्त्र फैक्ट्रियों का भी भंडाफोड़ किया गया। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान में इस वर्ष भी और तेजी लाई जाए। साथ ही सोशल मीडिया या बारात घरों में असलाह लहराने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

स्थापना दिवस बैनर और नई कमेटी को लेकर कार्यकर्ताओं में चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। भारतीय जनता पार्टी की हापुड़ इकाई में नई जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में गठित कमेटी को लेकर इन दिनों राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। पार्टी के भीतर संगठनात्मक फैसलों और नई टीम के गठन को लेकर विभिन्न स्तरों पर सवाल उठाए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय राजनीति में हलचल बनी हुई है।

सूत्रों के अनुसार, नई जिला कमेटी के गठन में कई जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ पदाधिकारियों की राय को पर्याप्त महत्व नहीं दिए जाने की चर्चा है। इसी के चलते संगठन के भीतर समन्वय को लेकर भी चर्चाएं सामने आ रही हैं। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई बयान सामने नहीं आया है। कुछ

कार्यकर्ताओं का कहना है कि बैनरों में जनप्रतिनिधियों का प्रतिनिधित्व अपेक्षित रूप से नहीं दिखा, जबकि अन्य इसे स्थानीय स्तर की सामान्य प्रक्रिया मान रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर भी संगठन के भीतर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। नई कमेटी में शामिल कुछ पदाधिकारियों के चयन को लेकर भी विभिन्न मत सामने आए हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि किसी भी बड़े संगठन में नई टीम के गठन के बाद इस प्रकार की चर्चाएं सामान्य होती हैं। फिलहाल, पार्टी के भीतर चल रही इन चर्चाओं और बैनर प्रकरण को लेकर सभी की नजरें शीर्ष नेतृत्व के आगामी रुख पर टिकी हुई हैं।

मोहसिना किदवई के निधन पर हापुड़ में शोक, कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। पूर्व सांसद मोहसिना किदवई के निधन पर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शहर कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित शोक सभा में कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके योगदान को याद किया।

जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, मोहसिना किदवई का निधन न केवल कांग्रेस पार्टी, बल्कि पूरे देश की राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने आगे कहा, वर्ष 1980 और 1984 में मेरठ-हापुड़ क्षेत्र से सांसद रहते हुए उन्होंने क्षेत्र के विकास में

महत्वपूर्ण योगदान दिया। मोहसिना किदवई ने संगठन को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाई और हमेशा कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने का काम किया। आज उनके जाने से जो शून्य पैदा हुआ है, उसे भर पाना बेहद कठिन है। हम सभी कार्यकर्ता उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। गजराज सिंह ने कहा कि मोहसिना किदवई मेरठ-हापुड़ संसदीय क्षेत्र से लगातार दो बार सांसद रहीं और उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई दिग्गज नेताओं को पराजित कर अपनी मजबूत पहचान बनाई। शोक सभा के दौरान वक्ताओं ने उनके राजनीतिक जीवन, संगठन के प्रति समर्पण और जनसेवा को याद करते हुए कहा कि उनका निधन कांग्रेस पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर पूर्व विधायक गजराज सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष मिथुन त्यागी, पीसीसी सदस्य नरेश भाटी, जिला कोषाध्यक्ष सुशील शास्त्री, जिला महासचिव कपिल शर्मा, गौरव गर्ग, शहर उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मिशन शक्ति में महिला थाने की मिसाल, 1500 से ज्यादा मामलों का समाधान

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत हापुड़ पुलिस ने महिला सुरक्षा और पारिवारिक विवादों के निस्तारण में उल्लेखनीय कार्य करते हुए एक नई मिसाल पेश की है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के दौरान महिला थाना टीम ने न केवल संवेदनशीलता दिखाई, बल्कि प्रभावी काउंसिलिंग के जरिए सैकड़ों परिवारों को टूटने से बचाया है।

महिला थाना प्रभारी अरुणा राय के नेतृत्व में कार्यरत टीम ने थाने पहुंचने वाले फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और त्वरित समाधान सुनिश्चित किया। बीते एक वर्ष में करीब 1500 से अधिक मामलों का सफल निस्तारण करते हुए आपसी मतभेदों

को सुलझाया गया। पुलिस टीम हर 15 दिन में संबंधित परिवारों से संपर्क कर स्थिति का फीडबैक लेती है, जिससे विवाद के दोबारा उभरने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। इस संबंध में महिला थाना प्रभारी अरुणा राय ने बताया, हमारी प्राथमिकता सिर्फ मामलों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि परिवारों को टूटने से बचाना और उनमें विश्वास बहाल करना है। अगर कहीं कोई समस्या दोबारा सामने आती है तो उसे तुरंत सुलझाने का प्रयास किया जाता है। मिशन शक्ति के तहत हमारा उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देना, उनकी बात को प्राथमिकता से सुनना और उन्हें न्याय दिलाने के साथ-साथ समाज में सामंजस्य बनाए रखना है।

ब्राह्मण समाज के उत्थान का संकल्प, हुआ ऐतिहासिक अधिवेशन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। भगवान भोलेनाथ की नगरी वाराणसी में स्थित कृति ग्रीन होटल में रविवार 5 अप्रैल 2026 को ब्राह्मण अंतराष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट का 12वां महाधिवेशन एवं राष्ट्रीय व उत्तर प्रदेश की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष ब्राह्मण रत्न डा. सुरेश चंद्र कौशिक ने की, जबकि प्रसिद्ध समाजसेवी एवं राष्ट्रीय संरक्षक पंडित अमरजीत पाण्डेय के संयोजन में आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि योगसिद्ध गुरुमां चेतना, अध्यक्ष डा. सुरेश चंद्र कौशिक एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा भगवान परशुराम की प्रतिमा व ईष्टप्रस्थ पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी प्रभानंद सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, शंखनाद, मंत्रोच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मंच संचालन केंद्रीय महामंत्री नरेश कुमार शर्मा ने किया। इस दौरान केंद्रीय अध्यक्ष डा. सुरेश चंद्र कौशिक ने उत्तर प्रदेश की नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए पंडित कृष्ण चंद्र पाण्डेय को प्रदेश अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों के लिए कई अन्य पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। महाधिवेशन में वर्ष 2027 में हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुंभ के अवसर पर शिविर लगाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। वक्ताओं ने ब्राह्मण समाज की घटती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए सामाजिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में योगसिद्ध गुरुमां चेतना, जगतगुरु स्वामी ऋषिपाल आनंद महाराज, स्वामी डा. राजेवरानंद सहित अनेक संत, विद्वान एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन के अंत में सभी अतिथियों को अंगवस्त्र, माला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

एक नजर

युवती से दुष्कर्म करने वाला शातिर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना सिम्भावली पुलिस ने गंभीर अपराध के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए घर में घुसकर युवती के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर सख्त संदेश गया है।

थाना प्रभारी के अनुसार उक्त मामले में बीएनएस के तहत नामजद वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में सिम्भावली पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए नवादा गांव स्थित पेट्रोल पम्प के पास से आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान नितिन पुत्र बाबूराम, निवासी ग्राम धनपुरा, थाना सिम्भावली जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए हिरासत में ले लिया है। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विधानसभा चुनाव से पहले धौलाना में स्थानीय नेतृत्व की उठी आवाज

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। धौलाना विधानसभा क्षेत्र में आगामी चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। क्षेत्र में अब स्थानीय प्रत्याशी को मैदान में उतारने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। ग्रामीणों, युवाओं, व्यापारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के बीच यह मुद्दा प्रमुखता से उठ रहा है कि क्षेत्र के विकास के लिए स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता दी जाए।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि धौलाना औद्योगिक और जनसंख्या के लिहाज से महत्वपूर्ण क्षेत्र होने के बावजूद मूलभूत सुविधाओं के मामले में अपेक्षित प्रगति नहीं कर सका है। सड़क, जल निकासी, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और रोजगार जैसी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। लोगों का मानना है कि इन समस्याओं के समाधान के लिए ऐसे जनप्रतिनिधि की जरूरत है, जो क्षेत्र से भली-भांति परिचित हो और निरंतर सक्रिय रहे। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पूर्व में लोकसभा स्तर पर भी कई ऐसे जनप्रतिनिधि रहे हैं, जिनका क्षेत्र से सीधा जुड़ाव नहीं रहा। इससे धौलाना से जुड़े कई विकास कार्यों को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पाई। युवाओं का कहना है कि स्थानीय उम्मीदवार क्षेत्र की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझता है और जनता के बीच निरंतर मौजूद रहता है। इससे विकास कार्यों को गति मिलने की संभावना अधिक रहती है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए क्षेत्र में इस मुद्दे को लेकर पंचायतें आयोजित करने की भी तैयारी की जा रही है। इन पंचायतों में स्थानीय प्रत्याशी को प्राथमिकता देने की मांग को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। धौलाना में स्थानीय प्रत्याशी का मुद्दा अब चुनावी चर्चा का केंद्र बनता जा रहा है। इसे राजनीतिक दलों के लिए स्पष्ट संकेत माना जा रहा है कि क्षेत्र की जनता इस बार अपने बीच से नेतृत्व देखना चाहती है।

चोरी की वारदात का पर्दाफाश, आरोपी से बरामद हुए गहने और नकदी

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना हापुड़ नगर पुलिस ने मोती कॉलोनी स्थित एक मकान में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पीली धातु के आभूषण जिनमें दो अंगूठी, एक जोड़ी टॉप्स और एक नाक की लौंग, सफेद धातु की एक जोड़ी पाजेब तथा 2660 रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा आरोपी के पास से एक अवैध चाकू भी मिला है। थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है और उससे अन्य घटनाओं के संबंध में पूछताछ जारी है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

निवासी रफीकनगर, थाना हापुड़ नगर के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटना में संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पीली धातु के आभूषण जिनमें दो अंगूठी, एक जोड़ी टॉप्स और एक नाक की लौंग, सफेद धातु की एक जोड़ी पाजेब तथा 2660 रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा आरोपी के पास से एक अवैध चाकू भी मिला है। थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है और उससे अन्य घटनाओं के संबंध में पूछताछ जारी है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

धौलाना में सियासी हलचल तेज, अजीत तोमर बोले: हर गांव तक पहुंचाऊंगा विकास

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। धौलाना विधानसभा क्षेत्र में आगामी चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। इसी क्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजीत तोमर ने अपनी मजबूत दावेदारी पेश करते हुए क्षेत्र में सक्रियता बढ़ा दी है। उनके लगातार जनसंपर्क और क्षेत्रीय मुद्दों को उठाने से राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है।

अजीत तोमर ने बताया कि वह लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं और उनका परिवार भी शुरू से ही पार्टी की विचारधारा के साथ खड़ा रहा है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने टिकट की मांग की थी और क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई थी। पिलखुवा में रथ यात्रा के दौरान उनके नेतृत्व में हुआ भव्य स्वागत उनकी जनसक्रियता का उदाहरण रहा है। उन्होंने कहा कि धौलाना क्षेत्र के लोग उन्हें विधायक के रूप में देखना चाहते हैं और लगातार उन्हें आगे आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। धौलाना विधानसभा में आज भी कई गांव ऐसे हैं जहां मूलभूत सुविधाओं की कमी महसूस की जाती है। मेरी पहली प्राथमिकता होगी कि हर गांव तक शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित हो, बिजली की समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने आगे कहा, किसान, मजदूर और गरीब वर्ग को उनका हक दिलाना भी मेरी प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए एक मजबूत तंत्र विकसित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने देश और प्रदेश में विकास की नई मिसाल कायम की है और मुझे पूरा विश्वास है कि 2027 में भी भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ

सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि वह लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क कर लोगों की समस्याओं को जान रहे हैं और उनका समाधान कराने के लिए प्रयासरत हैं।

रोटरी क्लब ने बढ़ाया बेटियों का हौसला

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। सामाजिक सरोकार की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए रोटरी क्लब हापुड़ सेंट्रल ने जेएमएस वर्ल्ड स्कूल में छात्राओं के लिए साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्राओं को शिक्षा से जोड़ना और उनकी पढ़ाई में आने वाली दूरी की बाधा को कम करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिवानी त्यागी, संस्थान के प्रबंध निदेशक डा. आयुष सिंघल, सचिव डा. रोहित सिंघल और प्रधानाचार्या डा. निधि मलिक द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि शिवानी त्यागी

ने अपने संबोधन में छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियां ही व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं। साइकिल प्राप्त करने के बाद छात्राओं और उनके अभिभावकों में खासा उत्साह दिखाई दिया और उनके चेहरों पर आत्मविश्वास झलकता नजर आया। रोटरी क्लब हापुड़ सेंट्रल के अध्यक्ष अनुज शर्मा ने बताया कि क्लब हमेशा समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करता रहा है। इसी क्रम में छात्राओं को साइकिलें उपलब्ध कराकर उनकी शिक्षा की राह को आसान बनाने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने रोटरी क्लब के इस प्रयास को सराहनीय बताते हुए आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह की पहल से छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

पीड़ित परिवार के साथ खड़ी कांग्रेस, इमरान प्रतापगढ़ी ने दिया भरोसा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के हापुड़ आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। गुरुवार को वह मेरठ जनपद के ग्राम अजराना में हजरत अब्दुल्ला मुगीसी के निधन पर शोक व्यक्त करने और परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे थे।

इससे पूर्व बुलंदशहर रोड स्थित बाईपास पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी और शहर अध्यक्ष इरफान अहमद के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इमरान प्रतापगढ़ी ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में कांग्रेस का हर कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा है। उन्होंने परिवार से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए हर संभव

सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान उपस्थित कांग्रेसजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में पूर्व विधायक गजराज सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष मिथुन त्यागी, पीसीसी सदस्य नरेश भाटी, जिला कोषाध्यक्ष सुशील शास्त्री, जिला महासचिव कपिल शर्मा, गौरव गर्ग, शहर उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कॉलेज में फायर सेफ्टी मॉकड्रिल हुई आयोजित, बचाव व आपदा प्रबंधन का दिया प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। नगर के रेलवे रोड स्थित चौधरी महेंद्र सिंह डिग्री कॉलेज में गुरुवार को फायर विभाग द्वारा फायर सेफ्टी और मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और स्टाफ को आग जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए जागरूक और प्रशिक्षित करना रहा।

माकड्रिल के दौरान फायरमैन सतीश चंद्र ने गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में बचाव के तरीकों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग लगने पर घबराने के बजाय सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अग्निशमन यंत्र, गीले कपड़े या पानी के तेज बहाव से आग को नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने गर्मी के मौसम में बढ़ने वाली आग की घटनाओं के कारणों जैसे शार्ट सर्किट, गैस रिसाव और लापरवाही पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में छात्रों को सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही आपात स्थिति में तुरंत 101 और 112 नंबर डायल कर अग्निशमन विभाग को सूचना देने की सलाह दी गई, ताकि समय रहते नुकसान को रोका जा सके। कॉलेज के प्राचार्य डा. हरीश कुमार शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। इस अवसर पर ट्रस्टी चौधरी रेणुका सिंह, पंकज कुमार शर्मा, प्रेरणा वर्मा, अमित मलिक, विजेंद्र कुमार, मनोज कुमार, अब्दुल अली सहित समस्त स्टाफ व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

वार्डों में चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी और आईटीसी मिशन सुनहरा कल फोर्स के वालंटियर्स अब होटल व वैंकट हाल संचालकों को स्वच्छता के सम्बंध में समझाते हुए जागरुक कर रहे हैं कि गीला-सूखा कूड़ा अलग-अलग करते हुए उसे कैसे खाद के रुप में कन्वर्ट किया जा सकता है तथा अधिक कचरा उत्पन्न होने से किस तरह रोका जा सकता है। इसके अतिरिक्त एक अभियान के तहत घर-घर जाकर भी लोगों के स्वच्छता के प्रति जागरुक किया जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आईईसी गतिविधियों के नोडल प्रभारी डॉ. संदीप मिश्रा के नेतृत्व में आज स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत नगर निगम द्वारा आईटीसी मिशन सुनहरा कल से सम्बद्ध फोर्स एनजीओ के सहयोग से वार्ड संख्या 07 में एक बैठक आयोजित की गयी। जिसमें अम्बाला रोड स्थित होटल राजम. हल व रॉयल रेजिडेंसी के प्रबंधकों एवं जाटव नगर के लोग शामिल रहे। बैठक में बीडब्लूजी (बल्क वेस्ट जनरेटर) कूड़ा जनरेट के संबंध में चर्चा करते हुए होटल में कार्यरत सभी कर्मचारियों को बीडब्लूजी के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें स्वच्छता मानकों के पालन हेतु जागरूक किया गया।

इसी कड़ी में वार्ड संख्या 42 एवं वार्ड संख्या 8 में डोर-टू-डोर जाकर स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में भी जानकारी दी गई। वार्ड 42 के सभी वेस्ट पिकर्स(घरों से कूड़ा एकत्रित करने वाले) के साथ भी बैठक कर स्वच्छ सर्वेक्षण के विषय में मुख्य बिंदुओं पर बात करते हुए उन्हें भी जागरुक किया गया। उक्त बैठकों को सम्बोधित करते हुए आईईसी गतिविधियों के नोडल प्रभारी डॉ. संदीप मिश्रा ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी संसाधनों के भरोसे नहीं रखी जा सकती, इसके लिए प्रत्येक नागरिक को जागरुक होकर अपने परिवार व बच्चों को भी स्वच्छता के प्रति संस्कारित और शिक्षित करना होगा। उक्त कार्यक्रमों में निगम के मुख्य सफाई निरीक्षक परमानंद, सफाई निरीक्षक राजेश कुमार आदि शामिल रहे।

शिव सेना शिंदे गुट का स्कूलों पर शोषण का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। शिव सेना (शिंदे गुट)के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर प्राइवेट स्कूलों पर अभिभावकों के शोषण का आरोप लगाते हुए आवश्यक नियम बनाए जाने की माँग की है।

शिव सेना (शिंदे गुट) के जिला प्रमुख सोनू तोमर के नेतृत्व में कार्यकर्ता तहसील कार्यालय पहुँचे और उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम डॉ पूर्वा शर्मा को सौंपा।ज्ञापन में कहा गया है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर अच्छा न होने के कारण अभिभावकों में प्राइवेट स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने का चलन बढ़ा है।प्राइवेट स्कूलों द्वारा शिक्षा का व्यवसायीकरण कर दिया गया है।महंगी फीस,ड्रेस और कोर्स के नाम पर अभिभावकों का शोषण किया जा रहा है। पहली कक्षा पास कर दूसरी कक्षा में जाने पर एडमिशन फीस का नियम बना दिया गया है। कमीशन खोरी के चलते 1000 रुपये का कोर्स 5000 में और 200 रुपये में मिलने वाली ड्रेस 1500 रुपये तक पहुँचा दिया है।पब्लिक स्कूलों ने शिक्षा का बाजारीकरण कर दिया है।जिससे अभिभावक पूरी तरह परेशान हैं। ज्ञापन में एक ही स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्रा द्वारा एक कक्षा पास कर दूसरी कक्षा में जाने एडमिशन फीस पर रोक लगाए जाने, पाठ्यक्रम और ड्रेस कहीं से भी खरीदने की सुविधा अभिभावकों को दिए जाने और निर्धारित दुकान से कोर्स या ड्रेस खरीदने के बाध्य करने वाले स्कूल मैनेजमेंट के खिलाफ कार्रवाही किए जाने सहित विभिन्न मांग की गई है। इस दौरान शिव सेना सक्सेना, शुभम पँवार, प्रियांशु,अरविंद भटनागर, अंकित शर्मा, मनोज भटनागर, विशाल, जसवीर सिंह, सागर पँवार, राजीव सैनी, नीतीश, बबलू, सागर आदि मौजूद रहे।

घर के बाहर खड़ी गाड़ी को जलाया

कोतवाली देहात। थाना क्षेत्र के ग्राम उमरी कलां निवासी तसलीम अहमद की गाड़ी उनके घर के बाहर खड़ी रहती है। मंगलवार रात लगभग करीब 12:30 बजे जब तसलीम अहमद का परिवार सोया हुआ था, तभी अचानक तेज धमाका हुआ। जिससे परिजनों की आंख खुल गई। जब उन्होंने नीचे आकर देखा, तो तसलीम अहमद की गाड़ी में आग लग रही है। परिजनों ने पानी डालकर किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गाड़ी में काफी नुकसान हो गया था।

जिला बदर पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

छुटमलपुर। थाना फतेहपुर पुलिस ने जिलाबदर आरोपी को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया।

थानाध्यक्ष विनय शर्मा के कुशल नेतृत्व में उप निरीक्षक बबलू कुमार, हैड कांस्टेबल ललित कुमार, हैड कांस्टेबल बबलू राणा और कांस्टेबल धनुज कुमार ने मुजफ्फरपुर रोड के पास जिला बदर अनुज उर्फ घोसी पुत्र सुभाष निवासी ग्राम मुसैल थाना फतेहपुर को गिरफ्तार किया आरोपी के कब्जे से एक तमंचा. 315 बोर तथा एक जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर धारा 10 यूपी गुण्डा एक्ट तथा धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

बच्चों को शिक्षित अवश्य करें: वीरेंद्र

शाह टाइम्स संवाददाता

साढौली कदीम। गुरूवार को आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए खंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही एक मात्र साधन है जो इंसान को अपनी क्षमताओं को समझने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपने बच्चो को शिक्षित करने का आह्वान किया।

स्कूल के पूर्व छात्र इंजी. नियर मोहन सिंह ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से हम अंधकार को मिटाकर ज्ञान का दीप जला सकते हैं और एक सभ्य समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों के बजाय सरकारी स्कूल में पढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम के बाद वार्षिक परीक्षाफल घोषित किया गया। जिसमें अपनी कक्षाओं में प्रथम आने वाले पांच छात्रों को साइकिल वितरित की गई। इस दौरान ग्राम प्रधान बालेश्वर सिंह, राकेश देवी सुधीर वर्मा,योगेश कुमार, मोनू कुमार, शकील अहमद,के अलावा धर्मपाल सिंह, कंवरपाल सिंह, मोहम्मद इंतजार आदि ग्रामीणों की मौजूदगी रही।

छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मनमोहा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। मुन्नालाल एण्ड जयनारायण खेमका गर्ल्स कॉलेज का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष मुख्य अतिथि पैरी कुकरेजा, प्राचार्या प्रो.अनुपम बंसल, प्रबंध समिति के सदस्य नीरज माहेश्वरी, वरिष्ठ प्रवक्ता प्रो. अमिता अग्रवाल, महाविद्यालय की प्रकान छात्रा श्रीमती अरुणेश कुकरेजा तथा अन्य प्रवक्तागण के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय की वार्षिक स्मारिका सत्रांश का विमा. चन किया गया। प्राचार्या प्रो. अनुपम बंसल द्वारा रचित एवं संगीत विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर तान्या सिंह द्वारा स्वरबद्ध किए हुए महाविद्यालय के कुलगीत का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती पैरी कुक. रेजा ने कहा कि आज की नारी अपने आप में पूर्ण है एवं सभी कठिनाइयों का सामना करने के लिए सशक्त है। सत्र 2024-25 में शैक्षिक खेल, सांस्कृतिक एवं अन्य समितियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। शिक्षकों में प्रोफेसर अनुपम बंसल, प्रोफेसर अमित अग्रवाल सहित 12 शिक्षिकाओं को अकादमिक उत्कृष्टता हेतु सम्मानित किया गया। प्रबंध समिति के सदस्य नीरज माहेश्वरी ने प्रवक्ताओं एवं कर्मचारीगण के कार्यों की प्रशंसा की। महाविद्यालय को सतत् आगे ले जाने के लिए उन्हें और अधिक प्रोत्साहित किया. संचालन एसोसिएट प्रो. श्रीमती अनुपम गुप्ता द्वारा किया गया।

मेंस्ट्रुअल कप का निःशुल्क वितरण

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। मां शाकम्भरी विश्वविद्यालय द्वारा छात्राओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 100 मेंस्ट्रुअल कप का निशुल्क वितरण किया गया। यह पहल कुलपति प्रो.वाई. विमला के मार्गदर्शन में की गई। उन्होंने सुरक्षित एवं स्वच्छ मासिक धर्म प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला तथा पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि इस प्रकार की पहल न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि प्लास्टिक कचरे को कम करने में भी सहायक है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य संबंधी पहलें जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डा. ममता चौधरी, डा.कोमल त्यागी, डा.अपूर्वा के समन्वय में किया गया। छात्राओं को मेंस्ट्रुअल कप के उपयोग, उसके लाभ तथा रखरखाव के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

बिल्किस बेगम व नवेद शम्सी के इंतकाल पर दुख

नजीबाबाद। नगर के मोटर मैकेनिक नसीम अहमद व तहसील के टाईपिस्ट शमीम अहमद की वालिदा बिल्किस बेगम (85 वर्ष) पत्नी मरहूम अब्दुल मलिक का बीमारी के चलते इंतकाल हो गया। उनके इंतकाल पर काफी संख्या में शहर के लोगों ने उनके निवास मौहल्ला दरोदगान पहुंचकर रंजोगम का इजहार किया। उनका बुधवार को दोपहर जौहर की नमाज के बाद मोटाआम स्थित कब्रिस्तान पर दफीना किया गया। उनके पूर्व चेयरमैन मौअज्जम खां एड., शहबाज खान, नगर पंचायत साहनपुर के चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी, फरहान खान, डॉ. एसएम परवेज, डॉ. सुहैल सिद्दीकी, नामित सभासद कलवा शेख मंसूरी, सभासद इरशाद अहमद आदि रहे।

किसानों का गुस्सा फूटा, तहसील में धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

नकुड़। तहसील मुख्यालय पर गुरुवार को किसानों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा, जब भाकियू टिकैत संगठन के नेतृत्व में सैकड़ों किसान अपनी मांगों को लेकर जोरदार धरने पर बैठ गए। हाथों में झंडे और जुबां पर नारे पूरा तहसील परिसर किसानों की आवाज से गूंज उठा। किसानों की भारी भीड़ और आक्रोश को देखते हुए प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया और अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए रखने को मजबूर दिखे।

गुरुवार को धरने से पहले ब्लॉक सभागार में आयोजित मासिक बैठक में संगठन ने अपने विस्तार को धार देते हुए अहम घोषणाएं कीं। राव फारुख को नगर अध्यक्ष और पूर्व सभासद डॉ. इदरीश अहमद को युवा विंग का नगर अध्यक्ष बनाकर संगठन ने युवाओं को आगे लाने का स्पष्ट संदेश दिया। पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने का आह्वान किया गया। बैठक के बाद सहारनपुर मंडल अध्यक्ष चौधरी अशोक कुमार के नेतृत्व में किसानों का विशाल काफिला तहसील मुख्यालय पहुंचा, जहां धरना-प्रदर्शन शुरू हुआ। किसानों ने स्मार्ट मीटर, राशन कार्ड और अन्य जनसमस्याओं को लेकर प्रशासन के खिलाफ तीखा रोष जताया। उनका आरोप था कि बार-बार शिकायतों के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा, जिससे आम जनता त्रस्त है। किसानों ने सात सूत्रीय मांगपत्र उपजिलाधिकारी सुरेंद्र कुमार और क्षेत्राधिकारी रूचि गुप्ता को सौंपते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि समस्याओं को जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। धरने के दौरान युवा विंग के प्रदेश सचिव चौधरी मेवाराम, संजय चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष ब्लेन्द्र चौधरी, सुरेंद्र चौधरी, प्रदीप ठाकुर, अमरीश चौधरी, संजय आर्य, कलीम मलिक, अर्जुन सिंह, बीर सिंह, योगेश मौजूद रहे।

चैकिंग के दौरान एक वारन्टी चाकू समेत दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। थाना पुलिस टीम ने गश्त तथा चैकिंग के दौरान एक वारण्टी को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पूर्व से भी शराब व नशा तस्करी करने आदि के सम्बन्ध में आधा दर्जन से भी अधिक मुकदमे दर्ज है।

जानकारी के मुताबिक एएसपी थाना प्रभारी सिमरन सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने चौकिंग व गश्त के दौरान एक आरोपी फारूख पुत्र मकसूद निवासी ग्राम दूधगढ थाना चिल. काना को धौलाहेडी पुल के निकट से गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से 1 चाकू नाजायज बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

आरोपी के खिलाफ न्यायालय द्वारा पूर्व से दर्ज एक मुकदमे में वारण्ट भी जारी किए गए थे। गिरफ्तारी टीम में एसआई चन्द्रपाल सिंह तथा हैड कांस्टेबल मोहित शर्मा शामिल रहे।

हाईवे पर किसानों का हंगामा

गागलहेड़ी। थाना क्षेत्र के गांव हरियाबांस के किसानों ने दिल्ली देहरादून हाइवे पर सर्विस रोड की मांग की वही सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल मौके पर रहा।

कंपनी कर्मचारी जब गांव हरियाबांस के पास बने कट को बंद करने पहुंचे तो गांव के ग्रामीणों ने सर्विस रोड की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया, किसानों का कहना है हम बहुत समय से सर्विस रोड की मांग कर रहे है जो अभी तक पूरी नहीं हुई और अब ये कट भी बंद किए जा रहे है जिससे हमारा आने जाने का रास्ता बंद हो जायेगा बहुत देर तक जद्दोज. हद होने के कंपनी कर्मचारीयों ने हाइवे किनारे किसानों के आने जाने के रास्ते को सही करने का आश्वासन दिया तब कही मामला शांत हुआ।

भाकियू ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी धर्मवीर गुर्जर की अध्यक्षता में किसानों की मासिक बैठक हुई।

बैठक के बाद चौधरी धर्मवीर गुर्जर के नेतृत्व में किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक 8 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में बेमौसम बारिश से बर्बाद फसलों के लिए 25,000 रुपये प्रति बीघा मुआवजा, कर्ज माफी और एमएसपी पर रबी फसलों की पारदर्शी खरीद की मुख्य मांग रखी गई। किसानों ने आवारा पशुओं के स्थायी समाधान, ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली और दिल्ली-यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर पुल निर्माण की धीमी गति पर भी रोष जताया इसके साथ ही नई तहसील भवन में रजिस्ट्रार कार्यालय शिफ्ट न होने की परेशानी और निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों से की जा रही मनमानी वसूली का कड़ा विरोध किया गया। किसानों ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी इन सभी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो भारतीय किसान यूनियन बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगी।

अवैध रेत खनन से भरे ट्रैक्टर ट्राली व लोडर पकड़े

सरसावा। क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त तीन ने सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध रेत खनन का परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्राली एक ट्रैक्टर लोडर को पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान मौके पर हड़कंप मच गया।

थाना सरसावा प्रभारी प्रवेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में शाहज. हांपुर चौकी प्रभारी सौरभ सिंह यादव पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम अवैध खनन रोकथाम हेतु चेकिंग कर रहे थे।इस दौरान टीम को दो सोनालि. का ट्रैक्टर एक ट्राली एक लोडर दिखाई दिए ट्रैक्टर-ट्राली को रोक. कर जांच की गई, जिसमें बिना किसी वैध परमिट के खनन सामग्री ले जाई जा रही थी। आवश्यक दस्तावेज न दिखा पाने पर दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर शाहजहांपुर पुलिस चौकी पर भिजवा दिए गए। थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध खनन और उसके परिवहन के खिलाफ सख्त अभियान जारी रहेगा। दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

सूचना

मैने अपने पुत्र मनीष को नाफरमानी के कारण अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उसके कार्यो का मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नही होगा।

जयविन्द्र पुत्र बाबूराम निवासी नयागांव उर्फ नवाबांस, थाना रामपुर मनिहारान, तहसील व जिला सहारनपुर।

परीक्षा के मेधावी छात्रों को बांटे पुरस्कार

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। महर्षि दयानंद इन्टर कॉलेज उग्गरपुर में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित कर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। ग्राम उग्गरपुर के महर्षि दयानंद इन्टर कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में भाजपा नेता सुनील सैनी, विनोद प्रधान तथा डॉ. विमल शर्मा ने मेधावी बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उनहोने कहा कि सभी छात्र छात्राए अच्छे से मेहनत करें और क्षेत्र का नाम रोशन करे। प्रधानाचार्य अरविंद शास्त्री ने भी छात्र छात्राओं को सफलता के टिप्स दिए और अच्छे अंकों से पास होने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। इस दौरान छात्र छात्राओं ने योग करके सभी को योग करने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्षता मेजपाल आर्य व संचालन विशाल कांबोज ने किया। इस दौरान कुलदीप चौधरी, विशाल कांबोज, दिनेश, पंकज, रोशन दीप, सौरभ, दीपा, निशा, करुणा,रूबी, सोनिया, आंचल, प्रियांशी ,मीनाक्षी, अंजली आदि उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना प्रदर्शन

चांदपुर। भारतीय किसान यूनियन (हिंद) के आह्वान पर एसडीओ कार्यालय पर स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना प्रदर्शन किया गया। जबरन स्मार्ट मीटर न लगाए जाने को लेकर एसडीओ को ज्ञापन भी सौंपा गया। प्रदेश प्रवक्ता/ प्रभारी अकील अंसारी ने कहा कि किसी भी आमजन के यहां जबरन स्मार्ट मीटर नहीं लगाने दिया जाएगा। यदि जबरदस्ती किसी के यहां स्मार्ट मीटर लगाया जाता है, तो हम उसका विरोध करेंगे और मौके पर घेराव करने से भी नहीं चूकेंगे। उन्होंने विद्युत अधिकारियों से कहा कि जबरदस्ती किसी भी उपभोक्ता के घर पर स्मार्ट मीटर न लगाया जाए। उन्होंने स्मार्ट मीटर के अंदर आ रही गड़बड़ी से अवगत कराते हुए कहा कि यह स्मार्ट मीटर सही नहीं है।

मंत्र पाठ कर विश्व शांति की कामना

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। जैन समाज रामपुर मनिहारान द्वारा विश्व नमोक. र दिवस के अवसर पर मंत्र पाठ कर विश्व शांति की कामना की गई।

छोटे जैन मंदिर में पवित्र पाठ के दौरान नमोकार मंत्र का निरंतर उच्चारण करते हुए पंच परमेष्ठी की आराधना की गई।

उपस्थित सभी लोगों ने इस आयोजन में विश्व में शांति के साथ-साथ देश में सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। पूरे कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन श्री भक्तांबर महिला मित्र मंडल द्वारा किया गया।

इस धार्मिक आयोजन में जैन समाज के प्रधान मनोज जैन और महामंत्री निपुण जैन, अभिषेक जैन, पुनीत जैन, अर्चित जैन, शशांक जैन सहित आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित करें: अश्विनी

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति ने जनपद के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति के सभापति अश्विनी त्यागी के सभापतित्व में जनपद के अफसरों के साथ समीक्षा करते हुए कहा कि शासनादेशों का अनुपालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाये।

सर्किट हाउस सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन द्वारा समिति के सभापति एवं अन्य सदस्यों को जनपद के ओडीओपी काष्ठ निर्मित उत्पाद एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सभापति अश्विनी त्यागी ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों में शासनादेश का पूर्ण रूप से अनुपालन किया जा रहा है। उन्होने कहा कि शासनादेश के अनुसार जनप्रति. निधियों के प्रोटोकाल का शत-प्रतिशत अनुपालन किया

जाए। जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रचार-प्रसार के कार्यों में जनप्रतिनिधियों के अनुभवों का लाभ लिया जाए। शिलान्यास एवं लोकार्पण के कार्यक्रमों में शासनादेश के अनुसार जनप्रति. निधियों को आमंत्रित किया जाए। जनप्रतिनिधियों द्वारा दिये गये पत्रों का जवाब यथाशीघ्र दिया जाए। इसके साथ ही उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी अवगत कराया जाए। उन्होने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहने पाए, इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए। जनप्रतिनिधिगणों से सम्पर्क में रहते हुए उनसे निरंतर संवाद स्थापित किया जाए।

स्वास्थ्य सेवाओं के दृष्टिगत शासनादेश के अनुसार आयुष्मान कार्ड यथाशीघ्र बनाए जाएं एवं इस संबंध में जनप्रतिनिधियों को भी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होने समस्त विभागों द्वारा संचा. लित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए प्रगति के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को मिशन शक्ति के संबंध में पुलिस अधिकारियों को स्कूलों में जाकर जागरूक करने के लिए कहा। उन्होने बैठक में समिति के बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण लेने के लिए कहा। अपर जिलाधिकारी प्रशासन संतोष बहादुर सिंह ने समिति को आश्वस्त किया कि आपके द्वारा दिये गये निर्देशों का अक्षरश पालन किया जाएगा।

बैठक में सदस्य विधान परिषद एवं समिति के सदस्य वीरेन्द्र सिंह, पवन कुमार सिंह, महापीर डॉ. अजय कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी, विधायक नगर राजीव गुम्बर, विधायक नकुड़ मुकेश चौधरी, विधायक गंगोह किरत सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत राणा, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सलिल कुमार पटेल, अनु सचिव अरूण प्रकाश शर्मा, समीक्षा अधिकारी मयंक यादव, प्रतिवेदक आशीष, सहायक समीक्षा अधिकारी अभिनव तिवारी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीग उपस्थित रहे।

समाजसेवी जुनैद ने विधायक आशु मलिक से की शिष्टाचार भेंट

शाह टाइम्स संवाददाता

छुटमलपुर। बहेड़ा संदल सिंह (कलां) निवासी समाज सेवक जुनैद मलिक ने देहात विधानसभा के विधायक आशु मलिक से शिष्टाचार मुलाकात कर गांव की जमीनी समस्याओं को मजबूती से उठाया लगभग 45 मिनट तक चली इस महत्वपूर्ण बैठक में सड़क बिजली पानी और नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

विधायक आशु मलिक ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तुरंत संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए विधायक ने बड़े ही सहज और सकारात्मक रवैये के साथ सभी मुद्दों को सुना और तत्काल समाधान की दिशा में कदम उठाए विशेष रूप से सड़क की मरम्मत के मामले पर तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी गई मुलाकात के कुछ ही देर बाद संबंधित अधिकारी ने फोन कर सड़क मरम्मत कार्य जल्द शुरू होने की जानकारी दी।

विधायक आशु मलिक अपने क्षेत्र में विकास कार्यों और सक्रियता के लिए जाने जाते हैं। वे अखिलेश यादव के करीबी सहयोगियों में शामिल हैं पूर्व में भी उन्होंने क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए हैं जिससे जनता में उनके प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है इस मुलाकात के दौरान विधायक के करीबी सहयोगी नवाब मलिक की भूमिका सराहनीय रही साथ ही महमूद हसन सहित अन्य स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

समाजसेवक जुनैद मलिक ने कहा मैं पहले भी विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों से मिलकर गांव में विकास कार्य करा चुका हूँ। आगे भी बिना किसी भेदभाव के क्षेत्रहित में कार्य करता रहूँगा। मेरा एक मात्र उद्देश्य गांव का सर्वांगीण विकास, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और आम जनता की समस्याओं का समाधान कराना है। नफरत नहीं, विकास की सोच के साथ मैं लगातार गांव की आवाज को मजबूती से उठाता रहूँगा।

भूसा व चारा दान करने की अपील

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जनपद में निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश को संरक्षित कराये जाने हेतु समस्त विकास खण्डो में अस्थाई गोवंश आश्रय स्थलो का संचालन किया जा रहा है। गो आश्रय स्थलो पर संरक्षित गोवंश के भरण पोषण हेतु भूसा एवं हरे चारे की आवश्यकता रहती है।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एम. पी. सिंह ने कहा कि वर्तमान में भूसे के उत्पादन को दृष्टिगत रखते हुए अपेक्षा की गयी है कि जनता को निराश्रित गोवंश के प्रति जागरूक करते हुए लोगों को दान में भूसा आदि देने हेतु प्रेरित किया जाये। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि संरक्षित किये जा रहे निराश्रित गोवंश के भरण पोषण में सहयोग करते हुए अधिक से अधिक मात्रा में भूसा, हरा चारा, चोकर आदि अपने निकटतम खण्ड विकास अधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी, गोवंश आश्रय स्थल पर सम्पर्क कर दान देने का कष्ट करें तथा गोवंश की सेवा कर पुण्य लाभ उठाएं। डॉ. एम. पी. सिंह ने जनपद के ऐसे सम्मानित, प्रतिष्ठित, पशु प्रेमी, गोवंश में आस्था रखने वाले नागरिकों से अपील की है कि गोवंश के दान में देने के लिये भूसा, हरा चारा, चोकर आदि की उपलब्धता नहीं है तो नकद धनराशि के रूप में दान कर सकते हैं।

चोरी की बाइक के साथ पकड़ा

गंगोह। कोतवाली पुलिस ने लखनौती रोड पर चैकिंग के दौरान लाइन जीवनगढ़ थाना विकासनगर देहरादून निवासी आमिर पुत्र नौशाद को एक चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक आजाद सिंह, राहुल कुमार व विकास कुमार मौजूद रहे।

14 को पीएम मोदी से मिलेंगे किसान: वर्मा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने का कि पृथक राज्य व किसानों की समस्याओं से लेकर कार्यकर्ता प्रधानमंत्री से मिलेंगे।

भगत सिंह वर्मा आज यहां पेपर मिल रोड कार्यालय पर एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण से ही देश की उन्नति संभव है। देश में हो रहे छोटे राज्यों के निर्माण के लिए चल रहे संघर्ष को देखते हुए प्रधानमंत्री राज्य पुनर्गठन आयोग गठित करके छोटे-छोटे राज्यों का निर्माण कराए। और उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण कराए। आज पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सलाहकार हाफिज मूर्तजा त्यागी ने की और संचालन प्रदेश सचिव डॉ परविंदर मलिक ने किया। बैठक में राष्ट्रीय सलाहकार रजत शर्मा राष्ट्रीय महासचिव रामकुमार नेता प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ मुर्तजा सलमानी प्रदेश मीडिया प्रभारी दुष्यंत सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल प्रदेश प्रवक्ता रोहित गौतम प्रदेश सचिव रिशिपाल गुर्जर प्रदेश सचिव मास्टर रईस अहमद मंडल उपाध्यक्ष कृपाल सिंह चौधरी जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट जिला उपाध्यक्ष वसीम जहीरपुर आदि ने भाग लिया।

महिलाओं व छात्राओं से पुलिस संवाद

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। थाना कुतुबशेर की एंटी रोमियो मिशन शक्ति टीम द्वारा बाजारों में आने जाने वाली महिलाओं व ज्ञान कलश इंटरनेशनल कॉलेज में मिशन शक्ति प्रोग्राम के अंतर्गत मीटिंग का आयोजन किया गया।

बाजारों व मीटिंग में महिला स्वावलंबन हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण और साइबर अपराध सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत बालिकाओं को डिजिटल एरेस्टिंग व सशक्तिकरण एवं सरकार द्वारा चलाई गयी योजनाओं और बच्चो के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमो के बारे मे बताया एवं उनके अधिकारो, सुरक्षा और संरक्षण के बारे मे जागरुक किया गया। सरकार द्वारा जारी की गयी हेल्पलाईन नंबर के बारे मे जानकारी दी गयी। बाल मजदूरी, बाल विवाह के दुष्परिणामों व मोबाइल व इन्टरनेट का सावधानी से प्रयोग करने के बारे मे समझाया गया व पंपलेट भी वितरित किए गए।

टीम में उप निरीक्षक सविता चौधरी, उप निरीक्षक सुमन चाहर, कांस्टेबल रिंकी व होमगार्ड गीता सक्सेना शामिल रही।

चौ.मुजफ्फर की वालदा के इंतकाल पर शोक

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष चौ. मुजफ्फर अली की वालदा के इंतकाल पर प्र. श कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी, सांसद इमरान मसूद, चौ. इकरा हसन सहित कई जिलों के राजनीतिज्ञ, विधायक, समाजसेवी व व्यापारियों ने गम का इजहार किया।

पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं एआईसीसी के मैम्बर चौ.मुजफ्फर अली की 80 वर्षीय वालदा का विगत दिनों इंतकाल हो गया था। वह काफी समय से बीमार चल रही थी। इंतकाल की खबर सुनकर हजारों लोग चौ.मुजफ्फर के दिल्ली रोड स्थित आवास पर पहुंचे थे और अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए मृतका की रूह को सवाब पहुंचाने की नियत से दुआएं भी की। चौ.मुजफ्फर के आवास पर सांसद इमरान मसूद, सांसद चौ.इकरा हसन, पूर्व सांसद हाजी

फजलुर्रहमान, विधायक उमर अली खान, विधायक आशु मलिक, विधायक शाहनवाज खान, विधायक नाहिद हसन, पूर्व विधायक मसूद अख्तर, सपा के राष्ट्रीय महासचिव चौ.रूद्रसेन, सपा के प्रदेश सचिव रूही अंजुम, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष चौ.इरशाद, कांग्रेस जिलाध्यक्ष संदीप राणा, महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी, जामा मस्जिद प्रबंधक मौलवी फरीद, शहर काजी नदीम अख्तर, वरिष्ठ अधिवक्ता चौ.जानिसार एडवोकेट, बसपा नेता फिरोज आफताब, हाजी सरफराज राईन समेत हजारों लोगों ने मिलकर चौ.मुजफ्फर को ढांढस बंधाया। कांग्रेस की राष्ट्रीय लीडर व प्रदेश प्रभारी सांसद प्रियंका गांधी, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय सचिव पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रदीप नरवाल ने टेलीफोन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

नशा तस्कर पकड़ा

चिलकाना। थाना पुलिस टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक आरोपी नशा तस्कर को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से करीब 225000 रुपये कीमत की 11.3 ग्राम अवैध स्मैक तथा एक स्प्लेंडर बाइक बरामद की गई।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक पुलिस टीम द्वारा गस्त तथा चैकिंग के दौरान एक आरोपी नशा तस्कर निकेश पुत्र राजेश निवासी ग्राम नगला थाना चिलकाना को ग्राम नाल्हेड़ा से सलीरी की ओर जाने वाले मार्ग से अवैध स्मैक सहित साथ गिरफ्तार किया।

थाना प्रभारी एएसपी सिमरन सिंह आईपीएस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुक. दमा दर्ज किया गया।

नन्हे मुन्नों ने निकाली स्कूल चलो अभियान रैली

शाह टाइम्स संवाददाता

छुटमलपुर। शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को नामांकित करने के उद्देश्य से कस्बा छुटमलपुर के प्राथमिक विद्यालय छुटमलपुर नंबर दो में जागरूकता रैली निकाली गई। नामांकन रैली ने पूरे क्षेत्र में एक नई ऊर्जा उत्साह का संचार कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित सेन राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त शिक्षक तेलु राम महेन्द्र सिंह पूर्व प्रधान नवाब सभासद का विद्यालय आगमन हुआ। प्रधानाध्यापक करण सिंह और समस्त विद्यालय स्टॉफ द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया

गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित सेन ने सरस्वती वंदना के पश्चात हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में शामिल बच्चों ने जोश और उत्साह के साथ कस्बे में घूम घूम कर अभिभावकों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया और 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को नए नामांकन के लिए प्रेरित किया बच्चों ने मम्मी पापा हमें पढ़ाओ विद्यालय जाकर नाम लिखाओ कोई न छूटे अबकी बार शिक्षा है सबका अधिकार जैसे नारों से शिक्षा के महत्व को समझाया। इस अवसर पर विद्यालय में बच्चों को नवीन सत्र हेतु पुस्तक वितरण किया गया कक्षा 5 पास कर चुके पूरे वर्ष में अधिकतम उपस्थिति पाने वाले बच्चों को मेडल पहनाकर सम्मान प्रदान किया गया जिसे पाकर बच्चे बहुत खुश हुए विद्यालय के नव नामांकित बच्चों को आगंतुकों द्वारा उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया, वहीं विद्यालय आए अभिभावकों के साथ शिक्षा के महत्व पर चर्चा की गई कार्यक्रम में मीनाक्षी कंबोज मोहम्मद नसीम सहायक अध्यापक कमलेश सोनिया रेखा सरिता सहित विद्यालय स्टाफ की सक्रिय भागीदारी रही।इस पहल ने पूरे क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जागरूकता को नई दिशा दी। कार्यक्रम में संचालन श्रीमती अंजली आर्य सहायक अध्यापक द्वारा किया गया रिजा फलक अर्शी समद हमरा एब्बूजर अरशद अहद सहित समस्त बच्चे अति उत्साहित दिखे।

रेल कर्मियों का मांगों के समर्थन में प्रदर्शन

सहारनपुर। उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन, नई दिल्ली के महामंत्री के आह्वान पर मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ चल रहे रोष सप्ताह के तहत बुधवार को खलासी लाइन रेलवे इंस्टिट्यूट के पास स्थित वर्कशॉप में रोष दिवस मनाया गया। यूनियन पदाधिकारियों ने उपेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में प्रदर्शन कर अपनी मांगों को जोरदार ढंग से उठाया।यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि रेलवे के विभिन्न कार्यों का तेजी से निजीकरण किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रैक सिग्नल, इंजन-कोच रिपेयर, एसी कोच मेंटेनेंस, टिकट बुकिंग व आरक्षण जैसे कार्य ठेके

पर दिए जा रहे हैं, जो कर्मचारियों के हितों के खिलाफ है। प्रदर्शन के दौरान यूनियन ने पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, कोविड काल में रोकी गई महंगाई भत्ते की तीन किस्तों का भुगतान, ठेकेदारी प्रथा पर रोक, रिक्त पदों को भरने, कार्यभार के अनुसार नए पद सृजित करने और आठवें वेतन आयोग में 3.5 फिटमेंट फैक्टर लागू करने की मांग की। गेट मीटिंग में उपेंद्र गुप्ता, बाबूराम, रविन्द्र, सुरेन्द्र, राजेन्द्र, गुरदीप, विवेक कुमार, बालकिशन, रवि मेहरा, संजय, राजन वत्स, मनोज सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

डीएम को कार्यवाही के निर्देश

चिलकाना। सुल्तानपुर नगर पंचायत कार्यालय द्वारा वार्ड नम्बर 2 स्थित नजूल बताई जाने वाली भूमि पर वर्षों से अपने आवास बनाकर रहते आ रहे परिवारों द्वारा की गई भेदभाव की एक शिकायत का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने जिलाधिकारी को उक्त प्रकरण की जांच कार्यवाही के लिए निर्देशित किया है।

बतातें चलें कि नगर पंचायत सुल्तानपुर चिलकाना के वार्ड 02 के मोहल्ला कोठीवाला (किला) जिसको नगर पंचयात द्वारा नजूल की भूमि बताया जाता है। इसी भूमि को फ्री होल्ड करवाने व प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल किये जाने की मांग करते हुए यहां पर वर्षों से निज आवास बनाकर रहते आ रहे परिवारो ने मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को एक पत्र लिखकर बताया था कि इस भूमि पर नगर पंचायत के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने से मना कर दिया जाता है। जबकि वह लोग वर्षों से यहां रहते हुए नगर पंचायत को जल कर व भवन कर भी देते चले आ रहे है।

पीड़ित परिवारों ने उन्हें उक्त भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाए जाने की मांग की थी। 7 अप्रैल को मानवाधिकार आयोग की ओर से जिलाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि उक्त प्रकरण में अगले 2 माह के अंदर याची आकाश कुमार को साथ लेकर गहन अध्ययन किया जाये।

पुरस्कार वितरण के साथ क्रीडा प्रतियोगिता संपन्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जे वी जैन कालेज में पुरस्कार वितरण के साथ वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता का समापन हो गया।

कालेज परिसर में आयोजित समापन कार्यक्रम में माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय के कुलसचिव कमलकृष्ण, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी राहुल चोपड़ा तथा कॉलेज प्रबंधन समिति सदस्य देवेंद्र मित्तल ने खिलाडियों को पुरस्कार वितरित कर आशीर्वचन दिया। कमल कृष्ण ने कहा की खेल के साथ-साथ खिलाड़ियों को भी अपनी पढ़ाई की तरफ भी ध्यान देना चाहिए और हमारा विश्वविद्यालय खेलों में नई ऊंचाई प्राप्त कर रहा है। आज के बास्केटबॉल फ्री शूट में पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान सौरभ कुमार, द्वितीय स्थान आकाश, एवं तृतीय स्थान विनीत कुमार ने प्राप्त किया, महिला वर्ग में प्रथम स्थान श्रुति सक्सेना, द्वितीय स्थान साक्षी गोयल, एवं

तृतीय स्थान रिया ने हासिल किया।स्टैंडिंग खो- खो के महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर नर्मदा हाउस की टीम जिसमे पायल रानी, अक्षिता देवी, कशिश पाल, खुशी पाल, नेहा एवं ज्योति रहे एवं द्वितिय स्थान पर गंगा हाउस की टीम जिसमे श्रुति सक्सेना, साक्षी गोयल, यशिका, रिया कपिल, सलोनी, वशिका टीम में रहे। इसके साथ साथ पिछले वर्ष 2024-25 में महाविद्यालय को अन्तर्विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न खेलो में प्रतिभाग करने वाले खिलाडी मोहम्मद शुएब (जुडो), साहिल कुमार (हॉकी), अर्जुन गुप्ता, राघव अरोरा, अजय कुमार, रितिक मलिक (सभी चारों बास्केटबॉल के खिलाड़ी), अभिषेक पुंडीर एवं दिग्विजय पुंडीर(दोनों शतरंज), गायत्री एवं आकाश दोनों योगासन), अंगद सिंह (वुशु), एवं गौरव मेनन (भारोत्तोलन) खेलो में महाविद्यालय का नाम रोशन करने पर सम्मानित किए गए। निर्णायक लाल धर्मेंद्र प्रताप, योगाचार्य भीम, मनीष कुमार, रोहित पुंडीर, तेजस्वी चौहान को भी सम्मानित किया गया। आज के इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर वकुल बंसल, प्रो. पंकज गुप्ता, प्रो. हरिओम गुप्ता, डॉ. हरवीर सिंह चौधरी, प्रो. मुकेश गुप्ता उपस्थित रह। कार्यक्रम संयोजक डॉ हरवीर सिंह चौधरी व डा.संदीप गुप्ता ने अतिथियों का आभार जताया। संचालन वरिष्ठ समाजसेवी मोहम्मद यूनुस खान ने किया।

गांव चलो अभियान चलाया

गंगोह। भाजपा नगर मंडल गंगोह के सैक्टर रामलीला भवन व सैक्टर कोटला में गाँव चलो अभियान चलाया गया।

कार्यकर्ताओं ओर नागरिकों से जनसंपर्क कर मोदी योगी सरकार के 2047 तक भारत को विकसित बनाने के संकल्प की पूर्ति हेतु सरकार की नीतियों ओर योजनाओं को जनजन तक पहुंचने के लिए जनसंपर्क किया। अध्यक्षता मंडलाध्यक्ष राजेश गांधी शर्मा व संचालन गगन गर्ग ने किया। सैक्टर प्रभारी वीरसिंह भावुक, किसान मोर्चा अध्यक्ष चौ. राजाराम व मा. संजीव शर्मा ने विचार व्यक्त किये। विनोद शर्मा, शशांक गोयल, संजय तायल, अंकुर प्रजापति, नितिन सिंघल, अंचल गोयल, जैलसिंह भारती, दीपक सैनी, अंकित मौजूद रहे।

एक नजर

घर के बाहर खड़ी गाड़ी को जलाया

कोतवाली देहात। थाना क्षेत्र के ग्राम उमरी कलां निवासी तसलीम अहमद की गाड़ी उनके घर के बाहर खड़ी रहती है। मंगलवार रात लगभग करीब 12:30 बजे जब तसलीम अहमद का परिवार सोया हुआ था, तभी अचानक तेज धमाका हुआ। जिससे परिजनों की आंख खुल गई। जब उन्होंने नीचे आकर देखा, तो तसलीम अहमद की गाड़ी में आग लग रही है। परिजनों ने पानी डालकर किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गाड़ी में काफी नुकसान हो गया था। तसलीम अहमद ने अपने घर के बाहर लगे कैमरे चेक किए तब पता लगा कि गांव के ही रहने वाले जुबेर पुत्र इसरार ने अपने एक साथी के साथ मिलकर गाड़ी में आग लगाई है। इसके बाद तसलीम अहमद ने डायल 112 को फोन किया। बुधवार को तसलीम अहमद ने थाने में तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

बिजनौर। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बाबा अमरनाथ यात्रा का आयोजन अमरनाथ सेवा मंडल, शाखा बिजनौर के द्वारा किया जा रहा है। यात्रा के संयोजक एसके बबली एड. ने बताया कि यात्रा के लिए पंजीकरण 9 अप्रैल से शुरु हो रहे हैं। जो 12 अप्रैल तक चलेंगे। जिनके रजिस्ट्रेशन व मेडिकल होंगे वो भक्त ही यात्रा में जा पायेंगे। यात्रा 12 दिन की होगी जो निःशुल्क होगी। यात्रा एक जुलाई से शुरु होगी। ऐसे भक्त जो अपने पास से भोलेनाथ के दर्शन नहीं कर पा रहे हैं, उनको हमारी संस्था के द्वारा फ्री यात्रा कराई जाएगी। एक एसी बस के द्वारा यह यात्रा सम्पन्न होगी जो मां शकुम्भरी देवी से शुरु होकर अमृतसर गोल्डन टैम्पल, वाघा बॉर्डर, बाबा अमरनाथ जम्मू कश्मीर में माता वैष्णा देवी, शिव खोड़ी, हिमाचल प्रदेश की पांचों देवी, भाखड़ा नांगल डेम, गुरुद्वरा पौंटा साहिब, हरिद्वार होते हुए पूर्ण होगी। यात्रा के संचालक नानक खेड़ा होंगे। यात्रा में विशेष सहयोग अखिल अग्रवाल मुरादाबादी ज्वैलर्स, शंकरलाल, सचिव अर्बन बैंक का भी रहेगा। एसके बबली एड. ने बताया कि जिनका रजिस्ट्रेशन व मेडिकल नहीं होगा वो यात्रा में शामिल नहीं हो पायेंगे। यात्रा 14-15 वर्षों से निरंतर चलती आ रही है। अब तक लगभग दो हजार भक्तों को निःशुल्क दर्शन संस्था द्वारा जाए जा चुके हैं। यात्रा परप जाने के इच्छुक भक्त मोबाइल नंबर एसके बबली एड. 9412215930, नानक खेड़ा-9927281100, गौरव खेड़ा-9837097594, अखिल अग्रवाल- 9837033386 एवं शंकर लाल, मोबाइल नंबर 9412712650 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना प्रदर्शन

चांदपुर। भारतीय किसान यूनियन (हिंद) के आह्वान पर एसडीओ कार्यालय पर स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना प्रदर्शन किया गया। जबरन स्मार्ट मीटर न लगाए जाने को लेकर एसडीओ को ज्ञापन भी सौंपा गया। प्रदेश प्रवक्ता/ प्रभारी अकील अंसारी ने कहा कि किसी भी आमजन के यहां जबरन स्मार्ट मीटर नहीं लगाने दिया जाएगा। यदि जबरदस्ती किसी के यहां स्मार्ट मीटर लगाया जाता है, तो हम उसका विरोध करेंगे और मौके पर घेराव करने से भी नहीं चूकेंगे। उन्होंने विद्युत अधिकारियों से कहा कि जबरदस्ती किसी भी उपभोक्ता के घर पर स्मार्ट मीटर न लगाया जाए। उन्होंने स्मार्ट मीटर के अंदर आ रही गड़बड़ी से अवगत कराते हुए कहा कि यह स्मार्ट मीटर सही नहीं है। धरना स्थल पर स्मार्ट मीटर पीड़ित तमाम उपभोक्ता अपनी शिकायत लेकर आए। जिन्होंने अधिक बिल, गलत बिल, एक-एक दिन के बिल बहुत बड़ी तादाद में निकल रहे हैं जिससे आम उपभोक्ता बहुत परेशान है। धरना स्थल पर वक्ताओं ने प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीओ विद्युत को सौंपते हुए मांग की कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह बंद किए जाएं। ताकि आम जनता को राहत मिल सके। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी साजिद अली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर आम जनता का शोषण करने नहीं दिया जाएगा। धरने की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आफताब और बबलू ने की। संचालन मेहंदी हसन ने किया। धरने पर मेघराज सिंह, लेखराज सिंह, ताहिर हुसैन, अबरार हुसैन, कयामुद्दीन, शाहिद हसन, वसीम अहमद, प्रभात यादव, फरमान शेख, सुल्तान शेख, मुजम्मिल, कालू प्रधान, इरशाद प्रधान, आफताब और टक्कर प्रधान मुबारकपुर, मुन्ना शेख, इमाम अंसारी, शहजाद हुसैन, दानिश अल्वी, कृष्ण कुमार सैनी, भीमसेन, डालचंद, मूलचंद, सलीम सैफी, लड्डन प्रधान आदि और बड़ी तादाद में किसान व आम जनता मौजूद रही।

प्रशासन को 72 घंटे का अल्टीमेटम

सांसद चंद्रशेखर ने मृतक प्रशांत के परिजनों से की मुलाकात

शाह टाइम्स संवाददाता

चांदपुर। आसपा (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ग्राम हैंजरपुर में मृतक प्रशांत सैनी के परिवार से मिले और उन्हें आश्वासन करते कहा कि 72 घंटे में कार्रवाई न हुई, तो पीछे नहीं हटेंगे।

ग्राम हैंजरपुर में प्रशांत सैनी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर नगीना सांसद एवं आसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद आज पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। चंद्रशेखर आजाद ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया और प्रशासन को 72 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो वे पीछे नहीं हटेंगे और न्याय की लड़ाई को और तेज किया जाएगा। इस दौरान जिला प्रभारी आसपा मौहम्मद ताहिर, शेरबाज पठान व बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि पीड़ित परिवार को हर हाल में न्याय दिलाया जाएगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

हजरत बाबा नन्हें मियां चिश्ती का उर्स शुरू

97वां उर्स मुबारक शान ओ शौकत के साथ हुआ आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

नजीबाबाद। नगर के मौहल्ला पाईबाग स्थित नन्हें मियां दरगाह पर हजरत बाबा नन्हें मियां चिश्ती र.अ. का 97वां उर्स मुबारक बड़ी शानो शौकत के साथ हर साल की तरह इस साल भी बदस्तूर आयोजित किया गया।

बुधवार को उर्स का आगाज नगर पंचायत साहनपुर के चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने फीता काटकर किया तथा अपनी जानिब से अकीदत की चादर पेश की। बाद

नमाज ए मगरिब लंगर तकसीम किया गया। बाद नमाज व ईशा महफिल ए शमा प्रोग्राम का आगाज हुआ। जिसमें जफर यूनुस साबरी, शौकत अली राहती मंडावर, अरमान साबरी आदि कव्वालों ने अपना कलाम पेश किया। कव्वालों ने सुफियान कव्वालियों से महफिल में समां बांध दिया। इस मौके पर अजीम अख्तर, सूफी नजाकत अली, बाबा मौहम्मद हसन, डॉ. जुनैद अंसारी, इदरीस अब्बासी, अब्बास खलीफा, शरीफ अहमद उर्फ मन्नू खलीफा, कामरान अली अंसारी, शराफत चौधरी आदि उपस्थित रहे।

मदरसा शिक्षकों का दर्द संसद तक पहुंचा

5 साल से वेतन नहीं मिला, सांसद चंद्रशेखर आजाद ने उठाई आवाज

शाह टाइम्स ब्यूरो

धामपुर। उत्तर प्रदेश के मदरसा शिक्षकों की गंभीर समस्या अब संसद तक पहुंचने वाली है। नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री को पत्र लिखकर प्रदेश के लगभग 22 हजार मदरसा शिक्षकों के पिछले पांच वर्षों से लंबित वेतन और योजनाओं की स्थिति पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

सांसद द्वारा लिखे गए इस पत्र में बताया गया है कि मदरसा आधुनिकीकरण योजना, जो वर्ष 1993 से संचालित है, का उद्देश्य अल्पसंख्यक समाज के बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना है। लेकिन वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत कार्यरत शिक्षकों की हालत बेहद दयनीय हो चुकी है।

पत्रा में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2017 से 2022 तक का केंद्र सरकार द्वारा देय मानदेय (लगभग 12 हजार रुपये प्रतिमाह) आज तक शिक्षकों को प्राप्त नहीं हुआ है। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला 3 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय भी लंबे समय से बकाया है।

सांसद ने अपने पत्र में यह भी बताया कि वेतन न मिलने के कारण हजारों मदरसा शिक्षक और उनके परिवार गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। कई शिक्षक कर्ज में डूब चुके हैं, तो कुछ मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि कुछ मामलों में असामयिक मृत्यु की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे उनके परिवारों की स्थिति और भी दयनीय हो गई है। उन्होंने इस स्थिति को केवल मानवीय दृष्टिकोण से चिंताजनक बताया, बल्कि इसे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करने वाला बताया। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने केंद्र सरकार से मांग की है कि मदरसा आधुनिकीकरण योजना को प्रभावी रूप से पुनः संचालित किया जाए, ताकि शिक्षकों को नियमित मानदेय मिल सके और योजना अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर सके। उन्होंने पत्र के माध्यम से यह भी आग्रह किया कि लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिल सके और शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिल सके। सांसद ने अपने पत्र में केंद्र सरकार से त्वरित और सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। अब देखना होगा कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाती है, क्योंकि हजारों परिवारों की उम्मीदें इस निर्णय पर टिकी हुई हैं।

एक नजर

धमकाने वाला दरोगा लाइन हाजिर

नजीबाबाद। ग्राम जटपुरा बॉडा में कंपोजिट शराब की दुकान को हटाए जाने के संबंध में महिलाओं ने एक सप्ताह पूर्व धरना प्रदर्शन किया था। महिलाओं का आरोप है कि ग्रामीण शराब पीकर गाली-गलौच करते हैं, खुले में शौच करते हैं। शराबियों के द्वारा महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी की जाती है। इस संबंध में महिलाओं के द्वारा एसडीएम को प्रार्थना-पत्र भी दिया गया था। इसी बात को लेकर हल्का दरोगा ने दो दिन पूर्व महिलाओं के घर पहुंचकर उन्हें धमकाया। उनको डराया गया कि उनका समूह बन्द करा दिया जाएगा तथा दोबारा से धरना प्रदर्शन करने पर देख-लेने की बात कही थी। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर एसपी ने संज्ञान लेते हुए मामले की जांच नजीबाबाद सीओ को सौंपी थी। सीओ की जांच रिपोर्ट के बाद एसपी ने मंडावली थाने के दरोगा देवपाल सिंह को लाइन हाजिर कर दिया।

भाकियू का तहसील परिसर में धरना

चांदपुर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत तहसील अध्यक्ष नितिन राणा के नेतृत्व में तहसीलदार से मिलने हेतु सम्पर्क किया गया। तहसीलदार द्वारा किसानों से मिलने से मना करते हुए कहा गया कि मैं अभी बाहर हूं जबकि तहसीलदार अपने कोर्ट विश्राम केबिन में बैठे हुए है। इस बात को लेकर किसान यूनियन कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया औरकार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गये। धरना स्थल पर नितिन राणा द्वारा बताया गया कि तहसीलदार का रवैया किसानों के प्रति ठीक नहीं है और वह किसानों से मिलने से भी बचते रहे हैं। धरने में जिला सचिव चौधरी हरीराज, जिला संगठन मंत्री महिपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष जसवंत सिंह नामधारी,नगर अध्यक्ष आशिक उर्फ बब्बू शेख, रोहतास प्रधान, सुनील चौधरी, सुधांशु चौधरी तहसील महासचिव, राजीव चौधरी जिला उपाध्यक्ष, अशोक कुमार, लवि शेख, राहुल चिकारा, बबलू प्रधान, अनिल सिद्धू, वीरपाल सिंह, यशवीर सिंह, हरवीर सिंह ब्लॉक अध्यक्ष, चौधरी कल्याण सिंह, मींडिया प्रभारी मौहम्मद हनीफ आदि शामिल रहे।

किसान यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

नजीबाबाद। तहसील में किसान यूनियन महात्मा टिकैत की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद यूनियन पदाधिकारियों ने एसडीएम शैलेंद्र कुमार को विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख मांगों में प्राइवेट स्कूलों में किताबों और ड्रेस के नाम पर हो रही मनमानी लूट को बंद करने की मांग की गई। इसके साथ ही, तहसील में दाखिल-खारिज के नाम पर किसानों के शोषण को रोकने और खसरा-खतौनी मिलने में आ रही परेशानियों को दूर करने की बात कही गई। यूनियन ने विद्युत विभाग द्वारा उपभोक्ता की सहमति के बिना प्रीपेड स्मार्ट मीटर न लगाने की मांग की। प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारकों को भर्ती करने से मना करने और गैर-जरूरी जांच के नाम पर बाहरी लैबों द्वारा की जा रही लूट को बंद करने पर भी जोर दिया गया। ज्ञापन सौंपने वालों में कुलदीप मौर, कपिल अहलावत, शहजाद मलिक, जितेंद्र हुड्डा, शादाब राजा, गुरजीत सिंह और रियाज सहित किसान यूनियन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम शुरू

अफजलगढ़। पीएचसी कासमपुरगढ़ी में महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डा. सर्वेश निराला और महिला चिकित्सक डॉ. ममता कर्णवाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन सत्र के दौरान एक किशोरी को एचपीवी का टीका लगाया गया। इस बारे में पीएचसी प्रभारी ने बताया कि महिलाओं में गर्भाशय के मुंह के कैंसर की शुरुआत आमतौर पर 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों में होती है। इस टीकाकरण का उद्देश्य इसी आयु वर्ग की किशोरियों को बीमारी से बचाना है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्यकर्मी अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करेंगे। माता-पिता की सहमति मिलने पर, आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को सप्ताह के सभी कार्य दिवसों में पीएचसी पर टीका लगाया जाएगा। इस मौके पर प्रमोद शर्मा, नीरज कुमार, कल्याण सिंह, अमृता रानी, ज्योति रानी सहित कई अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

उत्तम शुगर मिल का पेराई सत्र समाप्त

नांगल सोती। कई दिन से नो केन की स्थिति के बाद उत्तम शुगर मिल का पेराई सत्र समाप्त हो गया। इस दौरान मिल ने 1.22 करोड़ कुंतल गन्ने की पेराई की। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष मिल ने 24 लाख कुंतल कम गन्ने की पेराई की। जिस कारण किसानों और मिल प्रशासन को करोड़ का नुकसान झेलना पड़ा। 1.22 करोड़ कुंतल गन्ने की पेराई करने के बाद उत्तम शुगर मिल का पेराई सत्र 2025-26 का समापन कर दिया गया। इस दौरान मिल ने 155 दिन पेराई की जो बीते पेराई सत्र 2024-25 की तुलना में 23 दिन कम रहा। बीते पेराई सत्र में मिल ने 1.46 करोड़ कुंतल गन्ने की पेराई की। इस पेराई सत्र में मिल ने लगभग 24 लाख कुंतल कम गन्ने की पेराई की। कम गन्ना उत्पादन के चलते मिल के किसानों और मिल को करोड़ों का नुकसान रहा।

बिल्किस बेगम व नवेद शम्सी के इंतकाल पर दुख

नजीबाबाद। नगर के मोटर मैकेनिक नसीम अहमद व तहसील के टाईपिस्ट शमीम अहमद की वालिदा बिल्किस बेगम (85 वर्ष) पत्नी मरहूम अब्दुल मलिक का बीमारी के चलते इंतकाल हो गया। उनके इंतकाल पर काफी संख्या में शहर के लोगों ने उनके निवास मौहल्ला दरोरवान पहुंचकर रंजोगम का इजहार किया। उनका बुधवार को दोपहर जौहर की नमाज के बाद मोटाआम स्थित कब्रिस्तान पर दफीना किया गया। उनके पूर्व चेयरमैन मौअज्जम खां एड., शहबाज खान, नगर पंचायत साहनपुर के चेयरमैन खुर्शीद मंस. री, फरहान खान, डॉ. एसएम परवेज, डॉ. सुहैल सिद्दीकी, नामित सभासद कलवा शेख मंस. री, सभासद इरशाद अहमद, फफर हुसैन, कफील अहमद, खालिद अकील, इसरार अहमद एड., फराज आब्दी, शाहनवाज मंसूरी, खालिद मसूद, इसरार मुल्तानी, नौशाद अहमद, रिहान अहमद, शमशेर शेरू आदि ने शिरकत कर मरहूमा की मगफिरत के लिए दुआ की। उधर वार्ड 23 के सभासद खुर्रम अफजाल के भाई नवेद शम्सी का बीमारी के चलते इंतकाल हो गया। उनके इंतकाल पर सभासदों के साथ नगर के गणमान्य लोगों ने दुख व्यक्त किया।

'कल्पवृक्ष-2026' समारोह का शुभारंभ

हैंड एवं फेस पेंटिंग में छात्र सक्षम व छात्रा आकृति ने प्रथम स्थान पाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। स्थित वीकेआईटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस में आज 17वां तीन दिवसीय 'कल्पवृक्ष-2026' समारोह का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनोद राठी एवं प्रबंध निदेशक अभिषेक सिंह द्वारा फीता काटकर एवं गुब्बारे उड़ाकर किया गया।

कार्यक्रम 'कल्पवृक्ष-2026' समारोह की शुरूआत कॉलेज के छात्र रजनीश, अमित, विशाल, लवी, मौहम्मद जैद एवं धार्मवीर सिंह द्वारा लाई गई मशाल से ग्रुप के मेनेजिंग डॉयरेक्टर अभिषेक सिंह ने 'कल्पवृक्ष-2026' समारोह की अखंड ज्योति प्रज्वलित की। इसके उपरांत जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह, विनोद राठी, प्रबंध निदेशक अभिषेक सिंह ने शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। साक. द्र प्रताप ने अपने वक्तव्य से सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

तीन दिवसीय क्रिक्रेट प्रतियोगिता के कोऑर्डिनेटर मौहम्मद बिलाल व मौहम्मद जुबैर ने आज प्रथम दिन का पहला मैच काजीपाड़ा और एमडीके क्लब के बीच खिलाया, जिसमें एमडीके क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 6 ओवर में 30 रनों का लक्ष्य दिया। जिसमें काजीपाड़ा ने मात्र 4.4 ओवर में आठ विकेट से लक्ष्य को हासिल किया। इसके उपरांत दूसरा मैच गजरौला टाइटंस और वीरा कॉलेज के बीच में खेला गया। जिसमें वीरा कॉलेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 45 रनों का

गजरौला टाइटंस को लक्ष्य दिया। जिसमें गजरौला टाइटंस ने 6 विकेट से जीत दर्ज की।

बॉलीबाल प्रतियोगिता के कॉर्डिनेटर नरदेव सिंह ने बताया कि पहला मैच कोतवाली क्लब और वीकेआईटी चैलेंजर के बीच खेला गया। जिसमें कोतवाली क्लब की टीम ने 24/18 से जीत हासिल की। इसके उपरांत द्वितीय मैच नहटौर और वीकेआईटी क्लब के बीच खेला गया। वीकेआईटी क्लब की टीम ने 25/22 से जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता के बाकी सभी मुकाबले कल खेले जाएंगे।

रंगोली प्रतियोगिता की कॉर्डिनेटर मिस तब्बसुम ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 9 ग्रुप ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान ग्रुप जी (अलाफिया, रुश्दा, आरिश, नूरीश एवं अल्शिफा) ने प्राप्त किया एवं ग्रुप। (दिया, नुजहद, लवि, नेहा एवं नम्रता) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

कैरम प्रतियोगिता के कॉर्डिनेटर गाजी अब्बास ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 33 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें छात्र विकास कुमार राजकीय पॉलिटेक्निक बिजनौर ने प्रथम एवं छात्र साहिल वीकेआईटी बिजनौर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

रेस प्रतियोगिता के कॉर्डिनेटर नितिन कुमार ने बताया कि 100 मीटर पुरुष वर्ग में छात्र आनंद कुमार एवं महिला वर्ग में छात्रा प्रियंका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर पुरुष वर्ग में छात्र विवेक राणा एवं महिला वर्ग में छात्रा एकता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रिले रेस 400 मीटर में सुमित चौधरी ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

चैस प्रतियोगिता के कॉर्डिनेटर आकाश धीमान ने बताया कि 12 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिसमें प्रथम स्थान छात्र विवेक कुमार एवं द्वितीय स्थान छात्र अभिषेक कुमार ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में दीया व नुजहत ने प्रथम स्थान एवं कनक चौहान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अन्य प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में एकल गायन में छात्र वंश वर्धमान कॉलेज, बिजनौर ने प्रथम स्थान एवं छात्र वेदांश वर्धमान कॉलेज, बिजनौर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कैनवा पेंटिंग में छात्रा सुमायरा ने प्रथम स्थान व हुमायरा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हैंड एवं फेस पेंटिंग में छात्र सक्षम व छात्रा आकृति ने प्रथम स्थान व छात्रा रिमझिम और रक्तिमा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

वीकेआईटी ग्रुप आफ कॉलेजेस के प्रबंध निदेशक अभिषेक सिंह ने सभी का आभार किया। विगत 16 वर्षों से महाविद्यालय अपने कैंपस में खेलों का आयोजन कराता रहा है। इन खेलों के आयोजन से विद्यार्थियों का अर्न्तमुखी व चहुंमुखी विकास होता है। इसलिए इस प्रकार के आयोजन अति आवश्यक हैं, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। वीकेआईटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस विद्यार्थियों के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

'कल्पवृक्ष-2026' समारोह को सफल बनाने में डीन राजीव कुमार, रजिस्ट्रार अमित कुमार, विभागाध्यक्ष संदीप सिंह, मौहम्मद जाहिद, नागेंद्र सिंह, नरदेव सिंह, अमित चौधारी, बिरेंद्र, संसार सिंह, मौहम्मद बिलाल, गाजी अब्बास, नावेद, सचिन कुमार, मुनेश कुमार, साहिबा, सीमा, मानसी चौधरी, तबस्सुम, सलोनी, ज्योति, मिनाक्षी, रोहित कुमार, मौहम्मद जुबैर, मौहम्मद विशाल, असमा परवीन, शाहिस्ता, हिमांशी, नितिन कुमार, दीपक काकरान, गौरव कुमार, अरविंद कुमार, दीपक कुमार, आदि समस्त स्टाफ का भी सहयोग रहा।

KKR ने LSG को 182 रन का टारगेट दिया

रघुवंशी ने 45, रहाणे ने 41 रन बनाए, 4 बालर्स को एक-एक विकेट

कोलकाता, वार्ता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के 15वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 182 रन का टारगेट दिया है। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में लखनऊ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बैटिंग करते हुए कोलकाता ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 181 रन बनाए। अंगकृष रघुवंशी ने 45 और कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 41 रन बनाए। लखनऊ की ओर से प्रिंस यादव, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी और आवेश खान ने एक-एक विकेट लिया।

पारी के आखिरी ओवर में प्रिंस यादव ने 12 रन दिए। उनके ओवर में ग्रीन और पावेल ने चौके लगाए। इसी के साथ कोलकाता ने लखनऊ को 181 रन का टारेगट दिया। 19वें ओवर में कैमरन ग्रीन और रोवमन पावेल ने 5वें विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप की।

शमी की दूसरी बाल पर कैमरन ग्रीन ने छक्का लगाया। इसी छक्के से साझेदारी 50 पार हो गई। 17वें ओवर में प्रिंस यादव 17 रन दिए। रोवमन पावेल ने आखिरी दो बाल पर बैक टु बैक बाउंड्री लगाई। इनमें एक चौका और एक छक्का शामिल रहा। 15वें ओवर में दिग्वेश राठी ने महज 3 रन दिए। तीनों रन सिंगल के जरिए आए। उन्होंने कैमरन ग्रीन को 4 बाल डाट कराई। 14वें ओवर में कोलकाता ने चौथा विकेट गंवा दिया। ओवर की दूसरी बाल आवेश खान ने गुड लेंथ पर आउट स्विंगर फेंकी। रिंकू सिंह डिफेंड करने गए, लेकिन बोल्ड हो गए। उन्होंने 4 रन बनाए। 12वें ओवर में कोलकाता ने तीसरा विकेट गंवा दिया। ओवर की चौथी बाल एम सिद्धार्थ ने गुड लेंथ पर फेंकी। अंगकृष रघुवंशी आगे निकलकर बड़ा शाट खेलने गए, लेकिन लान्ग ऑन पर ऐडन मार्करम के हाथों कैच हो गए। रघुवंशी ने 45 रन बनाए। 11वें ओवर में कोलकाता ने दूसरा विकेट गंवा दिया।

ओवर की दूसरी बाल दिग्वेश राठी ने फुलर लेंथ फेंकी। अजिंक्य रहाणे ने फ्लिक किया, लेकिन शार्ट मिड विकेट पोजिशन पर मोहम्मद शमी के हाथों कैच हो गए। रहाणे ने 41 रन बनाए। 7वें ओवर की 5वीं बाल पर अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने दूसरे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी की। रहाणे ने एम सिद्धार्थ की बाल पर सिंगल लेकर साझेदारी का 50वां रन बनाया। टीम ने 15 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया था। टॉस हारकर बैटिंग कर रही कोलकाता ने मिली-जुली शुरुआत की है। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में एक विकेट पर 56 रन बना डाले हैं। कप्तान रहाणे और रघुवंशी की जोड़ी क्रीज पर हैं। दोनों ने छठे ओवर में आवेश खान की बाल पर 16 रन बनाए। आवेश की आखिरी तीन बाल पर बाउंड्री लगी। इससे पहले फिन एलन 9 रन बनाकर आउट हुए। 5वें ओवर में अजिंक्य रहाणे ने दिग्वेश राठी की बाल पर लगातार दो चौके लगाए। उन्होंने चौथी और 5वीं बाल पर बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचाया। राठी के इस ओवर से 10 रन आए। कोलकाता की पारी के तीसरे और मोहम्मद शमी के दूसरे ओवर से 5 रन आए। इसमें एक चौका शामिल रहा। शमी ने अपने पहले ओवर में 6 रन दिए थे।

भारतीय महिलाएं मेडल चार्ट में टॉप पर, 4 गोल्ड जीते

उलानबटार, वार्ता। भारतीय महिला टीम ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया, चार गोल्ड, दो सिल्वर और चार ब्रॉन्ज सहित कुल 10 मेडल जीतकर मेडल चार्ट में टॉप पर रही, जिससे कॉन्टिनेंटल स्टेज पर उनका दबदबा दिखा। हेड कोच सैंटियागो नीवा की देखरेख में, महिला टीम की हर सदस्य मेडल के साथ घर लौटी, जिससे कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन पर उनका दबदबा कायम हुआ।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट अजय सिंह की मौजूदगी में, मीनाक्षी (48किंग्रा) ने मंगोलिया की नोमुंदरी एनख-अमगलन पर 5-0 की शानदार जीत के साथ दिन का पहला गोल्ड जीतकर शुरुआत की। प्रीति (54किंग्रा) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, चीनी ताइपे की हुआंग सियाओ-वेन को, जो तीन बार की

वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो 2020 ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं, 5-0 के एकमत फैसले से हराकर टॉप पोडियम पर जगह बनाई। प्रिया (60किंग्रा) ने फाइनल में नॉर्थ कोरिया की वॉन उन-ग्योंग पर 3-0 की शानदार जीत के साथ भारत की गोल्ड मेडल की गिनती में और इजाफा किया। अरुंधति (70किंग्रा) ने भी अपनी कैटेगरी में कजाकिस्तान की बाकित सेइदिश के खिलाफ 4:1 से जीत दर्ज करके गोल्ड मेडल जीता। भारत ने अपनी गिनती में दो सिल्वर मेडल जोड़े, जिसमें जैस्मीन (57किंग्रा) एक मजबूत कैंपेन के बाद रनर-अप रहीं, जबकि अल्फियान पठान (80 किंग्रा) ने भी अपने आखिरी मुकाबले के बाद सिल्वर मेडल जीता। इस एडिशन में शामिल किसी भी देश से सबसे ज्यादा 16 मेडल पक्के करने के बाद, भारत शुक्रवार को टूर्नामेंट को मजबूती से खत्म करना चाहेगा, जिसमें दो पुरुष बॉक्सर फाइनल में होंगे।

खेल विशेष

खालसा, एसआरसीसी व रामजस कॉलेज जीते

नई दिल्ली, वार्ता। मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, एसजीबीटी खालसा एलुमनाई और रामजस कॉलेज ने 5वें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट के तीसरे दिन लीग मैचों में आसान जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग में मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने किरोड़ीमल कॉलेज को 92-81से हराया। खालसा कॉलेज के अधिराज विक्रम सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 55-31 से हराया। एसआरसीसी के भूमित को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। खालसा एलुमनाई टीम ने हंसराज कॉलेज को 82-58 से हराया। खालसा एलुमनाई के देशमुख माथुर को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। महिला वर्ग में रामजस कॉलेज ने इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वूमेन को 61-40 से हराया। रामजस कॉलेज की कोमल को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार दिया गया।

रियो डी जनेरियो 2026 फीबा 3ग3 वर्ल्ड टूर फाइनल की करेगा मेजबानी

बीजिंग, वार्ता। फीबा 3ग3 वर्ल्ड टूर फाइनल का 15वां संस्करण 12 से 13 दिसम्बर तक ब्राजील के रियो डी जनेरियो में आयोजित किया जाएगा। फीबा के अनुसार 25 से 26 अप्रैल तक जापान के उटसुनोमिया में शुरू होने वाला यह वर्ल्ड टूर, रियो में होने वाले फाइनल से पहले चार महाद्वीपों के शहरों का दौरा करेगा। फीबा 3ग3 के प्रबंध निदेशक एलेक्स सांचेज ने बुधवार को कहा कि हम बहुत उत्साहित हैं कि हम रियो डी जनेरियो जैसी प्रतिष्ठित और लोकप्रिय जगह पर, एक और सफल फीबा 3ग3 वर्ल्ड टूर का शानदार समापन करने की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ब्राजील में 3ग3 बास्केटबॉल के प्रति जुनून जगजाहिर है और यह सबसे जबरदस्त अनुभवों में से एक है।

पुरुष और महिलाओं के मैच दिन की रोशनी में खेले जाएंगे: बीसीबी

ढाका, वार्ता। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बिजली बचत के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पुरुष और श्रीलंका के खिलाफ महिला क्रिकेट सीरीज के मैच समय में बदलाव किया है।

इसके अब ए मुकाबले दिन की रोशनी में खेले जाएंगे। बीसीबी ने सरकार की ऊर्जा बचाने की पहल का समर्थन करने के लिए न्यूजीलैंड के साथ होने वाली पुरुषों की सफेद गेंद सीरीज और श्रीलंका के साथ होने वाली महिलाओं की टी-20 सीरीज के मैच के समय में बदलाव किया है। ढाका और चटगांव में होने वाले तीनों एकदिवसीय मैच दिन-रात्रि होने वाले थे, लेकिन अब बोर्ड ने कहा है कि वे मैच शुरू होने का समय तीन घंटे पहले कर देंगे। अब एकदिवसीय मैच स्थानीय समय के अनुसार सुबह 11 बजे शुरू होंगे, जिसका मकसद मैचों को सूरज डूबने तक खत्म करना है। बीसीबी को उम्मीद है कि इससे बिजली की खपत में कम से कम चार घंटे की बचत होगी। पुरुषों के टी-20 मैच दोपहर दो बजे शुरू होंगे, जिनका मकसद उन्हें शाम 5:10 बजे तक खत्म करना है। तीन मैचों की इस सीरीज के पहले दो टी-20 मैच पहले शाम 6 बजे शुरू होने वाले थे, जबकि तीसरा टी-20 मैच पहले से ही दोपहर 2 बजे शुरू होने वाला था।

शुभमन गिल पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, वार्ता। गुजरात टाइटन्स (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल पर धीमे ओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम ने अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नम्बर 14 के दौरान स्लो ओवर-रेट बनाए रखा। यह आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2-22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का पहला उल्लंघन था, जो मिनिमम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

गिल ने बताया प्रसिद्ध ने आखिरी गेंद स्लोअर क्यों की

नई दिल्ली, वार्ता। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने आईपीएल 2026 का अपना पहला मैच पांच गेंद बाकी रहते गंवा दिया था। दूसरे मैच में वे आखिरी से पहले वाली गेंद तक मुघबले में थे। तीसरे मैच में दो गेंद बाकी रहते वे हार के घ्रीब थे, जब दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को दो गेंदों में दो रन चाहिए थे, लेकिन डेविड मिलर ने पांचवीं गेंद पर आसान सिगल लेने से मना कर दिया। उस समय जीटी के कप्तान शुभमन गिल के मन में यही था कि उनके पास जीतने का मौका है। आखिरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने धीमी बाउंसर डाली, जिस पर मिलर का बल्ला चूक गया और जॉस बटलर के डायरेक्ट थ्रो ने मैच खत्म कर दिया। बाद में गिल ने बताया कि धीमी गेंद डालना एक सोचा-समझा फैसला था। उन्होंने कहा कि हम यह चर्चा कर रहे थे कि यॉर्कर डालें या धीमी गेंद। हमने तय किया कि इस पिच को देखते हुए एक अच्छी स्लोअर गेंद पर बाउंड्री लगाना मुश्किल होगा। इस जीत की नींव जीटी के बल्लेबाजों ने रखी। टॉप चार में से तीन- गिल, बटलर और वॉशिंगटन सुंदर ने अर्धशतक बनाए। 16 ओवर में 168/2 के स्कोर पर वे बड़े स्कोर की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन आखिरी चार ओवर में सिर्फ 42 रन ही बना पाए। हालांकि, इससे यह भी संकेत मिला कि डीसी के लिए लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं होगा। गिल ने कहा कि मैं टीम की बल्लेबाजी से खुश हूं। हमें हमेशा लगा कि इस पिच पर 210 रन पार स्कोर से 10-15 रन ज्यादा है। डेथ ओवरों में भी बड़े शॉट लगाना आसान नहीं था, क्योंकि पिच धीमी थी।

दिल्ली कैपिटल्स को कुछ अंकों का नुकसान हुआ: संजय बांगर

नई दिल्ली, वार्ता। गुजरात टाइटन्स ने अपने टाटा आईपीएल 2026 मैच में आखिरी गेंद तक खिचे रोमांचक मैच में दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हरा दिया। स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए, जियोस्टार के एक्सपर्ट संजय बांगर और पीयूष चावला ने डेविड मिलर, विप्रज निगम और कुलदीप यादव के बीच हुए तनावपूर्ण आखिरी ओवर का एनालिसिस किया, साथ ही राशिद खान के अहम स्पेल, केएल राहुल की पारी और शुभमन गिल की शांत पारी पर भी बात की।

संजय बांगर ने मैच के आखिरी पलों के बारे में बताया कि आप समझ सकते थे कि जब विप्रज निगम आए तो हालात कैसे बदल गए। गेम पूरी तरह से मिलर के बारे में नहीं था, लेकिन विप्रज के आउट होने के बाद, जम्मिेदारी पूरी तरह से मिलर पर आ गई। कुलदीप यादव ने उस खास बॉल को अच्छे से हैंडल किया और पक्का किया कि मिलर स्ट्राइक पर हों। फिर मिलर ने एक शानदार शॉट मारा, लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से 106 मीटर का छक्का। हालांकि, आखिर में थोड़ी कन्फ्यूजन

हुई। शुरू में, ऐसा लगा कि वह सेकंड-लास्ट बॉल पर रन के लिए जाएंगे लेकिन फिर उन्होंने ऐसा न करने का फैसला किया। इस हिचकिचाहट की वजह से दिल्ली कैपिटल्स को मौका गंवाना पघ, क्योंकि आखिरी बॉल पर कैसा खेला जाता, इस पर निर्भर करता था कि गेम सुपर ओवर में जा सकता था। इस कन्फ्यूजन की वजह से आखिरकार दिल्ली कैपिटल्स को कुछ पॉइंट्स का नुकसान हुआ। शुभमन गिल की पारी पर उन्होंने कहा कि शुभमन गिल की पारी को दूसरे छोर से अच्छा सपोर्ट मिला, खासकर जोस बटलर के अग्रेसिव खेलने की वजह से, जिसका मतलब था कि गिल को पावरप्ले की शुरुआत में ज्यादा स्ट्राइक नहीं मिली। वह अपनी पहली आठ गेंदों पर 8 रन बना चुके थे और उनके पास जमने का मौका था। फिर उन्होंने दो इंपॉर्टेंट पार्टनरशिप कीं और जब जरूरत पड़ी तो अहम शॉट खेले, जिसमें कुलदीप यादव को स्वीप करके छक्का लगाना भी शामिल है। वह डीप बैटिंग कर पाए और जरूरत पड़ने पर बड़े शॉट खेल पाए। इस तरह की पारी से बैटर के मन में कोई भी शक दूर हो जाता है, और गिल का टॉप ऑर्डर में पारी को संभालना बहुत बड़ा फर्क डालता है। पीयूष चावला ने राशिद खान के स्पेल के बारे में कहा कि हम सब जानते हैं कि राशिद खान अपने दिन क्या कर सकते हैं, वह किसी भी बैटिंग लाइन-अप को परेशान कर सकते हैं। गुजरात टाइटन्स को उनसे आगे आने की जरूरत थी, खासकर जब एक अच्छी बैटिंग विकेट और छोटे ग्राउंड पर इस टोटल का बचाव कर रहे थे, और उन्होंने किया। वह पहली ही बॉल से सही थे।

आयुष क्वार्टर फाइनल में, सिंधु बाहर

निगबो, वार्ता। यूएस ओपन 2025 के चैंपियन आयुष शेट्टी ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, और बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले अकेले भारतीय सिगल्स खिलाड़ी बन गए। उन्होंने चीनी ताइपे के ची यू जेन को सीधे गेम में 21-16, 21-12 से हराया।

पहली बार दुनिया के 20वें नम्बर के खिलाड़ी का सामना करते हुए, शेट्टी ने शुरुआती राउंड से ही अपनी लय बनाए रखी। उन्होंने दोनों गेम में शुरुआती बढ़त बनाई, पहले गेम में थोड़ी देर के लिए एक टीम का सामना किया, फिर जीत हासिल की।

दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने पूरा कंट्रोल दिखाया और 41 मिनट में सीधे गेम में आसान जीत हासिल की। शेट्टी को अब क्वार्टर फाइनल में इंडिया

ओपन 2026 के रनर-अप इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से कड़ी चुनौती मिलेगी, जिन्होंने जापान के युदाई ओकिमोटो को 21-18, 21-13 से हराया। विमेंस सिगल्स में, पीवी सिंधु चीन की वर्ल्ड नम्बर 2 वांग जी ई के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद बाहर हो गईं। मिक्स्ड डबल्स में, ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो मलेशिया के वर्ल्ड नम्बर 4 चेन टैंग जी और टोह ई वेई से हार गईं। उन्नति हुड्डा और एचएस प्रणय भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

जोशी ने तीन शॉट की बढ़त बनाई

विशाखापत्तनम, वार्ता। खिलन जोशी ने विशाखापत्तनम के ईस्ट पॉइंट गोल्फ क्लब में 1 करोड़ रुपये के आंध्र ओपन 2026 के तीसरे राउंड में एक-अंडर 70 का कार्ड बनाकर अपनी बढ़त को तीन शॉट पहुंचा दिया। उनका तीन राउंड का स्कोर सात-अंडर 206 हो गया है। बेंगलुरु के 33 साल के खिलन (68-68-70), जो छह बार के विजेता हैं, जिन्होंने पीजीटीआई इवेंट में हफ्ते की शुरुआत 68 और 68 के राउंड के साथ की थी,

अब फाइनल राउंड में अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। दुबई के यश मजूमदार (71-69-69) और दिल्ली के राशिद खान (70-72-67) चार-अंडर 209 के साथ दूसरे नम्बर पर थे। मजूमदार ने 69 का स्कोर किया, जबकि राशिद ने दिन का सबसे अच्छा 67 का राउंड बनाकर मुकाबले में जगह बनाई। जोशी का राउंड एक खराब शुरुआत के बाद एक मजबूत रिकवरी से तय हुआ, जिसमें शुरुआत में तीन थ्री-पट शामिल थे। उन्होंने सातवें होल पर एक टैप-इन बर्डी के साथ वापसी की, जब उनका अप्रोच शॉट होल से कुछ इंच दूर रह गया था, और फिर पार-5 के 12वें होल पर एक जरूरी ईगल दिया, जहां उन्होंने 15-फुटर लगाया। जोशी ने कहा, ष्मेरी शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन मैंने सब्र रखा और अपनी बॉल-स्ट्राइकिंग पर भरोसा किया। मैं इसे अच्छी तरह से ड्राइव कर रहा हूं और अपने आयरन को मजबूती से मार रहा हूं, इसलिए मुझे बस पटर को चालू रखना है। मुझे गर्व है कि खराब शुरुआत के बावजूद मैंने कोर्स पर खुद को कैसे संभाला और बैक-नाइन पर वापसी की। आखिरी राउंड में जाते हुए, मैं पहले भी ऐसी स्थितियों में रहा हूं, इसलिए मुझे पता है कि मुझे बस अपने जोन में रहना है और अच्छे गोल्फ शॉट खेलने हैं और इससे बाकी सब कुछ ठीक हो जाएगा। पार-5 सातवें को 477-यार्ड पार-4 में एडजस्ट किया गया है, जिससे कोर्स पार 71 हो गया है। सैन डिएगो यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट मजमुदार ने अपनी अनोखी एक हाथ से चिपिंग तकनीक से प्रभावित करना जारी रखा और ऐसा लग रहा था कि वह दो शॉट के अंदर पहुंच जाएंगे, लेकिन आखिरी होल पर एक बोगी ने उन्हें दूसरे स्थान के लिए वापस टाई कर दिया। दो बार के एशियन टूर विनर राशिद ने पेनल्टी राउंड में 67 का मजबूत स्कोर करके मुकाबले में वापसी की, जिसमें एक ईगल, पांच बर्डी और तीन बोगी शामिल थे। कोलकाता के विराज मडप्पा (69-71-71), जो एशियन टूर के सबसे कम उम्र के भारतीय विनर और पिछले सीजन में पीजीटीआई के विनर थे, ग्रेटर नोएडा के अर्जुन शर्मा (71-70-70) के साथ दो-अंडर 211 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर थे। जोशी, जो अभी पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 55वें स्थान पर हैं।

ज्वेरेव ने 2-5 से वापसी करते हुए गारिन को हराया

मोंटे-कार्लो, वार्ता। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बुधवार को मोंटे-कार्लो मास्टर्स में बने रहने के लिए मुश्किल से वापसी की। इस साल पहली बार क्ले पर मुकाबला करते हुए, ज्वेरेव ने आखिरी सेट में 2-5 से संघर्ष करते हुए चिली के क्वालीफायर क्रिस्टियन गारिन को 4-6, 6-4, 7-5 से हराया। एक बड़े फाइनल गेम में, वर्ल्ड नम्बर 3 ने तीन ब्रेक पॉइंट बचाए, इससे पहले कि वह आखिरकार अपने तीसरे मैच पॉइंट पर जीत पक्की कर लेता।

ज्वेरेव ने अप्रैल की धूप में कोर्ट रेनियर प्प्प पर दो घंटे और 50 मिनट के बाद आखिरकार जीत हासिल करने के बाद जोरदार आवाज लगाई। ज्वेरेव ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मेरा लेवल बिल्कुल भी नहीं था। लेकिन यह 11 महीनों में मेरा पहला क्ले-कोर्ट मैच था। मेरे पास तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं था क्योंकि मैंने मियामी में अच्छा

खेला था। मैं जीतकर खुश हूं। यह एक मुश्किल मैच था और वह अच्छा खेल रहा है, खासकर यहां। दिन के आखिर में, कभी-कभी यह सिर्फ जीत हासिल करने के बारे में होता है। दो बार के मोंटे-कार्लो सेमीफाइनलिस्ट ज्वेरेव साल के पहले दो मास्टर्स 1000 इवेंट्स इंडियन वेल्स और मियामी के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी आखिरी चार में पहुंचे थे। हालांकि, जर्मन खिलाड़ी गारिन के खिलाफ तीसरे सेट के बीच में सीजन के अपने पहले ओपनिग-राउंड से बाहर होने के लिए तैयार लग रहा था। फिर भी, 47 अनफोर्स्ड गलतियां करने और तीसरे सेट में 0-4 और 2-5 से पीछे होने के बावजूद, 28 साल के खिलाड़ी ने आगे बढ़ने के लिए ठीक समय पर बेसलाइन से लॉक डाउन कर दिया। ज्वेरेव का अगला मुकाबला जजिो बर्ग्स से होगा, जब बेल्जियम के खिलाड़ी ने आंद्रेई रुब्लेव को 6-4, 6-1 से हराया। इस बीच दूसरे मुकाबले में, जोआओ फोंसेका 2005 में राफेल नडाल और रिचर्ड गास्के के बाद मोंटे-कार्लो में तीसरे राउंड में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। 19 साल के ब्राजीलियन ने फ्रेंचमैन आर्थर रिडरकनेच को 7-5, 4-6, 6-3 से हराया।

दुनिया के 40वें नम्बर के खिलाड़ी तीसरे राउंड में मैटियो बेरेटिनी से खेलेंगे। मियामी के फाइनलिस्ट जिरी लेहेका ने एलेजांद्रो टैबिलो के खिलाफ 4-6, 7-6(4), 6-3 से कड़ी टक्कर में जीत हासिल की। लेहेका का तीसरे राउंड में आठवीं सीड वाले अलेक्जेंडर बुब्लिक से मुकाबला होगा। कैस्पर रूड का तीसरे राउंड का मुकाबला फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे से होगा। नौवीं सीड वाले रूड ने कोरेंटिन मौटेट को 7-5, 6-3 से हराया और छठी सीड वाले ऑगर-अलियासिमे ने मारिन सिलिच को 7-6(4), 6-3 से हराकर पहली बार मोंटे-कार्लो में आखिरी 16 में जगह बनाई। 2024 में मोंटे-कार्लो के फाइनलिस्ट रूड ने क्ले कोर्ट पर 12 टूर-लेवल टाइटल जीते हैं। उधर वैलेंटिन वचेरोट ने चौथी सीड लोरेंजो मुसेट्टी को 7-6(6), 7-5 से हराकर एक और जीत हासिल की - इस बार अपने घरेलू दर्शकों के सामने। इस जीत के साथ, वाचेरोट अपने कोच और सौतेले भाई, बेंजामिन बैलेरेट के बाद द प्रिसिपैलिटी में तीसरे राउंड में पहुंचने वाले पहले मोनेगास्क बन गए।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

टीएमसी बनाम चुनाव आयोग

यूं तो एक केंद्रशासित प्रदेश सहित पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, लेकिन इनमें सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल में एसआईआर में हुई धांधली को लेकर हो रही है, बल्कि अगर हम यह कहें कि वहां की सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी और चुनाव आयोग सीधे आमने-सामने आ गए हैं, तो गलत नहीं होगा। टीएमसी के सांसद डेरेक ऑ ब्रायन ने तो बेहद तीखे शब्दों में यहां तक कह डाला कि चुनाव आयोग अपनी मनमानी पर उतारू है। उनका कहना है कि जब उनके नेतृत्व में एक टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिला, तो उन्होंने केवल पांच मिनट में ही हमें बाहर का रास्ता दिखा दिया। अगर वास्तव में ऐसा है, तो यह बेहद खतरनाक स्थिति है। हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपनी सफाई में कहा है कि उन्होंने ब्रायन से केवल इतना कहा था कि आप अपनी बात को शांति के साथ रखें और दुर्व्यवहार न करें। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब चुनाव आयोग को लेकर विपक्षी खेमे से आवाज बुलंद होती दिखाई दे रही है, क्योंकि टीएमसी ही नहीं लगभग तमाम विपक्षी दल एक स्वर में यह आरोप लगाते रहे हैं कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। अब यह कितना सच है इसकी जांच कौन करे पर हां इतनी बात तो कहनी ही पड़ेगी कि चुनाव आयोग विशेषकर ज्ञानेश कुमार का जिस तरह का रवैया सार्वजनिक रूप से सामने आया है, उसको देखकर नहीं लगता कि वह सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। हम सभी को समझना होगा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव बेहद आवश्यक होते हैं। किसी भी काम का सही होना ही काफी नहीं होता, बल्कि वह सही होता भी दिखाई देना चाहिए। यह बात इस आधार पर कही जा रही है कि मुख्य चुनाव आयुक्त बार-बार यह आश्वासन देते दिखाई देते हैं कि चुनाव में पूरी पारदर्शिता व ईमानदारी बरती जाएगी और किसी को भी उसके पात्र वोट से वंचित नहीं किया जाएगा, लेकिन उनका यह दावा वास्तविकता के धरातल पर दिखाई नहीं देता। जो लोकतंत्र को जानते हैं वह अच्छी तरह समझते हैं कि जिस तरह लोगों द्वारा सत्ता में आई सरकार की बेहद जरूरत होती है, ठीक उसी तरह विपक्ष की भी अपनी एक अहमियत होती है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विपक्ष की अहमियत को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि विपक्ष के लोग भी आखिर जनता द्वारा चुने हुए ही प्रतिनिधि होते हैं और विपक्ष का काम यही होता है कि वह सरकार के कामकाज पर नजर रखे और जहां गलत हो उसके विरुद्ध आवाज उठाए, तो ऐसे में विपक्ष की आवाज को भी सुनना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता, तो चुनाव आयोग को समझना होगा कि उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे ही, जैसेकि पश्चिमी बंगाल में उठ भी रहे हैं। जाहिर है सभी को साथ लेकर नहीं चला जाएगा, तो चुनाव आयोग की साख पर सवाल उठेंगे।

पटरी से उतर सकते हैं शांति के प्रयास

युद्धविराम की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका को इजरायल पर लगाम कसनी चाहिए, निरंतर होते हमले पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों को पटरी से उतार सकते हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बयानों में असंगति तथा अनुचित भाषा उनके पद की गरिमा के अनुकूल नहीं है, ईरान ने संघर्ष की शुरुआत नहीं की थी और युद्ध उस पर थोपा गया था , यदि युद्धविराम विफल होता है, तो इसकी जिम्मेदारी ईरान पर नहीं, बल्कि इजरायल पर डाली जानी चाहिए , पाकिस्तान वह करने में सफल रहा, जो दूसरे नहीं कर सके, इजरायल के साथ भारत के घनिष्ठ संबंधों ने शायद उसके राजनयिक दायरे को सीमित कर दिया है।

-उमर अब्दुल्ला, मुख्यमंत्री,जम्मू-कश्मीर

आज देश की राजनीति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि कई दल कुछ पुराने चेहरों तक सिमट गए हैं। नई सोच, नए विचार और नए नेतृत्व के लिए जगह ही नहीं बची। हजारों युवा कार्यकर्ता वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन आगे बढ़ नहीं पाते, क्योंकि ऊपर की जगह खाली नहीं होती।

क्या भारतीय राजनीति में अब उम्र की सीमा तय होनी चाहिए

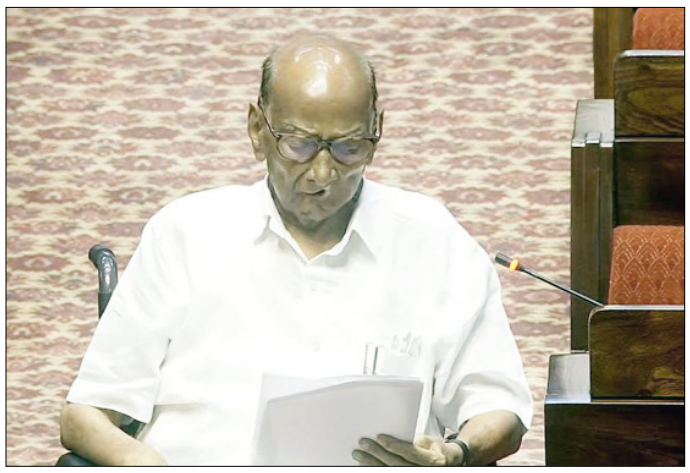

प्रो. आर.के. जैन

6 अप्रैल को राज्यसभा के शपथ ग्रहण कक्ष में जो दृश्य दिखाई दिया, उसने पूरे देश को भीतर तक झकझोर दिया। 85 वर्षीय शरद पवार व्हीलचेयर पर बैठकर सदन में पहुंचे। सदन में अचानक सन्नाटा छा गया। दशकों तक महाराष्ट्र की राजनीति को अपनी रणनीति, दूरदर्शिता और प्रभाव से दिशा देने वाला यह बड़ा नेता उस दिन बेहद कमजोर और थका हुआ दिखाई दे रहा था। शपथ के शब्द बोलते समय उनकी आवाज कांप रही थी, शब्द लड़खड़ा रहे थे और चेहरा थकान से भरा हुआ था। वह केवल एक शपथ ग्रहण समारोह नहीं था वह भारतीय राजनीति के सामने खड़ा एक कठोर और असहज प्रश्न था क्या सत्ता का मोह इतना बड़ा हो सकता है कि शरीर जवाब दे देने के बाद भी नेता कुर्सी छोड़ने को तैयार न हों?

यही वह क्षण था, जिसने राजनीति में सेवानिवृत्ति की आवश्यकता पर नई बहस खड़ी कर दी। जिस प्रकार सेना, न्यायपालिका, प्रशासन और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं में एक निश्चित आयु के बाद व्यक्ति को जिम्मेदारी छोड़नी पड़ती है, उसी प्रकार राजनीति में भी कोई स्पष्ट सीमा क्यों नहीं होनी चाहिए? क्या देश और राज्यों का भविष्य अनिश्चितकाल तक कुछ ही लोगों के हाथों में रहना चाहिए? क्या लोकतंत्र का अर्थ केवल यही है कि एक ही पीढ़ी लगातार सत्ता में बनी रहे? राजनीति केवल अनुभव का क्षेत्र नहीं है। यह ऊर्जा, सक्रियता, त्वरित निर्णय और बदलते समय को समझने की क्षमता का भी क्षेत्र है। यदि व्यवस्था में समय पर परिवर्तन नहीं होगा, तो राजनीति धीरे-धीरे ठहराव का शिकार हो जाएगी।

सबसे बड़ा सच यह है कि उम्र के साथ अनुभव बढ़ता है, लेकिन शरीर और मन की सीमाएं भी सामने आने लगती हैं। आज की राजनीति पहले जैसी नहीं रही। अब केवल भाषण देना या चुनाव जीतना काफी नहीं। नेता को तकनीक समझनी होती है, युवाओं की आकांक्षाएं सुननी होती हैं, बदलती अर्थव्यवस्था पर नजर रखनी होती है और तेज फैसले लेने होते हैं। ऐसे समय में यदि कोई नेता शारीरिक रूप से कमजोर हो, चलने-फिरने में कठिनाई हो या लंबे समय तक बोल न पाता हो, तो वह कितनी प्रभावी भूमिका निभा पाएगा? केवल पद पर बने रहना और सक्रिय नेतृत्व करना, दोनों अलग बातें हैं।

शरद पवार के मामले में यह सवाल इसलिए गंभीर हो जाता है, क्योंकि उन्होंने महाराष्ट्र और देश की राजनीति में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाई है। उनके अनुभव और राजनीतिक कौशल पर कभी संदेह नहीं रहा। लेकिन राज्यसभा में शपथ के दौरान उनकी हालत ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। कांपती आवाज और थकी हुई देह देखकर हर किसी के मन में एक ही सवाल उठाकृक्या इस अवस्था में वे राज्यसभा में प्रभावी भूमिका निभा पाएंगे? क्या वे किसानों, युवाओं, उद्योगों और विकास के मुद्दों पर पहले जैसी सक्रियता दिखा पाएंगे? जब शरीर जवाब देने लगे, तब कुर्सी पर बने रहना ताकत नहीं, विवशता लगने लगता है।

अब समय आ गया है कि राजनीति में भी सेवानिवृत्ति की एक स्पष्ट सीमा तय हो। यदि 75 या 80 वर्ष के बाद नेता सक्रिय पद छोड़कर मार्गदर्शक बनें, तो इससे राजनीति कमजोर नहीं, बल्कि अधिक मजबूत होगी। उनका अनुभव और प्रभाव खत्म नहीं होगा वे सलाहकार, संरक्षक और प्रेरणा-स्रोत बने रहेंगे, लेकिन नेतृत्व उन लोगों के हाथों में जाएगा, जिनके पास ऊर्जा, नई सोच और बदलते समय के साथ चलने की क्षमता है। लोकतंत्र की असली ताकत इसी संतुलन में है। जहां अनुभव रास्ता दिखाए और नई पीढ़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाले।

आज देश की राजनीति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि कई दल कुछ पुराने चेहरों तक सिमट गए हैं। नई सोच, नए विचार और नए नेतृत्व के लिए जगह ही नहीं बची। हजारों युवा कार्यकर्ता वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन आगे बढ़ नहीं पाते, क्योंकि ऊपर की जगह खाली नहीं होती। नतीजा यह होता है कि निराशा बढ़ती है, संगठन जड़ हो जाता है और जनता का भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। जब नई पीढ़ी को मौका नहीं मिलेगा, तो युवाओं की समस्याएं कौन समझेगा? बेरोजगारी, शिक्षा, तकनीक, कृषि, स्टार्टअप और बदलती अर्थव्यवस्था को वही पीढ़ी बेहतर समझ सकती है, जो इन्हें खुद जी रही है। इसलिए अब समय है कि नई पीढ़ी के लिए रास्ता खोला जाए।

कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि यदि कोई नेता स्वस्थ है, तो उसे राजनीति में बने रहने का अधिकार है। यह बात कुछ हद तक सही है, लेकिन केवल स्वस्थ होना काफी नहीं। राजनीति में बने रहने का फैसला केवल व्यक्ति की इच्छा नहीं, लोकतंत्र की जरूरत से तय होना चाहिए। यदि हर वरिष्ठ नेता खुद को सक्षम बताकर पद छोड़ने से इंकार करे, तो नई पीढ़ी को अवसर कब मिलेगा?

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि कोई भी पद स्थाई नहीं होता। व्यक्ति पद से बड़ा नहीं होता। उसका सम्मान तब और बढ़ता है, जब वह सही समय पर पीछे हटने का साहस दिखाए। कुर्सी छोड़ना हार नहीं, कई बार सबसे बड़ी जीत होती है। राज्यसभा में 6 अप्रैल 2026 को सामने आया वह क्षण केवल शरद पवार की निजी अवस्था का दृश्य नहीं था वह भारतीय राजनीति के लिए एक गहरी चेतावनी बनकर उभरा। उसने साफ संकेत दिया कि जब शरीर जवाब देने लगे, तब अंततः कुर्सी भी किसी नेता को सहारा नहीं दे सकती। सच्चा और महान नेता वही होता है, जो केवल सत्ता पर बने रहना नहीं जानता, बल्कि सही समय पर सम्मान के साथ उसे छोड़ने का साहस भी रखता है। आज शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेताओं के सामने यह अवसर है कि वे स्वयं आगे बढ़कर राजनीति में सेवानिवृत्ति की नई परंपरा शुरू करें। यदि वे सम्मानपूर्वक पीछे हटकर नई पीढ़ी के लिए रास्ता खोलते हैं, तो वही उनका सबसे बड़ा, सबसे प्रेरक और सबसे ऐतिहासिक योगदान माना जाएगा।

कैसे सुधरे भारतीय पुलिस स्टेशनों की स्थिति

रजनीश कपूर

अक्सर हम फिल्मों और वेब सीरीज में यह देखते हैं कि किस तरह भारत की पुलिस को बुनियादी सुविधाओं और लाचार पुरानी व्यवस्थाओं के चलते अक्सर कोर्ट और मीडिया का शिकार बनना पड़ता है। जबकि वास्तविक स्थिति सभी को पता है कि पुलिस वाले भी आखिर इंसान ही होते हैं। यदि पुलिस से उम्मीद की जाए कि वह कानून व्यवस्था बनाए रखे तो क्या पुलिस व पुलिस थानों में बुनियादी जरूरतों का ध्यान रखना सरकार की प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए? इस बात को नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि फिल्में व टीवी शो समाज का आईना होते हैं। इनमें दिखाए जाने वाली पुलिस की लाचारी वास्तविकता पर ही आधारित होती है। आज जब सरकार 'डिजिटल इंडिया' और 'मॉडर्न पो. लिसिंग' का नारा लगाती है, तब भी देश के अधिकांश पुलिस स्टेशन उसी औपनिवेशिक युग की इमारतों में कैद हैं। बुनियादी सुविधाओं की कमी, जर्जर इंफ्रास्ट्रक्चर और पुरानी व्यवस्था न केवल पुलिस कर्मियों के काम को बाधित कर रही है, बल्कि आम जनता के लिए भी ए स्टेशन आतंक का प्रतीक बने हुए हैं। 2025 के इंडिया जस्टिस रिपोर्ट के अनुसार, 83 प्रतिशत पुलिस स्टेशनों में कम से कम एक सीसीटीवी कैमरा जरूर लगा है, लेकिन ऐसे कई मामले हैं जिनमें सुप्रीम कोर्ट के मानकों का पालन असंगत है। 78 प्रतिशत स्टेशनों में महिला हेल्पडेस्क बनी हैं, फिर भी महिला पुलिसकर्मियों का राष्ट्रीय औसत मात्र 12 प्रतिशत है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्टेशनों की संख्या 2017-22 के बीच 7 प्रतिशत घट गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 4 प्रतिशत बढ़ी।

जनवरी 2023 के केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में 17,849 पुलिस स्टेशन हैं, जिनमें से 58 में वाहन नहीं, 680 में लैंडलाइन फोन नहीं और 282 में मोबाइल फोन तक नहीं हैं। कई स्टेशनों में बिजली, इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता की भारी कमी है। बीपीआरडी (ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट) ने आधुनिक पुलिस स्टेशन भवनों के लिए मानक तय किए हैं, जिनमें आगंतुकों के लिए प्रतीक्षा कक्ष, शौचालय, जांच कक्ष और रिकॉर्ड रूम शामिल हैं, लेकिन ज्यादातर राज्यों में इनका पालन नाममात्र का है। असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर मॉडर्नाइजेशन ऑफ पुलिस (एएसयूएमपी) योजना के तहत केंद्र ने 2025-26 में 540 करोड़ रूपए आवंटित किए, लेकिन इसमें भी उपयोगिता कम पाई गई। सवाल उठता है कि यह जर्जर इंफ्रास्ट्रक्चर पुलिस कार्य को किस तरह बाधित कर रहा है? स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) को 24 घंटे ड्यूटी पर रहना पड़ता है, लेकिन ज्यादातर थानों में न तो आराम कक्ष ठीक हैं, न बैरक स्वच्छ। मैनुअल पेपरवर्क, पुराने रिकॉर्ड और भीड़भाड़ के कारण जांच में देरी होती है। जनता शिकायत दर्ज कराने आती है तो प्रतीक्षा कक्ष न होने से खुले में खड़ी रहती है। महिला आगंतुकों के लिए अलग शौचालय की कमी आम है। परिणामस्वरूप, पुलिस पर भरोसा घटता है और अपराधी लाभ उठाते हैं। सबसे दर्दनाक स्थिति मालखाने (पुलिस रिकॉर्ड रूम) की है। यहां सबूत, हथियार, नशीले पदार्थ और संपत्ति रखी जाती है, लेकिन ज्यादातर स्टेशनों में यह कमरा गंदा, भीड़भाड़ वाला और असुरक्षित होता है। मैनुअल रजिस्टर, चूहों-कीड़ों का आतंक और अपर्याप्त जगह के कारण सबूत बिगड़ जाते हैं। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 2024 में चूहों द्वारा सबूत नष्ट होने पर डीजीपी को आदेश दिया था कि मालखाने की नियमित देखभाल हो। दिल्ली के कई स्टेशनों में एक मालखाना अधिकारी के पास हजारों एग्जिबिट्स होते हैं, लेकिन स्टाफ की कमी से घंटों खोजबीन करनी पड़ती है। इससे सबूतों में छेड़छाड़, गुम होने या अदालत में अस्वीकार होने की घटनाएं आम हैं। कुछ राज्यों में ई-मालखाना शुरू हुआ है, जहां बारकोड और डिजिटल ट्रैकिंग से पारदर्शिता आई, लेकिन यह पूरे देश में लागू नहीं हुआ। इसी तरह, जब्त वाहनों की समस्या पर्यावरणीय आपदा बन चुकी है। देश भर के पुलिस स्टेशनों में हजारों जब्त कारें, बाइकें व अन्य छोटे बड़े वाहन सड़ रहे हैं। जो कि थानों से सटी सड़कों पर खड़े रहते हैं और यातायात बाधित करते हैं। ईंधन रिसाव, जंग, बरसाती पानी से मच्छर पनपते हैं, डेंगू-मलेरिया का खतरा बढ़ता है।

आग लगने का जोखिम तो हमेशा बना ही रहता है। पंजाब सरकार ने हाल ही में आदेश दिया कि सभी जब्त वाहन शहर से बाहर स्क्रैप यार्ड में शिफ्ट किए जाएं, लेकिन अन्य राज्यों में ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में सुधार कैसे हो? सबसे पहले, बीपीआरडी के मॉडल पुलिस स्टेशन मानकों को सख्ती से लागू किया जाए। हर स्टेशन में डिजिटल रिकॉर्ड रूम (ई-मालखाना), सीसीटीवी नाइट विजन, पर्याप्त शौचालय, प्रतीक्षा कक्ष और महिला हेल्पडेस्क अनिवार्य हों। नियम उल्लंघन के बाद जब्त वाहनों के लिए अलग-अलग डिस्पोजल यार्ड और ऑनलाइन नीलामी की व्यवस्था हो।

होम्योपैथी सौ से अधिक देशों में अपनाई जा रही है

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को 'होम्योपैथी' के जनक माने जाने वाले जर्मन मूल के चिकित्सक, महान विद्वान, शोधकर्ता, भाषाविद और उत्कृष्ट वैज्ञानिक डा। क्रिश्चियन फेडरिक सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिवस के अवसर पर 'विश्व होम्योपैथी दिवस' मनाया जाता है। होम्योपैथी को आधार बनाने के सिद्धांत से चिकित्सा विज्ञान की एक पूरी प्रणाली को प्राप्त करने का श्रेय डा. हैनीमैन को ही जाता है। इसीलिए उनके जन्मदिवस को 'विश्व होम्योपैथी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का उद्देश्य चिकित्सा की इस अलग प्रणाली के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ प्रत्एक व्यक्ति तक इसकी पहुंच की सफलता दर को आसानी से बेहतर बनाना है। 10 अप्रैल 1755 को जन्मे डा. हैनीमैन के पास एमडी की डिग्री थी लेकिन उन्होंने बाद में अनुवादक के रूप में कार्य करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। उसके बाद उन्होंने अंग्रेजी, फ्रांसीसी, इतालवी, ग्रीक, लैटिन इत्यादि कई भाषाओं में चिकित्सा, वैज्ञानिक पाठ्यपुस्तकों को सीखा। होम्योपैथी एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है, जो औषधियों तथा उनके अनुप्रयोग पर आधारित है।

देश में प्रतिवर्ष केन्द्रीय आयुष मंत्रालय होम्योपैथी दिवस की थीम निर्धारित करता है और देशभर में यह विशेष दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व होम्योपैथी दिवस 'सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी' विषय के साथ मनाया जा रहा है। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर इस वर्ष डा. हैनीमैन की 271वीं जयंती मनाई जा रही है। इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य भारत सहित दुनियाभर में होम्योपैथी औषधियों की सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावकारिता को मजबूत करना, होम्योपैथी को आगे ले जाने की चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों को समझना, राष्ट्रीय नीतियों के विकास की रणनीति तैयार करना, अंतरपद्धति एवं अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग, उच्चस्तरीय गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा, प्रमाण आधारित चिकित्सा कार्य और विभिन्न देशों में होम्योपैथी को स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में समुचित स्थान दिलाकर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि वैकल्पिक और परम्परागत औषधियों को बढ़ावा दिए बगैर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में विश्व में होम्योपैथी का प्रमुख स्थान है।

अपनी कुछ अलग ही विशेषताओं के कारण होम्योपैथी आज विश्वभर में सौ से भी अधिक देशों में अपनाई जा रही है तथा भारत तो होम्योपैथी के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश है। दरअसल होम्योपैथी दवाओं को विभिन्न संक्रमित और गैर संक्रमित बीमारियों के अलावा बच्चों और महिलाओं की बीमारियों में भी विशेष रूप से प्रभावी माना जाता है। हालांकि होम्योपैथिक दवाओं के बारे में धारणा है कि इन दवाओं का असर रोगी पर धीरे-धीरे होता है लेकिन इस चिकित्सा प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह रोगों को जड़ से दूर करती है और इन दवाओं के साइड इफेक्ट भी नहीं के बराबर होते हैं। होम्योपैथी

दवाएं प्रत्एक व्यक्ति पर अलग तरीके से काम करती है और अलग-अलग व्यक्तियों पर इनका असर भी अलग ही होता है। होम्योपैथी चिकित्सकों की मानें तो डायरिया, सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी बीमारियों में होम्योपैथी दवाएं एलोपैथी दवाओं की ही भांति तीव्रता से काम करती हैं लेकिन अस्थमा, गठिया, त्वचा रोगों इत्यादि को ठीक करने में ए दवाएं काफी समय तो लेती हैं मगर इन रोगों को जड़ से खत्म कर देती हैं। होम्योपैथी के बारे में सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि होम्योपैथी को चमत्कार के रूप में माना जाता है। केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के अनुसार चिकित्सा का ही एक वैकल्पिक रूप है होम्योपैथी, जो 'सम: समम् शमयति' अथवा 'समरूपता' दवा सिद्धांत पर आधारित है, जो दवाओं द्वारा रोगी का उपचार करने की ऐसी विधि है, जिसमें किसी स्वस्थ व्यक्ति में प्राकृतिक रोग का अनुरूपण करके समान लक्षण उत्पन्न किया जाता है, जिससे रोगग्रस्त व्यक्ति का उपचार किया जा सकता है। भारत में होम्योपैथी सबसे लोकप्रिय चिकित्सा प्रणालियों में से एक है।

अपनी कुछ अलग ही विशेषताओं के कारण होम्योपैथी आज विश्वभर में सौ से भी अधिक देशों में अपनाई जा रही है तथा भारत तो होम्योपैथी के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश है। होम्योपैथी दवाओं को विभिन्न संक्रमित और गैर संक्रमित बीमारियों के अलावा बच्चों की बीमारियों में भी विशेष रूप से प्रभावी माना जाता है।

देशभर में 210 से ज्यादा होम्योपैथी अस्पताल, 8 हजार से ज्यादा होम्योपैथी डिस्पेंसरी और करीब तीन लाख होम्योपैथी प्रैक्टिशनर हैं। भारत में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है। दिखने में भले ही होम्योपैथी दवाएं एक जैसी लगती हैं किन्तु वास्तव में विश्वभर में होम्योपैथी की 4000 से भी ज्यादा तरह की दवाएं हैं। होम्योपैथी के संस्थापक माने जाने वाले सैमुअल हैनीमैन का कहना था कि इलाज का उच्चतम आदर्श सबसे भरोसेमंद और कम से कम हानिकारक तरीके से स्वास्थ्य की तेज, कोमल और स्थाई बहाली है। चूंकि होम्योपैथी की अनेक दवाओं का प्रभाव रोगी के शरीर पर अपेक्षाकृत धीमी गति से प्रकट होता है जबकि एलोपैथी त्वरित राहत देने के लिए जानी जाती है, इसलिए लोकप्रियता के पैमाने पर दोनों पद्धतियों की तुलना अक्सर की जाती है। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि होम्योपैथी आज भी विश्वभर में सबसे अधिक प्रचलित वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों में शामिल है। इसका कारण केवल इसकी सुलभता या कम लागत नहीं बल्कि इसकी वह विशिष्ट उपचार पद्धति है, जो शरीर को स्वयं को संतुलित और स्वस्थ करने की दिशा में प्रेरित करती है। होम्योपैथिक उपचार रोग के लक्षणों को दबाने के बजाय उसके मूल कारण तक पहुंचने का प्रयास करता है, जिससे रोग की पुनरावृत्ति की संभावना भी कम हो जाती है।

यह पद्धति व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पहलुओं को एक साथ ध्यान में रखती है, जिससे उपचार अधिक समग्र और प्रभावी बनता है। साथ ही, प्राकृतिक स्रोतों से निर्मित और अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में दी जाने वाली दवाएं सामान्यत: दुष्प्रभाव रहित मानी जाती हैं तथा अन्य दवाओं के साथ प्रतिकूल प्रतिक्रिया की संभावना भी न्यूनतम होती है। यही कारण है कि आज के जटिल और दुष्प्रभाव-प्रधान चिकित्सा परिवेश में होम्योपैथी एक सुरक्षित, संतुलित और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है।

कोलकाता। बारिश के बीच जेब्रा क्रॉसिंग पार करते लोग।

अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम समझौते में लेबनान शामिल नहीं: वेंस

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ हुए युद्धविराम पर कहा कि उनका मानना है कि ईरान को यह गलतफहमी थी कि लेबनान को भी इसमें शामिल किया गया है। वेंस बुधवार को हंगरी से रवाना होते समय पत्रकारों से बातचीत में ये बातें कही। वेंस ने कहा कि युद्धविराम हमेशा पेचीदा होते हैं और उन्होंने ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ के इस दावे का जवाब दिया कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्धविराम समझौते की तीन धाराओं का उल्लंघन किया है। ईरानी संसद के अध्यक्ष ने दावा किया था कि अमेरिका युद्धविराम समझौते के तीन बिंदुओं का उल्लंघन कर रहा है।

होर्मुज पर लगे संभावित शुल्क से नाराज तेल कंपनियां: रिपोर्ट्स

वाशिंगटन। तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने व्हाइट हाउस से संपर्क कर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए ईरान द्वारा संभावित शुल्क लगाए जाने की चर्चाओं पर चिंता जताई है। यह जानकारी पॉलिटिको अखबार ने मामले से परिचित एक स्रोत के हवाले से दी है। रिपोर्टों के अनुसार, तेल कंपनियों के अधिकारियों ने व्हाइट हाउस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से अपील की है कि वे शांति वार्ता की शर्त के रूप में ईरान को इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए शुल्क लेने की अनुमति देने का विरोध करें। स्रोत के मुताबिक, तेल उद्योग के प्रतिनिधियों ने बुधवार सुबह अमेरिकी विदेश विभाग में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें अपनी चिंताओं से अवगत कराया।

ईरान के साथ सीजफायर राजनीतिक मजबूरी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने ट्रम्प सरकार की नीतियों को बताया खतरनाक

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जान बोल्टन ने एक बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ हुआ मौजूदा युद्धविराम केवल राजनीतिक दबाव का नतीजा है। अगर यह समझौता लंबे समय तक नहीं टिका, तो अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष और भी ज्यादा गहरा सकता है।

अगर यह समझौता लंबे समय तक नहीं टिका, तो अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष और भी ज्यादा गहरा सकता है

बोल्टन ने पीटीआई वीडियोज को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्पने यह कदम घरेलू राजनीति की वजह से उठाया है। अमेरिका में पेट्रोल की बढ़ती कीमतें और ट्रम्प की गिरती लोक. प्रियता इसके पीछे मुख्य कारण हैं। बोल्टन का मानना है कि ट्रम्प को डर था कि ईरान के साथ लंबा युद्ध उनकी छवि को और खराब कर सकता है। उनके अनुसार, ट्रम्प अक्सर देश के हितों से ज्यादा अपने फायदे के बारे में सोचते हैं। अगर उनकी यह सोच जारी रही, तो अमेरिका को भविष्य में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। बोल्टन ने रणनीतिक खतरे का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान को हार्मुज जलडमरूमध्य पर कब्जा करने देना एक बड़ी गलती होगी। पिछले 50 वर्षों से अमेरिका की यह नीति रही है कि खाड़ी के तेल वाले रास्तों पर किसी एक देश का नियंत्रण न हो। अगर ईरान वहां सबसे ताकतवर खिलाड़ी बनता है, तो यह अमेरिका की बड़ी रणनीतिक हार होगी। इस युद्धविराम को कराने में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र ने भी पर्दे के पीछे से भूमिका निभाई है। बोल्टन ने कहा कि ट्रम्प और पाकिस्तान के जनरल असीम मुनीर के बीच अच्छे संबंध हैं और ट्रम्प उन्हें खुश करना चाहते थे। उन्होंने आगे कहा, अंतर्राष्ट्रीय मामलों में ट्रम्पके साथ यही दिक्कत है। उन्हें लगता है कि अगर किसी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं, तो वह उस पर भरोसा कर सकते हैं, और वह व्यक्ति सही काम करेगा। बोल्टन ने यह भी कहा हो सकता है चीन ने भी ईरान पर दबाव बनाया होगा ताकि तेल की सप्लाई का रास्ता खुल सके। ईरान की मौजूदा स्थिति पर बोल्टन ने कहा कि अमेरिकी हमलों ने ईरान की सेना (आईआरजीसी) और वहां के नेतृत्व को काफी चोट पहुंचाई है। लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। ईरान की सरकार अभी भी सत्ता में है। बोल्टन ने चेतावनी दी कि अगर ईरान पर से पाबंदियां हटती हैं, तो वह तेल से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को फिर से खड़ा करने में करेगा।

युद्धविराम वार्ता में नया संकट पैदा हुआ

इस्लामाबाद में ईरान के राजदूत ने अपने प्रतिनिधिमंडल के पाकिस्तान पहुंचने संबंधी पोस्ट को हटाया

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम वार्ता में नया संकट पैदा हो गया है। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमिरी मोघम ने गुरुवार को इस्लामाबाद में होने वाली शांति वार्ता के संदर्भ में किया गया अपना एक सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिया है। मोघम ने पहले पोस्ट किया था कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल गुरुवार रात (10 अप्रैल) इस्लामाबाद पहुंचेगा। पोस्ट में यह भी कहा गया था कि यह दौरा ईरानी जनता के बीच व्याप्त संदेह के बावजूद हो रहा है, क्योंकि इजरायल द्वारा लगातार युद्धविराम का उल्लंघन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कूटनीतिक पहल को विफल करना है।

इस पोस्ट के हटाए जाने से युद्धविराम वार्ता की सफलता को लेकर लगाई जा रहीं अटकलें और तेज हो गई हैं। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम से शांति की उम्मीदें जगी ही थीं कि इजरायल ने लेबनान में भीषण हमले शुरू कर दिए, जिसमें कम से कम 254 लोग मारे गए। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने तेहरान की शांति योजना के उल्लंघन की कड़ी आलोचना की है। गालिबाफ ने कहा कि लेबनान में जारी हमलों, ईरानी हवाई क्षेत्र में ड्रोन की घुसपैठ और ईरान के परमाणु संवर्धन के अधिकार को नकारे जाने के बीच युद्धविराम और बातचीत 'तर्कहीन' है। गौरतलब है कि गालिबाफ को ईरान की ओर से शांति वार्ता का नेतृत्व सौंपा गया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर गालिबाफ ने ईरान के '10-सूत्रीय प्रस्ताव' के तीन प्रमुख खंडों के उल्लंघन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के प्रति हमारा गहरा ऐतिहासिक अविश्वास उसकी बार-बार की वादाखिलाफी से उपजा है, जो दुर्भाग्य से एक बार फिर दोहराया गया है। गालिबाफ ने तीन मुख्य उल्लंघनों का उल्लेख किया। पहला,

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम से शांति की उम्मीदें जगी ही थीं कि इजरायल ने लेबनान में भीषण हमले शुरू कर दिए जिसमें कम से कम 254 लोग मारे गए

ईरान ने युद्धविराम के लिए रखी लेबनान में इजरायली हमले रोकने की शर्त

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्धविराम लागू करने के लिए लेबनान में इजरायली हमलों का तत्काल रुकना एक प्रमुख शर्त है। उन्होंने कहा कि ईरान की 10-सूत्रीय योजना के तहत प्रस्तावित युद्धविराम 'ईरानी नेतृत्व और जनता के बलिदान का परिणाम' है और अब देश कूटनीति, रक्षा तथा जनभागीदारी के स्तर पर एकजुट रहेगा। पेजेश्कियान ने कहा, ष्ईरान द्वारा अपेक्षित सामान्य सिद्धांतों की स्वीकृति के साथ, यह युद्धविराम हमारे महान शहीद नेता खामेनेई के रक्त का फल था, और यह मैदान में समस्त जनता की उपस्थिति की उपलब्धि थी। आज से हम एकजुट रहेंगे, चाहे वह कूटनीति हो, रक्षा हो, जन-लामबंदी हो, या सेवा-प्रदान हो। दूसरी ओर, ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबफ ने वार्ता से पहले ही समझौते के उल्लंघन पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लेबनान में हमले जारी रहने, ईरानी हवाई क्षेत्र में ड्रोन घुसपैठ और परमाणु संवर्धन के अधिकार से इनकार जैसे कदमों के बीच युद्धविराम और बातचीत 'अतार्किक' है। ग़ालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की 10-सूत्री योजना को वार्ता के आधार के रूप में स्वीकार किया है।

समझौता होने तक ईरान के आसपास तैनात रहेंगे अमेरिकी जहाज, विमान: ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ अंतिम समझौते के पूरी तरह लागू होने तक उनके युद्धपोत, विमान और सैन्य बल ईरान के आसपास तैनात रहेंगे। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर कहा कि अमेरिका के सभी जहाज, विमान और सैन्य कर्मी, अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और अन्य सभी चीजें ईरान में और उसके आसपास तब तक तैनात रहेंगे, जब तक कि वास्तविक समझौते का पूरी तरह से पालन नहीं हो जाता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समझौता लागू नहीं हुआ, तो संघर्ष पहले से कहीं अधिक 'बड़ा, बेहतर और अधिक ताकतवर' रूप ले सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अमेरिका लंबे समय से इस बात पर कायम है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा और होर्मुज जलडमरूमध्य खुला तथा सुरक्षित रहेगा। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिकी सेना हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है और आगे की कार्रवाई के लिए पूरी तरह से सतर्क है।

लेबनान में युद्धविराम लागू करने के पहले खंड का पालन नहीं करना। दूसरा, ईरान के फार्स प्रांत के लार शहर में एक घुसपैठिया ड्रोन का प्रवेश, जो हवाई क्षेत्र के उल्लंघन न करने की शर्त का सीधा उल्लंघन है।

ट्रम्प ने रुट्टे से व्हाइट हाउस में मुलाकात की नाटो की आलोचना

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में नाटो महासचिव मार्क रुट्टे के साथ एक निजी बैठक के बाद, ईरान युद्ध में अमेरिका का समर्थन न करने के लिए नाटो की फिर से आलोचना की। यह जानकारी बीबीसी ने गुरुवार को दी। बैठक के बाद ट्रुथ सोशल पर साझा की गई एक पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जब हमें नाटो की जरूरत थी तब वे मौजूद नहीं थे और अगर हमें उनकी फिर से जरूरत पड़ी तो वे मौजूद नहीं होंगे। इस बीच, स्पष्ट मतभेदों के बावजूद रुट्टे ने सीएनएन को ट्रम्प के साथ अपनी मुलाकात को बहुत स्पष्ट और बहुत खुला करार दिया। बुधवार को होने वाली वार्ता से पहले, ट्रम्प ने नाटो से बाहर निकलने के विचार पर गौर किया था क्योंकि कई नाटो देशों ने वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतों को कम करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में मदद करने के उनके आह्वान का विरोध किया था। हालांकि व्हाइट हाउस ने वार्ता के विवरण का खुला. सा नहीं किया। नाटो महासचिव बुधवार को दो घंटे से अधिक समय तक व्हाइट हाउस में रहे, हालांकि ट्रम्प के साथ उनकी बैठक कितने समय तक चली यह ज्ञात नहीं है। इस बैठक का उद्देश्य ट्रम्प को यह समझाना और राजी करना था कि नाटो गठबंधन में बने रहना उनके और अमेरिका दोनों के हित में है।

ट्रम्प के टैरिफ से घबरा गया चीन!

बीजिंग। अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान के तनाव के बीच चीन ने बड़ा बयान दिया है। चीन ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि उसने युद्ध के दौरान ईरान की सैन्य मदद की। इस बयान के बाद अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है और चीन की भूमिका पर बहस शुरू हो गई है। दरअसल, चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओ. गांग ने साफ कहा कि चीनी कंपनियों द्वारा ईरान को सैटेलाइट तस्वीरें या चिप बनाने का उपकरण देने की खबरें पूरी तरह गलत हैं।

ईरान से मोड़ा मुंह, सैन्य मदद देने की खबरों से किया इन्कार, चीन की भूमिका पर वैश्विक बहस शुरू

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ अफवाह और भ्रामक जानकारी है, जिसका कोई आधार नहीं है। चीन ने अमेरिका के उन आरोपों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि चीन और रूस ईरान की मदद कर रहे हैं। चीन ने साफ शब्दों में कहा कि उसने ईरान को किसी भी तरह की सैन्य सहायता नहीं दी है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चीनी कंपनी ने अमे. रिकी सैन्य ठिकानों की तस्वीरें जारी की थीं और सेमीकंडक्टर उपकरण उपलब्ध कराए थे, लेकिन चीन ने इन सभी आरोपों को नकार दिया। चीन ने अमेरिका के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि कुछ देश जानबूझकर चीन के खिलाफ गलत जानकारी फैला रहे हैं। चीन ने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय समझता है कि कौन युद्ध को बढ़ावा दे रहा है और कौन शांति की बात कर रहा है। चीन ने कहा कि वह हमेशा से ईरान मुद्दे पर निष्पक्ष और संतुलित रुख अपनाता रहा है। उसने दावा किया कि वह लगातार शांति वार्ता को बढ़ावा देता रहा है और कभी भी हालात को भड़काने का काम नहीं किया। चीन ने खुद को शांति समर्थक देश बताया। हालांकि माना जा रहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के सख्त रुख और टैरिफ नीति के चलते चीन पर दबाव बना हुआ है। ऐसे में चीन का यह बयान वैश्विक कूटनीति में संतुलन बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

दुनिया होर्मुज पार करने के लिए ईरान को भुगतान स्वीकार नहीं करेगी: मित्सोताकिस

वाशिंगटन। यूनान के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के गुजरने के लिए ईरान को भुगतान करना स्वीकार नहीं करेगा। मित्सोताकिस ने जोर देकर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने के लिए भुगतान संबंधी अमे. रिका-ईरान समझौता नौवहन की स्वतंत्रता के लिए एक खतरनाक मिसाल साबित होगा। उन्होंने कहा कि लेबनान में संघर्ष विराम, ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच शांति समझौते का एक हिस्सा बनना चाहिए। गौरतलब है कि ट्रम्प ने मंगलवार रात को कहा कि वह ईरान के साथ दो सप्ताह के द्विपक्षीय संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं।

ईरान के तीन-सूत्री उल्लंघन के दावों पर बोले वेंस

वॉशिंगटन/तेहरान। अमे. रिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान द्वारा युद्धविराम समझौते के तीन बिंदुओं के उल्लंघन के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि युद्धविराम हमेशा पेचीदा होते हैं। वेंस ने हंगरी से प्रस्थान से पहले संवाददाताओं से बातचीत में ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर ग़ालिबाफ के उस बयान पर टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने वॉशिंगटन पर युद्धविराम के तीन प्रावधानों के जानबूझकर उल्लंघन का आरोप लगाया था। वेंस ने कहा कि यदि ग़ालिबाफ के पास केवल तीन असहमति के बिंदु हैं, तो इसका अर्थ है कि काफी हद तक सहमति भी है। वेंस ने कहा कि युद्धविराम हमेशा थोड़ा अव्यवस्थित होता

हमेशा पेचीदा होते हैं युद्धविराम

है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा युद्धविराम की घोषणा के एक घंटे के भीतर ही ईरान ने पड़ोसी देशों पर कई मिसाइलें दागीं, जिसके बाद इजरायल और कुछ खाड़ी अरब देशों ने जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि यही युद्धविराम की प्रकृति है। कोई भी युद्धविराम बिना कुछ उतार-चढ़ाव के नहीं होता। हम स्पष्ट रूप से यह चाहते हैं कि बमबारी रुके। हम अपने सहयोगियों से भी बमबारी रोकने को कहते हैं और ईरान से भी यही अपेक्षा रखते हैं। हमें संकेत मिल रहे हैं कि स्थिति सही दिशा में जा रही है, लेकिन इसमें थोड़ा समय लगेगा।

एक्टर मैथ्यू पैरी की मौत के मामले में भारतीय मूल की महिला को 15 साल की सजा

वाशिंगटन। हॉलीवुड के मशहूर टीवी शो 'फ्रेंड्स' के अभिनेता मैथ्यू पैरी की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में अदालत ने भारतीय मूल की महिला जसवीन संघा को 15 साल की जेल की सजा सुनाई है। जसवीन को 'केटामाइन क्वीन' के नाम से भी जाना जाता है। जसवीन संघा ने पिछले साल सितम्बर में पांच आरोपों को स्वीकार किया था। इनमें केटामाइन बेचने का आरोप भी शामिल था, जिसे मैथ्यू पैरी की मौत की बड़ी वजह माना गया। केटामाइन एक बेहोश करने वाली दवा है, जिसका इस्तेमाल केवल डाक्टर की निगरानी में ही किया जाता है। मैथ्यू पैरी अक्टूबर 2023 में अपने घर के हाट टब में मृत पाए गए थे।

सऊदी अरब और तेहरान के बीच नजदीकियां बढ़ी

सऊदी के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच टेलीफोन पर एक लंबी बातचीत हुई

तेहरान। पश्चिम एशिया से एक ऐसी खबर आई है, जो पूरी दुनिया को हैरान भी कर रही है और राहत भी दे रही है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में होने वाली निर्णायक शांति वार्ता से ठीक पहले सऊदी अरब और तेहरान के बीच नजदीकियां बढ़ती दिख रही हैं।

यह इस बात का संकेत हैं कि खाड़ी में अब बुलेट नहीं, बल्कि बातचीत का दौर शुरू होने वाला है। खबर है कि सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच टेलीफोन पर एक लंबी बातचीत हुई है। दोनों नेताओं ने न केवल खाड़ी में तनाव घटाने पर चर्चा की, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता बहाल करने पर भी जोर दिया। पश्चिम एशिया में तनाव के बाद यह पहली बार है

दोनों नेताओं ने न केवल खाड़ी में तनाव घटाने पर चर्चा की, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता बहाल करने पर भी जोर दिया
यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब लेबनान पर इजरायली हमलों ने कोहराम मचा रखा है

जब दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत हुई है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब लेबनान पर इजरायली हमलों ने कोहराम मचा रखा है। वहीं, जवाब में ईरान ने होर्मुज की घेराबंदी कर वैश्विक व्यापार को खतरे में डाल दिया है। इस बातचीत की गहराई को समझने के लिए थोड़ा पीछे मुड़कर देखना होगा। वर्षों से ईरान और सऊदी अरब के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान ने सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे देशों को सीधे तौर पर निशाना बनाया है। सऊदी के तेल ठिकानों पर भी ईरान ने हमले किए। लेकिन, इस बीच ईरान को समझ आ गया है कि उसे अपने पड़ोसियों के साथ तालमेल बिठाना ही होगा। कूटनीतिक जानकारों का मानना है कि ईरान अब शांति वार्ता से पहले इन क्षेत्रीय शक्तियों के साथ मिलकर एक 'सुरक्षा कवच' तैयार कर रहा है, जिससे अमेरिका और इजरायल पर कूटनीतिक दबाव बनाया जा सके।

इमरान खान की बहनों पर आतंकवाद का केस

आदियाला जेल से जुड़े मामले में 1400 अन्य भी नामजद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रावलपिंडी में आदियाला रोड पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों, कई सांसदों और करीब 1400 अज्ञात लोगों के खिलाफ आतंकवाद निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुता. बिक, यह एफआईआर बुधवार को आदियाला चेकपोस्ट के प्रभारी सब-इंस्पेक्टर की शिकायत पर दर्ज की गई। पुलिस ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शनकारियों ने कानून-व्यवस्था को चुनौती दी, पथराव किया और पुलिस पर हमला किया, जिससे कम से कम नौ पुलिसकर्मी घायल हो गए। एफआईआर में हत्या के प्रयास और सरकारी काम में बाधा डालने जैसी गंभीर धाराएं भी शामिल की गई हैं। दरअसल, इमरान खान की पार्टी

इनमें इमरान खान की बहनें नूरीन नियाजी और उज्मा खानम भी शामिल हैं
एफआईआर में हत्या के प्रयास और सरकारी काम में बाधा डालने जैसी गंभीर धाराएं भी शामिल की गई हैं

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने अदियाला जेल में बंद अपने नेता से मुलाकात पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आह्वान किया था। हालांकि, प्रशासन ने पूरे जिले में धारा 144 लागू कर दी थी, जिसके तहत 15 दिनों के लिए किसी भी तरह के सार्वजनिक जमावड़े पर रोक लगा दी गई। कड़े प्रतिबंधों के बीच पुलिस ने जेल के बाहर प्रदर्शन कर रहे पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इनमें इमरान खान की बहनें नूरीन नियाजी और उज्मा खानम भी शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि मौके पर 41 संदिग्धों को पकड़ा गया था, लेकिन वे बाद में फरार हो गए, जबकि कई अन्य लोग भी घटनास्थल से भाग निकले। एफआईआर में यह भी उल्लेख किया गया है कि पथराव और लाठियों के इस्तेमाल से सरकारी और निजी वाहनों को नुकसान पहुंचा। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर अशांति फैलाने की कोशिश की, ताकि पंजाब की प्रांतीय सरकार पर दबाव बनाया जा सके। वहीं अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। संगठन ने इसे अवैध करार देते हुए कहा कि यह पाकिस्तान में शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को दबाने का एक और उदाहरण है।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ
पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108

श्री कृष्णा वोकेशनल एण्ड पैरामैडिकल कॉलेज
गांधी कॉलोनी, मेन पचैण्ड़ा रोड़, निकट गऊशाला, मुजफ्फरनगर
प्रवेश सूचना-पैरामेडिकल/वोकेशनल एण्ड यूनिवर्सिटी कोर्स
10th व 12th (OPEN Board) से करें (विषय-साइंस, आर्ट, कॉमर्स etc.)
प्रवेश- 10th हेतु- 8th पास/10thफेल, 12th हेतु-10th पास/12th फेल
(Fresh, Part Admission & TOC Facility Available) (Exam-July व Oct 2026)
NIOS(शिक्षा मंत्रालय) कोर्स- DNYS, Radiology (X-Ray Tech), CCH(एलोपैथिक), CAT(आयुर्वेदिक-पंचकर्मा टैक), CHD(होम्योपैथिक), Diploma in Yoga & YTTP, ECCE-(प्री-प्राईमरी शिक्षक हेतु), CCA (कम्पयूटर), ET (इलेक्ट्रिकल टैक.) ETC.
Contact us for UGC Approved University Courses:-
Dip. in CMS&ED, Dip. in Panchkarma Therapy, OT Tech., DMLT, BMLT, BNYS, Optometry, Ophthalmic, Dental Tech & Hygiene, Radiology & Imaging Tech, Dietician and Nutritionist, Optician Dispensing, MPHW, MRT, Agriculture, Bachelor (All Paramedical) BBA, MBA, BSC, MSC, B.Com, M.Com, M.A. B.A. Polytechnic, ITI, Nursing Assitant Etc.
M.: 8505978850, 9634519104